শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 155 | गुवाहाटी | सोमवार, 26 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महानगर में क्रिसमस की धूम, सड़कें हुई जाम पेज 3

विकास को समर्पित रहा यह साल हर क्षेत्र में दिखाई दिया भारत का बोलबाला : मोदी पेज 4

अटल जी ने भारत को दी स्थिर राजनीति : योगी पेज 5

गहलोत की पूरी सरकार ही लीक हो रही है : राजेंद्र राठौड़ पेज 8

## चीन-पाकिस्तान सीमा पर तैनात होगी प्रलय बैलिस्टिक मिसाइल

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए 120 प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी है। इन मिसाइलों को चीन और पाकिस्तान के साथ सीमाओं पर तैनात किया जाएगा। यह प्रलय बैलिस्टिक मिसाइल 150 से 500 किमी. दूरी तक के लक्ष्यों को मार सकती हैं। सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल 500-1000 किलोग्राम का भार वहन करने में सक्षम है। इसे मोबाइल लॉन्चर से लॉन्च किया जा सकता है। वरिष्ठ रक्षा सूत्रों ने बताया कि रक्षा मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय बैठक में सशस्त्र बलों के लिए लगभग 120 मिसाइलों के अधिग्रहण और चीन-पाकिस्तान की सीमा पर तैनाती को मंजूरी दी गई है। चीन और पाकिस्तान दोनों के पास बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जो सामरिक भूमिकाओं के लिए हैं। सूत्रों ने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन इन मिसाइल को और विकसित कर रहा है। अगर सेना चाहे तो इसकी मारक सीमा को काफी बढ़ाया जा सकता है। दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने थल सेनाध्यक्ष के रूप में 2015 के आसपास इस मिसाइल प्रणाली के विकास को बढ़ावा दिया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार प्रलय मिसाइल

का पिछले साल 21 और 22 दिसंबर को लगातार दिनों में दो बार सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। *प्रलय* एक अर्ध-बैलिस्टिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है। हवा में एक निश्चित सीमा तय करने के बाद इसमें अपना रास्ता बदलने की क्षमता है। प्रलय एक ठोस प्रणोदक रॉकेट मोटर और अन्य नई तकनीकों से संचालित की जाती है। मिसाइल की मार्गदर्शन प्रणाली में अत्याधुनिक नेविगेशन और एकीकृत एवियोनिक्स शामिल हैं। मिसाइल को पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया जाएगा, जिसके भारतीय सेना में शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

## कोविड पर प्रोटोकॉल का पालन करें : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोगों से सतर्क रहने और कोविड-19 के खिलाफ सावधानी बरतने को कहा, क्योंकि उन्होंने कहा कि वायरस कई देशों में फैल रहा है। साल के अपने अंतिम *मन की बात* प्रसारण में पीएम मोदी ने लोगों से मास्क पहनने और हाथ धोने जैसे प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वायरस से उनके आनंद पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। आप भी देख रहे हैं कि दुनिया के कई देशों में कोरोना बढ़ रहा है। इसलिए हमें मास्क और हाथ धुलने जैसी सावधानियों का और ज्यादा ध्यान रखना है। हम सावधान रहेंगे, तो सुरक्षित भी रहेंगे और हमारे उल्लास में कोई रूकावट भी नहीं पड़ेगी। केंद्र सरकार ने चीन समेत कई देशों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए वायरस की रो खिलाफ कदम उठाए हैं। पीएम मोदी ने कोरोना को लेकर की गई बैठकों की अध्यक्षता की है। उनकी सरकार ने राज्यों को संक्रमण से

निपटने के लिए पर्याप्त उपाय करने के लिए पत्र भी लिखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साल 2022 कई मायनों में भारत के लिए प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि इस साल भारत ने 220 करोड़ से अधिक की अविश्वसनीय टीकाकरण खुराक के साथ दुनिया में अपना एक विशेष स्थान बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश अब पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि हमने 400 अरब डॉलर (एक अरब = 100 करोड़) का *जादुई* निर्यात आंकड़ा भी हासिल किया और अंतरिक्ष, रक्षा और ड्रोन क्षेत्रों में नई प्रगति की। इस दौरान उन्होंने खेल में देश की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

## पाक सीमा पर रक्षा बुनियादी ढांचे में सुधार जारी

**नई दिल्ली।** अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सेना के टैंकों के लिए रैंप बनाने और बीएसएफ बंकरों को मजबूत करने सहित एक प्रमुख रक्षा बुनियादी ढांचे में सुधार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण और कुछ नए निर्माण का पहला चरण हाल ही में जम्मू में फ्रंट के साथ 26 किलोमीटर की दूरी पर पूरा किया गया है, जबकि इसी क्षेत्र में 33 किलोमीटर का एक और काम किया जा रहा है। जम्मू भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा की कुल दूरी 2,289 किलोमीटर में से 192 किमी लंबी सीमा को साझा करता है। दोनों पड़ोसियों के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) प्रमुख रूप से कश्मीर में पड़ती है और यह करीब 772 -शेष पृष्ठ दो पर

## मेघालय सरकार पर पर्यावरणीय मुआवजा नहीं : एनजीटी

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने मेघालय पर 109 करोड़ रुपए का पर्यावरणीय मुआवजा लगाने से परहेज किया है। दरअसल, एनजीटी ने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि राज्य पहले ही ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जरूरी धनराशि देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जता चुका है। गौरतलब है कि एनजीटी नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अन्य पर्यावरणीय -शेष पृष्ठ दो पर

## 4,841 स्कूलों को मुख्यमंत्री ने किया पुरस्कार वितरित

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित गुणोत्सव 2022 के पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर गुणोत्सव के मूल्यांकन के समय उच्चतम ए ग्रेड प्राप्त करने वाले प्रदेश के 4,841 स्कूलों को असम सरकार की ओर से 25-25 हजार रुपए इनाम के रूप में दिए गए। समारोह में सबसे ज्यादा ए ग्रेड वाले जिलों को भी प्रथम, द्वितीय और -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

## प्रचंड होंगे नेपाल के नए पीएम, शपथ आज

**काठमांडू।** पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड नेपाल के अगले प्रधानमंत्री होंगे। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने रविवार शाम उनकी नियुक्ति की घोषणा की। इससे पहले प्रचंड ने पूर्व प्रधानमंत्री और चीन के करीबी माने जाने वाले कम्युनिस्ट नेता केपी शर्मा ओली समेत 5 अन्य गठबंधन पार्टियों के साथ राष्ट्रपति से मुलाकात की थी और सरकार बनाने का दावा पेश किया। प्रचंड सोमवार शाम 4 बजे शपथ लेंगे। प्रचंड तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बनेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

## गुवाहाटी-कोलकाता स्पेशल ट्रेन में आग, टला बड़ा हादसा

**कटवा।** क्रिसमस पर बड़ा हादसा टल गया। चलती गुवाहाटी-कोलकाता स्पेशल ट्रेन में आग लग गई। रविवार दोपहर ट्रेन के कटवा स्टेशन में प्रवेश करते ही अन्य यात्रियों ने आग की लपटें देखीं। उसके बाद ट्रेन के सभी यात्रियों सहित कटवा थाना क्षेत्र में दहशत फैल गई। ट्रेन के कटवा स्टेशन पर रुकते ही यात्री आनन-फानन में प्लेटफार्म पर उतर कर भागने लगे। हालांकि, ट्रेन को तुरंत रोक दिया गया और मरम्मत का काम शुरू हो गया। कोई हताहत नहीं हुआ है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक चल रही गुवाहाटी-कोलकाता स्पेशल ट्रेन के एसी डिब्बे, बी-1 कोच से आग की लपटें निकलती दिखाई दीं। मुख्य रूप से कमरे के नीचे से आग की लपटें निकलती दिखाई दे रही थी। खबर मिलने पर चालक ने कटवा स्टेशन पर ट्रेन रोक दी और रेलवे अधिकारियों ने मरम्मत का काम शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गुवाहाटी-कोलकाता स्पेशल ट्रेन जब कटवा स्टेशन में दाखिल -शेष पृष्ठ दो पर

## असम एनआरसी के डेटा में छेड़छाड़ : कैग

**गुवाहाटी।** भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (कैग) ने असम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की प्रक्रिया में भारी विसंगतियां पाई हैं। कैग ने एनआरसी के डेटा में छेड़छाड़ के जोखिम को चिह्नित किया है। कैग ने शनिवार को असम विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन 2020 में समाप्त वर्ष के लिए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 215 सॉफ्टवेयर यूटीलिटीज को अनियमित तरीके से कोर सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया था। एनआरसी को अपडेट करने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

## तुनिशा की मौत मामले में शिजान खान गिरफ्तार

**मुंबई ( हि.स. )।** टीवी कलाकार तुनिशा शर्मा (उम्र 20) की संदिग्ध हालात में मौत होने के मामले में वालीव पुलिस स्टेशन की टीम ने रविवार को उसके सह कलाकार शिजान खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे वसई सेशन कोर्ट में पेश किया और कोर्ट ने 28 दिसंबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। टीवी कलाकार तुनिशा शर्मा का शव शनिवार को सोनी सब टीवी के सीरियल *अलीबाबा दास्तान ए काबुल* के सेट पर बाथरूम में मिला था, शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या का मामला बताया गया है। टीवी कलाकार तुनिशा शर्मा के शव का आज सुबह मुंबई के जेजे अस्पताल में अंडर कैमरा पोस्टमॉर्टम किया गया है। वालीव थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कैलास बर्वे के -शेष पृष्ठ दो पर

## अलविदा 2022: कॉलेजियम पर केंद्र से रहा विवाद

**नई दिल्ली।** कॉलेजियम प्रणाली पर सरकार के साथ टकराव के बीच सुप्रीम कोर्ट में इस साल तीन प्रधान न्यायाधीश नजर आए और शीर्ष अदालत ने कई महत्वपूर्ण फैसले सुनाए। इनमें 2002 के गुजरात दंगों में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को क्लीनचिट देने के एसआईटी के फैसले को बरकरार रखना, विवादास्पद धनशोधन कानून तथा प्रवेश एवं सरकारी नौकरियों में ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर तबके) के लिए 10 फीसद आरक्षण को सही ठहराने जैसे अहम फैसले सुनाए।

**कॉलेजियम पर केंद्र के साथ तकरार :** कॉलेजियम प्रणाली से लेकर जमानती एवं छोटी-मोटी जनहित याचिकाओं और दीर्घकालीन अदालती अवकाश तक विभिन्न मुद्दों पर कानून मंत्री किरण रिजीजू की अगुवाई में केंद्र की ओर से न्यायपालिका पर प्रहार के बाद शीर्ष अदालत ने पलटवार किया। सुप्रीम कोर्ट ने शीर्ष अदालत के लिए न्यायाधीशों के नामों को मंजूरी देने को लेकर केंद्र को खरीखोटी सुनायी और उसने यह भी कहा कि व्यक्तिगत आजादी के उल्लंघन के मामले में यदि वह कार्रवाई नहीं करे तो फिर उसका अस्तित्व ही किसलिए है। शीर्ष अदालत में 72 साल के इतिहास में 2002 के बाद दूसरी बार साल में तीन प्रधान न्यायाधीश बने। अप्रैल, 2021 में 48 वें प्रधान न्यायाधीश बने न्यायमूर्ति एन वी रमण के सेवानिवृत होने के बाद न्यायमूर्ति यू यू ललित प्रधान न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति ललित की सेवानिवृति के बाद न्यायमूर्ति डी वाई -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
*मंत्रणा को गुप्त रखने से ही कार्य सिद्ध होता है।*
– आचार्य चाणक्य

### न्यूज गैलरी

## पीएम आवास योजना से हटाए गए 5.5 लाख नाम

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों की सूची से अब तक 5.5 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाए जा चुके हैं। जानकारी के मुताबिक 10 दिसंबर तक लाभार्थियों की सूची में 45.92 लाख नाम थे, जो समीक्षा के बाद 40.27 लाख हो गए हैं। गौरतलब है कि बंगाल में प्रधानमंत्री आवास योजना में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं। केंद्र के निर्देश पर राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक जिले में लाभार्थियों की सूची की समीक्षा की जा रही है और अपात्र लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं। समीक्षा करते -शेष पृष्ठ दो पर

## डीआरडीओ की 20 परियोजनाओं पर कैग ने उठाए सवाल

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की 20 परियोजनाओं पर सवाल उठाए हैं। कैग ने कहा कि डीआरडीओ ने अपनी इन परियोजनाओं के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए समय विस्तार मांगने के बजाय उन्हें सफल मानकर बंद कर दिया। बंद की गई परियोजनाओं को उनके लक्ष्य हासिल करने के लिए फिर से नए के रूप में लिया गया। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश की रिपोर्ट में कैग ने कहा है कि डीआरडीओ को परियोजनाओं का लक्ष्य हासिल करने के लिए समय विस्तार की अनुमति लेनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा न करके उन्हें सफल मानकर बंद कर दिया गया। डीआरडीओ ने 516.61 करोड़ रुपए की 15 परियोजनाओं को अपने हाथ में लिया, ताकि पहले बंद की गई परियोजनाओं को सफल घोषित करने के बाद उनके अप्राप्त उद्देश्यों को पूरा किया जा सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2010-2019 के दौरान सफल घोषित की गई 86 परियोजनाओं में से 1,074.67 करोड़ रुपए के व्यय वाली 20 परियोजनाओं में प्रमुख उद्देश्य या पैरामीटर हासिल -शेष पृष्ठ दो पर

## कश्मीरी पंडित का स्थानांतरण जम्मू में हो : आजाद

**श्रीनगर।** डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी (डीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने रविवार को कहा कि कश्मीर में स्थिति में सुधार होने तक कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को जम्मू स्थानांतरित किया जाना चाहिए। आजाद ने कहा कि दुर्भाग्य से कुछ घटनाएं हो गई हैं। जीवन प्राथमिकता में है और इसलिए मेरी राय है कि कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को जम्मू में सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए। स्थिति में सुधार होने के बाद उनलोगों को वापस लौटना चाहिए। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

## सोलह सैनिकों के शव भेजे गए उनके गांव

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** उत्तरी सिक्किम में लाचेन से करीब 15 किमी. दूर जेमा में 23 दिसंबर को सेना का ट्रक खाई में गिरने से शहीद हुए तीन जूनियर कमीशंड अधिकारियों और 13 सैनिकों के शव उनके पैतृक गांव भेज दिए गए हैं। 13 कर्मियों के पार्थिव शरीर हवाई मार्ग से और तीन के शव सड़क मार्ग से भेजे गए हैं। सभी शहीदों को पश्चिम बंगाल के बागडोगरा हवाई अड्डे के तकनीकी क्षेत्र में शनिवार को श्रद्धांजलि देने के बाद पार्थिव शरीरों को भेजने की प्रक्रिया रविवार को पूरी कर ली गई। सेना की ओर से जारी बयान में बताया गया था कि सेना के तीन -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**


# उरी में सेना ने पकड़ा भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर एके-74 राइफलों, पाकिस्तानी हथगोले और आई लव पाकिस्तान लिखे गुब्बारों सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। सेना के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह बरामदगी ऐसे समय हुई है जब कश्मीर में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने या युद्धक सामग्री की तस्करी को लेकर पाकिस्तानी पक्ष में भारी हताशा है, क्योंकि घाटी में आतंकवादियों की संख्या और हथियारों तथा गोला-बारूद की मात्रा अब तक के सबसे कम स्तर पर है। सेना की 19 इन्फेंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल अजय चांदपुरिया ने कहा कि उरी में रामपुर सेक्टर के हथलंगा में घुसपैठ के प्रयासों और आतंकवादियों द्वारा हथियार एवं गोला-बारूद छोड़े जाने के बारे में दो सप्ताह से विभिन्न खुफिया एजेंसियों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर एलओसी पर तलाशी अभियान चलाया गया। सेना अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार को हथलंगा नाला क्षेत्र में एक तलाशी अभियान शुरू किया गया था, जो आठ घंटे तक चला और हथियार, गोला-बारूद और अन्य युद्धक सामग्री जैसी चीजों की बरामदगी के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा कि बरामद की गईं वस्तुओं में आठ एके-74 राइफल, 24 एके-74 राइफल मैगजीन, एके-74 के 7.62 एमएम के 560 कारतूस, .30 एमएम की 12 चीनी पिस्तौल, चीनी पिस्तौल की 24 मैगजीन, .30 एमएम की पिस्तौल के 244 कारतूस, नौ चीनी हथगोले, पांच पाकिस्तानी हथगोले, 81 गुब्बारे जिन पर आई लव पाकिस्तान लिखा हुआ था, और पाकिस्तानी चिह्न वाले पांच सिंथेटिक टाट शामिल हैं। मेजर जनरल चांदपुरिया ने कहा कि कश्मीर घाटी में स्थिति सामान्य है और आतंकवादियों की संख्या तथा हथियारों एवं गोला-बारूद की उपलब्धता अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। इसलिए, दूसरी ओर से आतंकवादियों की घुसपैठ या युद्धक सामग्री जैसी चीजों की तस्करी को लेकर वहां भारी हताशा है। सेना के अधिकारी ने हथियारों की बरामदगी का जिक्र करते हुए कहा कि सुरक्षाबलों को नियमित रूप से इस तरह की खबरें मिलती रहती हैं और अभी यह नहीं कहा जा सकता कि इस तरह की सामग्री को हासिल करने का यह आतंकवादियों का प्रयास था या तस्करों का। उन्होंने कहा कि हम अभी भी जानकारी को लेकर काम कर रहे हैं और कुछ विवरण साझा नहीं किए जा सकते, लेकिन लॉन्चपैड के पास एक गतिविधि हुई। संभवत: वे (आतंकवादी) घबरा गए और युद्धक सामग्री जैसी चीजों को छोड़कर उस तरफ भाग गए। मेजर जनरल चांदपुरिया ने कहा कि विगत में भी सीमा पर न केवल घुसपैठ के प्रयास किए गए हैं, बल्कि हथियार एवं गोला-बारूद तथा मादक पदार्थों की तस्करी भी की गई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कुछ इलाके हैं जहां एलओसी की बाड़ के आगे, एलओसी के करीब हमारे घर हैं, और एलओसी पर लोगों की आवाजाही के कारण समय-समय पर इस तरह के प्रयासों की सूचना मिलती रहती है। सेना अधिकारी ने कहा कि इस सेक्टर में इस साल एलओसी पर या एलओसी के पास करीब छह-आठ अभियानों में 14 एके राइफल, 20 पिस्तौल, एक एम 16 राइफल, 76 हथगोले, एके राइफल के 1226 कारतूस, नौ एमएम के 484 कारतूस, 15 किलोग्राम मादक पदार्थ तथा नशीली वस्तुओं के 10 अन्य संदिग्ध पैकेट बरामद किए गए हैं।

## अमेरिका में मिकी होथी बने कैलिफोर्निया के पहले सिख मेयर

**न्यूयॉर्क।** अमरिका में मिकी होथी को सर्वसम्मति से उत्तरी कैलिफोर्निया के लोदी शहर का महापौर चुना गया है, जो शहर के इतिहास में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले पहले सिख बन गए हैं। होथी के माता-पिता भारत से हैं। होथी को नव-निर्वाचित पार्षद लिसा क्रेग ने नामित किया था, जिन्होंने नवंबर में महापौर मार्क चांडलर की सीट से चुनाव जीता था और उन्हें बुधवार की बैठक के दौरान सर्वसम्मति से उप महापौर चुना गया था। होथी परिषद के पांचवें जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं और पिछले साल महापौर चांडलर के अंतर्गत उप महापौर के रूप में कार्य किया था। चांडलर ने पिछली गर्मियों में घोषणा की थी कि वह फिर से चुनाव नहीं लड़ेंगे। होथी ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि लोदी शहर के 117वें महापौर के रूप में शपथ ग्रहण कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। स्थानीय अखबार द लोदी न्यूज-सेंटिनल ने कहा कि आर्मस्ट्रांग रोड पर गुरुद्वारे की स्थापना में होथी के परिवार का भी महत्वपूर्ण योगदान था। इस अखबार के अनुसार होथी ने कहा कि हमारा अनुभव यूनानी समुदाय, जर्मन, हिस्पैनिक (स्पैनिश भाषी) समुदाय के समान है जो हमसे पहले आए थे। उन्होंने कहा कि हर कोई लोदी इसलिए आया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि परिवार के लिहाज से यह एक सुरक्षित शहर है। इस शहर में महान शिक्षा, महान लोग, महान संस्कृति, महान मूल्य और सिर्फ कड़ी मेहनत करने वाले लोग हैं। मुझे अगले महापौर के रूप में इस समुदाय का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। 2008 में टोके हाई स्कूल से पढाई करने वाले होथी के माता-पिता पंजाब से हैं। उन्होंने कहा कि शहर में खासकर 9/11 आतंकवादी हमले के बाद पलना-बढ़ना एक चुनौती थी, जब कई मुसलमानों और सिखों ने अनुचित उत्पीड़न का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि लेकिन उनका परिवार न केवल जीवित रहा बल्कि लोदी में फला-फूला।

## भारत के साथ मिलकर करना चाहते है काम : चीन

**बीजिंग।** तवांग में झड़प के 15 दिन बाद दोगले चीन का भारत को लेकर बड़ा बयान आया है। मिलकर काम करना चाहता है। चीन के विदेश मंत्री ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए बताया कि भारत और चीन ने डिप्लोमेटिक और मिलिट्री चैनल्स के जरिए बातचीत जारी है। विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि दोनों देश बॉर्डर वाले इलाकों में शांति स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और चीन अब भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है । बता दें कि तवांग के यांग्त्से में 9 दिसंबर को 600 चीनी सैनिकों ने जैसे ही टेम्परेरी वॉल पर लगी तारबंदी को तोड़कर भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश की, मुस्तैद भारतीय सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब दिया और उन्हें खदेड़ दिया था। तवांग में हुई झड़प पर उन्होंने कहा कि पश्चिमी सेक्टर में शांति और सुरक्षा के लिए दोनों देशों में बातचीत जारी है।

## भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

**गोलाघाट (हि.स.)।** गोलाघाट में भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया है। डिमापुर से जोरहाट जाते समय पुलिस ने एक सफारी वाहन (एएस-01एवी-6600) की तलाशी ली। वाहन से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने रविवार को बताया है कि पुलिस ने बताया कि बीती रात तलाशी के दौरान शाहिदुर रहमान, मोहम्मद अली, सद्दाम अली, अरिफुल रहमान को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सफारी कार को भी जब्त कर लिया। पुलिस उपाधीक्षक मधुर्य बोरा ने कहा कि जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए के आसपास होगी। पुलिस ने इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

## अपहरण कर फिरौती मांगना पड़ा भारी, दो पुलिसकर्मी बर्खास्त

**कानपुर।** गोविंद नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एसटीएफ के सिपाही बनकर परचून दुकानदार का अपहरण के मामले में पुलिस कमिश्नर ने दोनों सिपाहियों को बर्खास्त कर दिया है। जेपी कालोनी निवासी पंकज कपूर उर्फ जस्सू ने तहरीर में बताया था कि शक्रवार की शाम चाचा रघुवीर दुकान पर बैठे थे, तभी कार से आए कुछ लोग उन्हें जबरन ले गए। जस्सू के अनुसार थोड़ी ही देर में फिरौती का फोन आया। पुलिस ने निराला नगर रेलवे ग्राउंड से थाना फीलखाना में तैनात आरक्षी मुकेश कुमार, निवासी 46 डी ब्लॉक यशोदा नगर थाना नौबस्ता, मूल निवासी थाना शिवकुटी, जिला प्रयागराज को दबोच लिया। उसने कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल अमित कुमार, मोनू बॉक्सर, होटल संचालक शालू नंदा के नाम कबूले। डीसीपी दक्षिण प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस ने सिपाही मुकेश और होटल संचालक शालू नंदा को गिरफ्तार कर लिया है। अमित और मोनू बॉक्सर की तलाश में तीन पुलिस टीमें लगाई गई हैं। दोनों सिपाहियों को पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने बर्खास्त कर दिया है। बता दें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार पुलिसकर्मियों को नसीहत देते रहते हैं कि जनता के प्रति रवैया ठीक रखें। पुलिसकर्मी लोगों से इस तरह का कोई व्यवहार न करें जिससे उनकी थवि खराब हो, बावजूद इसके पुलिसकर्मियों पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। कोई दिन भी एसा नहीं है कि प्रदेश में पुलिसकर्मियों की करतूत न उजागर हो। एसे में पुलिसवालों की इमेज जनता में दिन ब दिन और खराब होती जा रही है। अब इन लोगों को सोचना है कि जनता में अपने विस्वास को कैसे बढाएं।

## रक्तदान शिविर के साथ अटल सेवा-सप्ताह शुरू

**गुवाहाटी।** भारत रत्न तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की 98वी जयंती के उपलक्ष में भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा, असम की ओर से साप्ताहिक मानव सेवा से जुड़े कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। संस्था की महामंत्री डिंपल शर्मा ने बताया कि महिला मोर्चा की प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में अटल सेवा सप्ताह का शुभारंभ रक्तदान शिविर के साथ किया गया। अटल सेवा सप्ताह के पहले दिन रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आठगांव स्थित मारवाड़ी अस्पताल के ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में संस्था की सदस्यों के अलावा अन्य लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं स्वैच्छिक रूप से रक्तदान किया। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की जयंती को मनाते हुए संस्था की ओर से केक काटा गया एवं उनके आदर्शों एवं विचारों को सदस्यों द्वारा तख्तियो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में संयोजिका रजनी जैन, डिंपल शर्मा, दीपिका अग्रवाल व बीना जैन के अलावा अनीता गुप्ता, मीना सोनी, कविता बेड़िया, निर्मला पारीक, सपना सराफ, रेखा गोयल, सरोज शर्मा आदि सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा। रक्तदान शिविर को आयोजित करने के लिए ब्लड बैंक की ओर से भी संस्था की सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

# पृष्ठ एक का शेष

### चीन-पाकिस्तान सीमा...

किए जाने की संभावना है। रक्षा मंत्रालय के स्तर से मंजूरी मिलने के बाद अब इसके निर्माण और सशस्त्र बलों में शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है। इस तरह की मिसाइल प्रणाली का इस्तेमाल लंबी दूरी की दुश्मन वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य उच्च-मूल्य वाले मिसाइलों को नष्ट करने के लिए किया जा सकता है। इन मिसाइलों को सशस्त्र बलों में शामिल करने के प्रस्ताव को ऐसे समय में मंजूरी दी गई है जब रक्षा बल रॉकेट फोर्स बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, जो लंबी दूरी से दुश्मन के ठिकानों को मार गिरा सके। चीनी सेना के पास पहले से ही रॉकेट फोर्स है।

### पाक सीमा पर ...

किलोमीटर लंबी है। किए गए रक्षा बुनियादी ढांचे के काम में कई डीसीबी (खाई-सह-बंद) का निर्माण और पुनरुद्धार, क्षतिग्रस्त सीमा बाड़ का रखरखाव, आगे के क्षेत्रों में सेना के टैंकों की आवाजाही के लिए रैंप का निर्माण, निगरानी और अन्य सुरक्षा तंत्र की स्थापना के लिए सीमा सुरक्षा बल *मोर्चा* (सैन्य चौकियों), बंकरों और स्थानों का उन्नयन शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्रालय से प्राप्त धन के माध्यम से यह काम किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि भारत और पाकिस्तान द्वारा 20 फरवरी, 2021 को जम्मू और कश्मीर में मोर्चे पर अपने संघर्ष विराम समझौते को नवीनीकृत करने के बाद इन कार्यों को शुरू किया गया और पहला चरण (26 किलोमीटर पर) पूरा किया गया। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दूसरा पक्ष भी इसी तरह का काम कर रहा है और बाड़ के पास कोई बड़ा काम होने की स्थिति में दोनों पक्ष एक-दूसरे को सूचित करते हैं। अधिकारियों ने कहा कि कुछ उल्लंघनों को छोड़कर, जैसे कि जब पाकिस्तान ने समझौते का उल्लंघन किया और 6 सितंबर को जम्मू में अकारण गोलीबारी की, पिछले साल का संघर्ष विराम समझौता अच्छी तरह से चल रहा है। संघर्ष विराम उल्लंघन तब हुआ, जब भारतीय पक्ष जम्मू के अरनिया सेक्टर में कुछ *रखरखाव कार्य* कर रहा था। बाद में बीएसएफ और पाक रेंजर्स के बीच फ्लैग मीटिंग हुई और संघर्षविराम कायम रखने का फैसला किया गया। बंदूकों की खामोशी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर शांति बनाए रखने में मदद कर रही है और सीमावर्ती निवासी और किसान अपना सामान्य काम निर्बाध रूप से कर पा रहे हैं। जम्मू क्षेत्र में सीमा चौकियों तक पहुंचने के लिए बीएसएफ के जवानों के वाहनों द्वारा उपयोग किए जाने वाले *कच्चे* या मिट्टी के रास्तों को समतल करने का काम भी किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि कई स्थानों पर इन संपर्क मार्गों पर समतलीकरण का काम पूरा हो चुका है। बीएसएफ द्वारा कश्मीर क्षेत्र में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर इसी तरह का काम किया गया है। यहां यह अपने सैनिकों के लिए 115 अग्रिम रक्षा स्थानों (एफडीएल) पर बंकरों को वर्तमान सीजीआई (नालीदार जस्ती लोहा) से स्टील से बने सौर ऊर्जा वाले डिब्बों में परिवर्तित कर रहा है। 772 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा पर सेना का पहरा है और बीएसएफ इस मोर्चे के लगभग 435 किलोमीटर हिस्से में अपनी परिचालन कमान के तहत तैनात है।

### मेघालय सरकार पर ...

मुद्दों पर किए गए कामों की निगरानी कर रहा है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एके गोयल की पीठ ने कहा कि पाया गया है कि राज्य में ठोस और तरल कचरे के उत्पादन और निपटान की अवधि में अंतर था। ठोस और तरल कचरे के निपटान के लिए समयसीमा में संशोधन और समयबद्ध कार्य योजना को अमलीजामा पहनाना, समस्या को हल करने के लिए उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों में से एक थे। प्राधिकरण की पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य अरुण कुमार त्यागी और ए सेंथिल वेल भी शामिल हैं। ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कहा कि कचरा प्रबंधन की योजना, क्षमता निर्माण और अपशिष्ट प्रबंधन की निगरानी के लिए राज्य स्तर पर केंद्रीकृत एकल खिड़की तंत्र की स्थापना भी की जानी चाहिए।

### 4,841 स्कूलों को ...

तृतीय पुरस्कार दिया गया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि मुझे विश्वास है कि यह कदम राज्य के शिक्षा क्षेत्र में एक नया उत्साह लाएगा और आने वाले समय में असम को देश के सबसे प्रगतिशील राज्यों में से एक में बदलने में सक्षम होगा। आज के कार्यक्रम में असम सरकार के मंत्री डॉ रोनोज पेगु, योगेन मोहन, नंदिता गार्लोसा, परिमल शुक्लबैद्य, अतुल बोरा, चंद्र मोहन पटवारी, अजंता नेउग, पीयूष हजारिका, जयंत मल्लबरूवा, संजय किशन, रंजीत कुमार दास, कार्बी आंग्लांग स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलिराम रांगहोंग और असम सरकार के शिक्षा विभाग के सलाहकार प्रो. नोनी गोपाल महंत समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

### प्रचंड होंगे नेपाल...

पहली बार वे 2008 से 2009 और दूसरी बार 2016 से 2017 में प्रधानमंत्री बने थे। समझौते के तहत शुरुआती ढाई साल तक प्रचंड पीएम रहेंगे। इसके बाद सीपीएन-एमएल सत्ता संभालेगी। इसके मायने ये हुए कि पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली एक बार फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। खास बात यह है कि ये दोनों ही नेता चीन समर्थक माने जाते हैं। इसके पहले, प्रचंड ने सत्ताधारी नेपाली कांग्रेस को समर्थन देने से इनकार कर दिया। इस गठबंधन को भी छोड़ दिया। दो साल पहले प्रचंड ओली सरकार का हिस्सा थे। इसके बाद उन्होंने अपने 7 मंत्रियों से इस्तीफे दिलाए और ओली को कुर्सी छोड़ने पर मजबूर कर दिया। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने सभी पार्टियों से कहा था कि वो रविवार तक सरकार गठन पर आखिरी फैसला कर लें। दरअसल, ये पूरा मामला सत्ता पाने की खींचतान से जुड़ा है। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-माओवादी मिलकर सरकार तो बनाने के लिए तैयार थे, लेकिन बारी-बारी से प्रधानमंत्री का पद चाहते थे। प्रचंड की पार्टी चाहती है कि दोनों ही पार्टियां ढाई-ढाई साल के लिए सरकार चलाएं। मामला यहां तक भी ठीक था और खबरों के मुताबिक, नेपाली कांग्रेस इसके लिए तैयार भी हो गई थी। इसमें दिक्कत तब आई जब सीपीएन ने नई शर्त यह रखी कि वो पहले सरकार चलाएगी। यानी वर्तमान प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से पहले प्रचंड प्रधानमंत्री बनें। नेपाली कांग्रेस सीपीएन का रिकॉर्ड देखते हुए उस पर भरोसा करने को तैयार नहीं थी। लिहाजा, आशंका ये थी कि कहीं ढाई साल सत्ता में रहने के बाद सीपीएन कोई बहाना बनाकर समर्थन वापस न ले ले। यहीं आकर पेंच फंसा। इसके बाद प्रचंड ने ओली की तरफ हाथ बढ़ा दिया। शेर बहादुर देउबा के लिए रास्ता मुश्किल था। देउबा चाहते थे कि अभी जैसे सरकार चल रही है, वैसे ही आगे भी चले और प्रचंड की पार्टी उनकी लीडरशिप में ही सरकार को समर्थन दे। दूसरी तरफ, प्रचंड आधे-आधे कार्यकाल के लिए सरकार का नेतृत्व चाहते थे। सीधी सी बात यह है कि प्रचंड चाहते हैं कि शुरू में ढाई साल तक वो प्रधानमंत्री रहें और इसके बाद देउबा को मौका मिले। मामला यहीं आकर बिगड़ गया। प्रचंड ने देउबा का साथ छोड़ने का मन बना लिया और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली (सीपीएन-यूएमएल) के साथ चले गए। प्रचंड पर पूरा भरोसा न तो नेपाली कांग्रेस कर रही थी और न ही सीपीएन-यूएमएल। इसका इशारा तब मिला जब सीपीएन-यूएमएल ने रविवार को कहा कि उसके सामने कई विकल्प हैं और वो नेपाली कांग्रेस के साथ मिलकर भी सरकार बना सकती है। प्रचंड और ओली छोटे दलों के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। हालांकि उनके लिए सबको साथ लेकर चलना आसान नहीं होगा। इसकी एक वजह तो यह है कि एक महीने के अंदर उन्हें सदन में बहुमत साबित करना होगा। दूसरी बात यह है कि छोटी पार्टियां मोलभाव कर रही हैं और इसका असर गठबंधन पर पड़ेगा। अब इस मामले में एक बात और समझनी बेहद जरूरी है। प्रचंड पर न तो देउबा को भरोसा है और न ओली को। यही वजह है कि ओली की पार्टी ने गठबंधन के ऐलान के महज आधे घंटे पहले एक बयान दिया। कहा- हम सीपीएन पर ही डिपेंड नहीं हैं, हमारे पास कई और विकल्प भी हैं। छोटी पार्टियों का समर्थन लेकर भी सरकार बनाई जा सकती है। दरअसल, इस बयान के जरिए प्रचंड को संकेत दिए गए कि अगर वो गठबंधन के लिए हुए समझौते से पीछे हटते हैं तो सीपीएन-यूएमएल यानी ओली की पार्टी दूसरे दलों को साथ लेकर भी सरकार बना सकती है।

### गुवाहाटी-कोलकाता स्पेशल...

हुई तो एसी डिब्बे, बी-1 कोच से आग निकलते देखा गया। बी-1 कमरा धुएं से भर गया। प्लेटफॉर्म पर मौजूद अन्य यात्रियों द्वारा स्टेशन मास्टर को सूचना दी। रेलवे कर्मचारियों और इंजीनियरों ने तुरंत ट्रेन को रोका और आग लगने के स्रोत का पता लगाया। रेलवे परिचालन में कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि चलती ट्रेन के एसी रूम के नीचे से आग लगने की खबर मिलते ही कटवा स्टेशन समेत पूरी ट्रेन में अफरातफरी मच गई। ट्रेन के यात्रियों समेत प्लेटफॉर्म पर मौजूद कई लोग आग के डर से भागने लगे। फिर रेलकर्मियों और इंजीनियरों ने ट्रेन में आग लगने का स्रोत ढूंढ़ने के बाद मरम्मत का काम शुरू किया।

### असम एनआरसी के ...

एक अत्यधिक सुरक्षित और भरोसेमंद सॉफ्टवेयर को विकसित करने की जरूरत थी, लेकिन ऑडिट के दौरान इस समबंध में उचित योजना की कमी सामने आई। अपेडेटेड एनआरसी को 31 अगस्त, 2019 को जारी किया गया था, जिसमें 3,30,27,661 आवेदकों में से कुल 3,11,21,004 नाम शामिल थे। हालांकि इसे अधिसूचित किया जाना बाकी है। कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि डेटा कैप्चर और सुधार के लिए सॉफ्टवेयर के अव्यवस्थित विकास ने बिना ऑडिट ट्रेल के डेटा टेम्परिंग का जोखिम पैदा कर दिया है। ऑडिट ट्रेल एनआरसी डेटा की सत्यता के लिए जवाबदेही सुनिश्चित कर सकता था। इस तरह एख वैध त्रुटि मुक्त एनआरसी तैयारकरने का उद्देश्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि एनआरसी के लिए परियोजना लागत 288.18 करोड़ रुपए से बढ़कर 1602.66 करोड़ रुपए हो गई है।

### तुनिशा की मौत मामले ...

अनुसार मामले की गहन छानबीन हर एंगल से की जा रही है। मुंबई पुलिस के एसीपी चंद्रकांत जाधव ने आज मीडिया को बताया है कि तुनिशा शर्मा एक टीवी शो में बतौर एक्ट्रेस काम करती थीं। तुनिशा और शिजान खान का प्रेम संबंध था। 15 दिन पहले उनका ब्रेकअप हुआ था जिसके बाद तुनिशा ने अपने शो के सेट पर आत्महत्या कर ली थी। तुनिशा की मां ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर शिजान को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया जहां उसे 4 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से तुनिशा की मौत का कारण हैंगिंग बताया गया है। फिलहाल, जांच चल रही है। शिजान और तुनिशा के फोन जब्त कर लिए गए हैं। अभी तक जांच में ब्लैकमेलिंग या *लव जिहाद* का कोई एंगल सामने नहीं आया है। शिजान खान के वकील ने बताया कि शिजान खान को 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। जांच में सब सामने आ जाएगा। शिजान का फोन पुलिस के पास है और अब तक हत्या का कोई सबूत नहीं मिला है।

### अलविदा 2022: कॉलेजियम ...

चंद्रचूड़ ने नौ नवंबर को देश के 50 वें प्रधान न्यायाधीश का पदभार संभाला। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ के पिता न्यायमूर्ति वाई वी चंद्रचूड़ भी 44 साल पहले सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश थे। न्यायमूर्ति वाई वी चंद्रचूड 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे थे। **सुप्रीम कोर्ट में शुरू हुई लाइव स्ट्रीमिंग :** तीनों प्रधान न्यायाधीशों- न्यायमूर्ति रमण, न्यायमूर्ति यू यू ललित और न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश पद के वास्ते 2022 में आठ नामों की सिफारिश की। उनमें से तीन सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बन गए जबकि पांच नामों को केंद्र से अब तक मंजूरी नहीं मिली है। अपने कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए शीर्ष अदालत ने संविधान पीठों की कार्यवाही के सीधे प्रसारण, मामलों को सूचीबद्ध करने की नयी प्रणाली बनाने, आरटीआई पोर्टल और मोबाइल ऐप का उन्नत संस्करण शुरू करने, नए साल से मामलों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए *एडवोकेट एपीरियेंस पोर्टल* चालू करने जैसे अहम कदम उठाए। **कई संविधान पीठों का किया गया गठन :** इस साल के दौरान कई संविधान पीठें गठित की गईं जिन्होंने शक्तियों के बंटवारे पर दिल्ली और केंद्र के बीच विवाद, नोटबंदी, जल्लीकट्ट, महाराष्ट्र राजनीतिक संकट जैसे मामलों तथा मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में प्रधानमंत्री से जुड़े मामले भी सुर्खियों में रहे। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में गोधरा के बाद गुजरात में फैले दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और 63 को एसआईटी द्वारा दी गई क्लीनचिट को सही ठहराया। **ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर सुनाया अहम फैसला :** शीर्ष अदालत ने इस साल के प्रारंभ में मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा चूक की जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश की अगुवाई में एक समिति गठित की। इस सुरक्षा चूक को लेकर केंद्र और पंजाब की कांग्रेस शासित तत्कालीन राज्य सरकार के बीच बड़ा राजनीतिक विवाद हुआ था। अपने एक अहम फैसले में पांच न्यायाधीशों की एक पीठ ने दो के मुकाबले तीन के बहुमत से प्रवेश एवं सरकारी नौकरियों में ईडब्ल्यूएस के लिए 2019 में शुरू किए गए 10 फीसद आरक्षण को सही ठहराया।

### डीआरडीओ की 20...

नहीं किए गए थे। कैग ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि डीआरडीओ को उच्च प्राथमिकता वाली कई सैन्य परियोजनाओं में इसी वजह से समय और लागत में वृद्धि, अनियमित बंद सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। कैग ने संसद में पेश रिपोर्ट में कहा है कि इनमें से कुछ *मिशन मोड* परियोजनाओं को डीआरडीओ ने सफल घोषित करके बंद किया, लेकिन बाद में फिर से नए प्रोजेक्ट के रूप में लेना पड़ा। दरअसल, *मिशन मोड* परियोजनाओं को पूरा करने के लिए एक निश्चित समय सीमा होती है, लेकिन 178 में से 119 परियोजनाओं में इसका पालन नहीं किया जा सका। कैग के मुताबिक 49 परियोजनाओं में पहले से निर्धारित मूल समय-सीमा से लिया गया अतिरिक्त समय सौ फीसदी से अधिक था। कई मौकों पर समय विस्तार की मांग की गई, जो कुल विलंब 16 फीसदी से 500 फीसदी के बीच था। कैग ने कहा कि प्रौद्योगिकियां आसानी से उपलब्ध न हो पाने की वजह से मल्टी मिशन परियोजनाओं को पूरा करने में समय अधिक लगता है, इसलिए ऐसी परियोजनाओं का उद्देश्य विफल हो जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीआरडीओ से ऐसी कई परियोजनाओं को शुरू करने और मंजूरी देने में काफी देरी हुई। सैकड़ों करोड़ रुपए की कई ऐसी भी परियोजनाएं थीं, जिन्हें सफल घोषित किए जाने के बावजूद वे मानकों पर खरी नहीं उतरीं।

### कश्मीरी पंडित का ...

कि जीवन रोजगार से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है और केंद्रशासित प्रदेश में उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर ऐसा कदम उठाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि सरकार का रुख क्या है, लेकिन अगर हमारी पार्टी सत्ता में आती है तो हम ऐसा (अस्थायी तौर पर कर्मचारियों को जम्मू स्थानांतरित) करेंगे। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने में देरी के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पिछले छह साल से इंतजार कर रहे हैं। मैंने संसद में भी कई बार इस मुद्दे को उठाया। वे हमें पंचायत चुनाव या डीडीसी चुनाव दिखाते हैं, लेकिन असली चुनाव विधानसभा का होता है, जो नहीं हो रहा है।

### सोलह सैनिकों के ...

वाहनों का काफिला 23 दिसंबर को सुबह 8 बजे चटन से थंगू की ओर जाने के लिए निकला था। उत्तरी सिक्किम में लाचेन से करीब 15 किमी. दूर जेमा में एक तीखे मोड़ पर काफिले का एक ट्रक फिसलकर सीधे खाई में जा गिरा। सेना के इस वाहन में 17 सैनिक और 3 जूनियर कमीशंड अधिकारी सवार थे। बचाव अभियान शुरू करके 4 घायल सैनिकों को हवाई मार्ग से निकाला गया। तीन जूनियर कमीशंड अधिकारियों और 13 सैनिकों ने दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण दम तोड़ दिया। शाम तक सभी 16 पार्थिव शरीर दुर्घटनास्थल से बरामद कर लिए गए। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद सभी पार्थिव शरीर शनिवार को पश्चिम बंगाल के बागडोगरा हवाई अड्डे पर लाए गए। शनिवार दोपहर 12.30 से अपराह्न दो बजे के बीच बागडोगरा हवाई अड्डे के तकनीकी क्षेत्र में पुष्पचक्र अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। प्रवक्ता ने कहा कि इसके बाद सभी पार्थिव शरीरों को उनके पैतृक घरों को भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। इनमें से 13 कर्मियों के पार्थिव शरीरों को उनके गृह नगरों के निकटवर्ती हवाई अड्डों पर ले जाया गया, जबकि तीन को सड़क मार्ग से भेजा गया है। इस दुर्घटना में शहीद होने वालों में हवलदार चरण सिंह (लखनऊ), लांस नायक भूपेंद्र सिंह (एटा, यूपी), नायक श्याम सिंह यादव (उन्नाव, यूपी), नायक लोकेश कुमार (मुजफ्फरनगर, यूपी), नायक रविंदर सिंह थापा (पंतनगर, उत्तराखंड) हैं। इनके पार्थिव शरीर सिक्किम से शनिवार दोपहर तक इनके पैतृक स्थल के लिए रवाना कर दिए गए। बाकी पार्थिव शरीरों को भेजने की प्रक्रिया रविवार को पूरी कर ली गई है।

### पीएम आवास योजना...

वक्त जॉब कार्ड की गहनता से जांच की जा रही है, जो 100 दिनी काम के लिए दिए गए हैं। बहुत से मामलों में पाया गया है कि एक ही परिवार के बहुत से सदस्यों के पास जॉब कार्ड हैं और सभी के नाम लाभार्थियों की सूची में हैं। केंद्र की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वैसे परिवारों के किसी एक ही सदस्य को घर आवंटित किया जाएगा।

## स्वर्वेद भाष्य

**चतुर्थ मंडल** **षष्ठ अध्याय**

**(वैराग्य)**

**विषय वासना में सभी, बाँधे हैं जगजीव।**
**याते सृष्टि प्रवाह है, विषयी पाव ने पीव॥ 25॥**

**शब्दार्थ :** (विषय) विषय-उपभोग, रागी, रात-दिन विषय-रस में उन्मत, नीच व्यक्ति।

**भाष्य :** इंद्रिय-भोगों के कारण इनकी वासना में सभी अज्ञानी जीव बाँधे गए हैं। इंद्रिय-भोग से माया-सृष्टि का प्रवाह चलता है। विषयी और रागी जीव सबके पति परमप्रभु को नहीं प्राप्त करते। विषयी जीव अज्ञान-मोह के कारण सदेव विषय-रस प्रलोभन में फंसे रहते हैं इसलिए वे सद्गुरु के सर्वोच्च अध्यात्म ज्ञान के आनंद को नहीं प्राप्त कर सकते।

**विषयी पामर नीच है, विषय त्याग वर ऊँच।**
**विषयी झूठ प्रपञ्च में, विषयी पर भव कीच॥ 26॥**

**शब्दार्थ :** (विषयी) रागी, लम्पट।

**भाष्य :** विषयी पुरुष अत्यंत नीच होता है और इसका त्यागी महान ऊंच होता है। विषयी अपने झूठ-माया के प्रपंच में पड़कर महान भवकूप में जाकर कष्ट को प्राप्त करता है। त्यागी, वेराग्यवान का जीवन महान और सुखशाली एवं समृद्धपूर्ण होता है।

# महानगर में क्रिसमस की धूम, सड़कें हुई जाम

**गुवाहाटी ( विभास )।** महानगर में रविवार को क्रिसमस का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर सभी धर्मों के लोगों ने अपने ईसाई मित्रों के साथ त्योहार मनाया और आधी रात के समय सामूहिक प्रार्थना सभाओं के लिए गिरजाघरों में भीड़ देखी गई। गिरजाघरों को विशेष रूप से सजाया गया था, जिसमें रोशनी और ईसा मसीह के जन्म को दर्शाने वाले दृश्य शामिल थे। राज्यपाल जगदीश मुखी और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस अवसर पर लोगों को बधाई दी। ईसाई समुदाय के लोगों ने कैरल गाया और उपहारों का आदान-प्रदान किया। राज्यपाल ने एक संदेश में कहा कि मैं क्रिसमस के अवसर पर विशेष रूप से ईसाई धर्म के लोगों और अन्य लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि इस दिन हम प्रभु यीशु मसीह के जन्म का जश्न मनाते हैं जिन्होंने हमें शांति, त्याग, प्रेम और करुणा का संदेश दिया। इसलिए, क्रिसमस के दिन हम सभी सार्वभौमिक भाईचारे और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को मजबूत करने के लिए प्रभु यीशु की शिक्षाओं के प्रति खुद को फिर से समर्पित करें। मुख्यमंत्री ने ट्विटर के माध्यम से इस अवसर पर सभी को बधाई दी। शर्मा ने लिखा कि सभी को क्रिसमस की बधाई। मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आपको हमेशा खुशी और समृद्धि मिले।

## छह किलो नकली सोने की मूर्तियां, जाली नोट छापने की मशीनें जब्त

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** कामरूप (ग्रामीण) जिला पुलिस ने चांगसारी में तलाशी अभियान के दौरान छह किग्रा वजनी नकली सोने की मूर्तियां और जाली नोट छापने की मशीनें जब्त की है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में चांगसारी पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक आल्टो कार (एएस-07आर-4949) जब्त की गई। वाहन से जीसस की छह किग्रा वजनी नकली सोने की मूर्तियां, जाली नोट छापने की मशीनें और 50 हजार रुपए नकद बरामद किए गए। लखीमपुर जिला के बिहपुरिया में सोनापुर रिजर्व के फुलजार हुसैन, अबैदुल इस्लाम और सफीरुद्दीन अली को इस सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक यह उस ठग गिरोह के सदस्य हैं, जो इन मूर्तियों को असली सोने की मूर्तियां बताकर बेचते हैं।

## प्रदेश भाजपा मुख्यालय में मनाई गई अटल बिहारी वाजपेयी की ९८वीं जयंती

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** गुवाहाटी के बेलतला स्थित प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा) मुख्यालय में रविवार को पूर्व प्राआनमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की ९८वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने भाग लिया। उन्होंने भारत माता के सपूत और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी ९८वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी देशभक्ति, मातृभूमि के प्रति सम्मान और सक्षम नेतृत्व ने हमें हमेशा अपने संवैधानिक दायित्वों को सुचारू रूप से निभाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रंजीत कुमार दास, पार्टी के वरिष्ठ नेता और उपाध्यक्ष जयंत दास अशोक भट्टाराई और कार्बी आंगलोंग स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलीराम रोंगहांग, संवाद विभाग के प्रदेश संयोजक देवान ध्रुव ज्योति मरल आदि उपस्थित थे। सभी ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त किया।

## शहीद मुकुंद काकोती सदर अस्पताल को स्थानांतरित किए जाने का विरोध

**नलबाड़ी ( हि.स. )।** नलबाड़ी के शहीद मुकुंद ककाती सदर अस्पताल को स्थानांतरित किया जाएगा। शहीद मुकुंद ककाती सिविल अस्पताल को नवनिर्मित नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के साथ ही जोड़ा जाएगा। शहीद मुकुंद ककाती सदर अस्पताल के वर्तमान स्थान पर टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल होगा। नलबाड़ी के साथ-साथ आसपास के इलाकों के लिए बेहद अहम शहीद मुकुंद ककाती सदर अस्पताल के स्थानांतरण को लेकर नलबाड़ी में भारी नाराजगी देखी जा रही है। दो सौ बिस्तर वाले शहीद मुकुंद ककाती सदर अस्पताल को मूल स्थान से लगभग 12 किमी दूर दक्षिणी हिस्से में स्थानांतरित किया जाएगा। दो सौ बिस्तर वाला अस्पताल अब केवल पचास बिस्तर वाला अस्पताल के रूप में तब्दील हो जाएगा। नलबाड़ी सदर अस्पताल को 12 किमी दूर स्थानांतरित करने के साथ ही चिकित्सकों और कर्मचारियों को भी स्थानांतरित किया जा रहा है, इसको स्थानीय नागरिक स्वाभाविक रूप से ले नहीं पा रहे हैं। इसको लेकर रविवार को अखिल असम छात्र संघ, युवा छात्र परिषद समेत अन्य संगठनों ने अस्पताल परिसर में विरोध नागरिक सभा का आयोजन किया। विभिन्न पार्टी संगठनों के प्रतिनिधियों ने शहीद मुकुंद ककाती सदर अस्पताल को स्थानांतरित करने पर कड़ी आपत्ति जताई और धमकी दी कि किसी भी कारण से सिविल अस्पताल को नलबाड़ी सदर से स्थानांतरित नहीं होने दिया जाएगा। बैठक में दस दिन के भीतर मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर सदर अस्पताल को पूर्व स्थान पर रखने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया और सात सूत्रीय प्रस्ताव पारित किया गया।

### तेंदुआ पिंजरे में कैद

**जोरहाट ( हि.स. )।** जोरहाट जिला के पुलीबार पुलिस थानांतर्गत सामगुड़ी चाय बागान में आतंक का पर्याय बना तेंदुआ रविवार की सुबह पिंजरे में कैद हो गया। वन विभाग के सूत्रों ने बताया है कि इलाके में आए दिन तेंदुआ निकलकर पालतु पशुओं को अपना निवाला बना रहा था। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद वन विभाग ने सामगुड़ी चाय बागान में पिंजरा लगाया था। आज सुबह तेंदुआ के गुर्राने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, तो देखा कि तेंदुआ पिंजरे में फंस गया है।

### बदरपुर पुलिस ने चोरी के ट्रक समेत दो चोरों को किया गिरफ्तार

**करीमगंज ( हि.स. )।** करीमगंज जिला के बदरपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। बदरपुर पुलिस ने चोरी की प्राथमिकी दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर सिलचर से नेस्ले कंपनी के दूध सहित विभिन्न सामान बरामद किया है, जिसकी कीमत 40 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने चुराए गए ट्रक के साथ दो चोरों अब्दुल हन्नान और अतिकुर रहमान को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि सामान समेत ट्रक 13 दिसंबर को भंगा रेलवे यार्ड से चोरी हो गया था। पीड़ित द्वारा 24 दिसंबर को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। दर्ज प्राथमिकी की जांच करते हुए बदरपुर पुलिस ने सिलचर के तारापुर से ट्रक के साथ अब्दुल हन्नान और पथारकांदी के अतिकुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया।

## अभामास की होजाई शाखा ने स्थापना दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

**होजाई ( होसं )।** अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के 88वें स्थापना दिवस पर मारवाड़ी सम्मेलन की होजाई शाखा ने आज शाखा रत्न से सम्मानित किया अपने पूर्व अध्यक्ष सज्जन शर्मा व कामाख्या प्रसाद अग्रवाल का। इस दौरान सज्जन शर्मा के होजाई स्थित आवास पर व कामाख्या प्रसाद अग्रवाल के आवास पर मारवाड़ी सम्मेलन के एक प्रतिनिधि दल जिसमें उपाध्यक्ष निरंजन सरावगी, सचिव रमेश मुंदड़ा, सहसचिव प्रवीण सरावगी, कोषाध्यक्ष मोहन चौधरी, डॉ मनोज कुमार स्वामी, राजेश केजरीवाल, प्रमोद मोर, मनोज केजरीवाल ने दोनों पूर्व अध्यक्षों का असमिया फूलम गमछा, सम्मान पत्र व मिठाई देकर सम्मान किया। इस दौरान शर्मा के आवास पर मानपत्र डॉ मनोज कुमार स्वामी व अगरवाल के आवास पर रमेश मुंदड़ा ने पढ़ा जिसमें उल्लेख किया गया है कि अपनी मेधा और कौशल से मारवाड़ी समाज का गौरव बढाने के आपके प्रयासों को हमारा सादर प्रणाम एवं अभिनन्दन। समाज हित को सर्वोपरि रखते हुए सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी एवं समाज निर्माण में आपकी अग्रगामी भूमिका के लिए मारवाड़ी सम्मेलन, होजाई शाखा अपने 88 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर आपको शाखा रत्न के सम्मान से सम्मानित करते हुए स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही है। यह सम्मान पत्र समिति द्वारा आपको सादर समर्पित है। समाज के लिए किए गए आपके कार्यों के लिए मारवाड़ी समाज सदैव आपका कृतज्ञ रहेगा। मारवाड़ी सम्मेलन, होजाई शाखा आपके और आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य तथा सुस्वास्थ्य की कामना करती है। इस दौरान सज्जन जी शर्मा व उनके परिवार ने शाखा रत्न मिलने पर खुशी व्यक्त की व मारवाड़ी सम्मेलन की प्रगति की कामना की। वहीं कामाख्या प्रसाद सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि इस सम्मान ने मेरा हौसला बुलंद किया है। उन्होंने कहा कि किसी का समान होने से सम्मान पाने वाले का जहां हौसला बुलंद होता है वही आने वाली पीढ़ी को एक प्रेरणा मिलती है? मारवाड़ी सम्मेलन अपने स्थापना काल से समाज हित के कार्य करती आ रही है और भविष्य में भी करेगी यही मुझे दृढ़ आशा व विश्वास है। उन्होंने होजाई शाखा के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा की होजाई शाखा समाज हित के साथ-साथ सेवा मूलक कार्य कर रही है। इस दौरान समाज के विशिष्ट केसर देव शर्मा, मनोज शर्मा, विक्रम शर्मा, राजेश अग्रवाल व प्रियम्कर सुरेका सहित कई विशिष्टजन उपस्थित थे।

## पूसी रेल करेगी दो और स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

**गुवाहाटी ( विभास )।** पूर्वोत्तर सीमा रेल ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए एक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन और एक अन्य स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। एक स्पेशल ट्रेन कोलकाता-न्यू जलपाईगुड़ी और कोलकाता के बीच प्रत्येक दिशा से एक ट्रिप के लिए चलेगी, जबकि अन्य स्पेशल ट्रेन गुवाहाटी और राजकोट के बीच दोनों दिशाओं से दो ट्रिपों के लिए चलेगी। 27 दिसंबर, 2022 को शीतकालीन स्पेशल ट्रेन संख्या 03105 (कोलकाता-न्यू जलपाईगुड़ी) कोलकाता से 23:30 बजे रवाना होगी और न्यू जलपाईगुड़ी अगली सुबह 10:10 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, शीतकालीन स्पेशल ट्रेन संख्या 03106 (न्यू जलपाईगुड़ी-कोलकाता) 28 दिसंबर, 2022 को न्यू जलपाईगुड़ी से 12:00 बजे रवाना होगी और कोलकाता उसी दिन 23:35 बजे पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 17 कोच होंगे। इसमें 05 एसी थ्री टीयर, 10 स्लीपर क्लास कोच और 02 लगेज वैन शामिल रहेंगे। 28 दिसंबर, 2022 और 04 जनवरी, 2023 को स्पेशल ट्रेन संख्या 05638 (गुवाहाटी-राजकोट) गुवाहाटी से 09:00 बजे रवाना होगी और क्रमशः 30 दिसंबर, 2022 और 06 जनवरी, 2023 को राजकोट 19:10 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 31 दिसंबर, 2022 और 07 जनवरी, 2023 को स्पेशल ट्रेन संख्या 05637 (राजकोट-गुवाहाटी) राजकोट से 13:15 बजे रवाना होगी और क्रमशः 02 जनवरी, 2023 और 09 जनवरी, 2023 को गुवाहाटी 20:30 बजे पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन में 23 कोच होंगे। इसमें 11 एसी थ्री टीयर, 01 एसी टू टीयर, 07 स्लीपर क्लास कोच, 02 जनरल सीटिंग और 02 लगेज कम पार्सल वैन शामिल रहेंगे। इन ट्रेनों के ठहराव तथा समय-सूची का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट एवं विभिन्न समाचारपत्रों और पूसी रेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी अधिसूचित की गई है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

## बिश्वनाथ नाम बाघमरा गांव की महिला रास ने दर्शक को किया रोमांचित

**बिश्वनाथ ( निसं )।** बिश्वनाथ चारियाली की नाम बाघमारा गांव के महिला समिति के सौजन्य और गाँव संगठन के सहयोग में कल रात नाम बाघमारा गांव में श्रीकृष्ण की रास लीला का आयोजन किया गया। महिला द्वारा अभिनय किया गया इस रास का शुभारंभ करते हुए श्रीमंत शंकरदेव संघ के पूर्व सचिव पवित्र प्राण बोरा ने श्रीमंत शंकरदेव द्वारा रचित केली गोपाल ने नाटक के सैद्धान्तिक सार को विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम की मेजबानी व संचालन गुवाहाटी उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पवित्र हजारिका और राजू हजारिका ने की 7 जिसमें दीप प्रज्वलन शंकरी कला संस्कृति के साधक रंटू शइकीया ने किया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरोमणि ख्यात मानस भगवती व विश्वनाथ चाराली प्रेस क्लब के सलाहकार निरंजन हजारिका ने शिरकत की। सभा में प्रशिक्षक प्रदीप बरुआ, प्राणजीत हजारिका, पिंकू हजारिका, रूपा हजारिका और कई अन्य लोगों एवं शिल्पी (गायक) को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। रात्रि में आयोजित इस महिला रास में गुरु वंदना और केलि गोपाल नाटक ने लोगों को खूब आकर्षित किया। आज प्रातः पूर्व व कल मध्यरात्रि में यह रास का भव्य समापन हुई। महिला आयोजकों द्वारा आयोजित इस महिला रास को विभिन्न महानुभावों आयोजकों को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है इस महिला रास में प्रतापगढ़ चाय बागान आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय के अध्यापिका संगीता बोरा ने कृष्ण के साथ गोपी का अभिनय करके दर्शकों को मोहित किया।

## नगांव में 445 ग्राम हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

**नगांव ( विभास )।** नगांव में पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर हैबरगांव पुलिस चौकी के अंतर्गत बरभेटी इलाके में छापेमारी कर 445 ग्राम हेरोइन तथा भारी मात्रा में नशीली पदार्थ बरामद किया। साथ ही पुलिस ने इस गोरखधंधे में शामिल इस्माईल हुसैन, लतीफुल सरकार तथा सहीदुल इस्लाम को रंगे हाथों धर दबोचा। आए दिन ड्रग्स का गोरखधंधा धड़ल्ले से चल रहा है। शहर के विभिन्न इलाकों में यह धंधा एक भयानक रूप ले रहा है। पुलिस द्वारा बीच-बीच में लगाम लगाने के बाद भी इस धंधे के खिलाड़ी व्यापारी अपने मंसूबों को अंजाम देने में कोई कसर नहीं छोड़ते है। उल्लेखनीय है कि नगांव से ड्रग्स केरल भी जाता है। पुलिस द्वारा पकड़े गए ड्रग्स व्यापारी के बयान के बाद यह तथ्य सामने आया कि ड्रग्स धंधे में शामिल एक गिरोह बड़े चालाकी से भारी मात्रा में हेरोइन और नशीले पदार्थ बाहरी राज्यों में भेज रहे हैं। ऐसा ही एक मामला पुलिस के हाथ लगी है। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान यह बात सामने आया है कि उक्त तीनों ड्रग्स व्यवसायी भारी मात्रा में बाहरी राज्यों के साथ केरल में भी अपनी पांव जमा रखे है और नगांव से ड्रग्स केरल भी भेजा जाता था। पुलिस उक्त तीनों से गहन पूछताछ कर रही हैं। पुलिस को आशंका है कि पूछताछ के दौरान और काफी तथ्य पुलिस को हाथ लग सकती है।

## घर में काम करने वाली युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला

**गोलाघाट ( हि.स. )।** गोलाघाट जिला शहर में पानी की टंकी चाराली के पास एक घर में काम करने वाली युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि श्यामन्त दत्त और बर्नाली दत्त नामक व्यक्ति के घर में पिछले दो महीने से शैवाली गोगोई नामक युवती नौकरानी के रूप में काम कर रही थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि घर की ऊपरी मंजिल पर एक कमरे में 16 वर्षीय युवती शैवाली गोगोई का शव फंदे पर लटका मिला। घर के सदस्यों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। शुरुआत में इसे आत्महत्या माना जा रहा है। हालांकि पुलिस की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति का पता चल पाएगा।

## वि टी-10 टूर्नामेंट का सफल समापन, विप्र लायंस विजयी

**गुवाहाटी ( विभास )।** विप्र युवा असम एवं फ्रेंड्स ऑफ प्रातः खबर व मुख्य प्रायोजक सत्यम ग्रुप के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय वि टी-10 टूर्नामेंट का आज लताशील खेल मैदान में सफल समापन हुआ। आज ग्लोबल ग्लेडिएटर्स बनाम काके दे शेर के बीच हुए मैच में ग्लोबल ग्लेडिएटर ने जीत हासिल की। वहीं एमबी वॉरियर्स बनाम चाय पीयो लीजेंड्?स के बीच हुए मैच में शानदार पारी खेलते हुए चाय पीयो लीजेंड्स ने जीत हासिल की। दूसरी ओर विप्र लायंस बनाम काके दे शेर के बीच हुए मैच में विप्र लायंस ने जीत हासिल की। चाय पीयो लीजेंड्?स बनाम ग्लोबल ग्लेडिएटर्स के बीच हुए मैच में चाय पीयो लीजेंड्स ने जीत हासिल की। टूर्नामेंट के मुख्य आकर्षित फाइनल मैच जो विप्र लायंस व चाय पीयो लीजेंड्?स के बीच खेला गया, जिसमें विप्र लायंस ने अपनी शानदार गेंदबाजी व बल्लेबाजी कर जीत हासिल की। समापन समारोह में विप्र स्टार क्रमशः धीरज शर्मा, मांगीलाल पारीक, उदित सहल, मांगीलाल पारीक, मनीष दाधीच, अभिषेक शर्मा, धीरज शर्मा, करन शर्मा, रवि शर्मा, प्रदीप पारीक, रोहित शर्मा, प्रदीप पारीक एवं धीरज शर्मा को ट्रॉफी एवं माजा गोल्ड टी का गिफ्त हैंपर से सम्मानित किया गया। वहीं मैन ऑफ द मैच में हृदय अग्रवाल, केतन कुंडलिया, शुभम भार्गव, राहुल वैद्य, सुभाष शर्मा, अंकित बाफना, हृदय अग्रवाल, सत्य जाट, राहुल गुप्ता, सत्य जाट, धीरज शर्मा, संजय टेलर, हृदय अग्रवाल द्वारा खेले गये मैचों में मैन ऑफ द मैच बने। वहीं मैन ऑफ द टूर्नामेंट बने हृदय अग्रवाल, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी में गोविंद चौधरी ने अपना अंक हासिल किया। वहीं चेतन कुंडलिया को सर्वश्रेष्ठ फील्डर घोषित किया गया। दोहराते हुए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी में हृदय अग्रवाल ने अपना नाम दाखिल कर इस टूर्नामेंट में इतिहास रच डाला। विप्र युवा असम के कर्मठ सदस्य अध्यक्ष सीए अशोक शर्मा, सचिव रवि शर्मा, कोषाध्यक्ष सीए अनूप शर्मा, प्रतीक शर्मा, दीपक शर्मा, राहुल शर्मा, उमंग शर्मा, रोहन शर्मा, हेमंत माटोलिया, अमन शर्मा, दिनेश शर्मा, राजेश शर्मा, अनिल पारीक, गोपाल मिश्रा, विजय शर्मा, विवेक दाधीच, विनय मिश्रा, संदीप शर्मा, विकास शर्मा, दीपक दाधीच एवं नितेश शर्मा ने उपस्थित अतिथि क्रमशः राजकुमार तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार चंद्र प्रकाश शर्मा, दिनेश पारीक, जुगल किशोर पांडे, अधिवक्ता विश्वंभर शर्मा, कन्हैयालाल पिपलवा, फ्रेंड्स ऑफ प्रातः खबर के अध्यक्ष नारायण खाखोलिया, रामनिवास नोवाल, संतोष नोवाल, जेसीआई गुवाहाटी इलाइट के अध्यक्ष विजित प्रकाश, अंकित नोवाल के नेतृत्व में सभी विजयी खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में आयोजकों ने स्वादिष्ट भोजन के लिए काके दि हट्टी, सुबह से शाम तक चाय सेवन के लिए माजा गोल्ड को हार्दिक धन्यवाद दिया। विप्र युवा असम के अध्यक्ष सीए अशोक शर्मा द्वारा मिली जानकारी के अनुसार आगामी महीने के अंदर छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम भवन में इंडोर गेम्स का आयोजन विप्र युवा असम एवं फ्रेंड्स ऑफ प्रातः खबर के सौजन्य से किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विप्र युवा असम द्वारा महिलाओं के लिए निःशुल्क कंप्यूटर क्लास, योगा सेशन, मॉर्निंग वॉक, रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता रहा है और विप्र युवा असम ने सभी समाजबंधुओं से उक्त सामाजिक कार्यों में सहयोग की कामना की। इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट में शिवसागर के हृदय अग्रवाल ने मैन ऑफ द टूर्नामेंट एवं सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी का खिताब जीतकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया। वहीं विप्र लायंस ने शानदार मैच खेलते हुए टूर्नामेंट की फाइनल ट्रॉफी उठाकर जीत का जश्न मनाते हुए खेल मैदान में देखे गये। मालूम हो कि काके दि हट्टी ने इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट में खिलाड़ी, प्रमोटर्स एवं दर्शकों के लिए जो भोजन का आयोजन किया गया था, उसकी तारीफ सभी के जुबान से खेल मैदान में पूरे तीन दिनों तक गूंजती रही। काके दि हट्टी के रोबिन जैन, हेमंत माटोलिया, बाबूलाल जाट एवं मयंक मिश्रा ने भोजन के अलावा टूर्नामेंट को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभायी। टूर्नामेंट के अन्य प्रायोजक क्रमशः सत्यम ग्रुप, माज़ा गोल्ड, काके दि हट्टी, भारतीय जलपान, जूस के लिए फ्रेशो, श्याम सुंदर मुकेश कुमार, पारीक सभा गुवाहाटी, इंटर वुड, पानी के लिए रेनू वीवरेजेज (आरकिड ड्रापर्स), होटल नंदन को आयोजकों ने हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन कर भविष्य मे भी सहयोग पाने की अपील की। दूसरी तरफ छः टीमों मे से काके दे शेर टीम फाइनल नही पहुंच पायी पर काके दे शेर के केतन कुंडलियां ने उम्दा बल्लेबाजी कर काके दे शेर टीम दर्शकों के बीच चर्चा मे रही। वहीं फाइनल मैच के विप्र लायंस बनाम चाय पीयो लेजेंड्स के बीच हुई, मैच मे रोमांचक मैच मे शिवसागर के हरिदय अगरवाल ने अपनी अतुलनीय पारी खेलते हुए विप्र लायंस को विनर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब दिलाने मे अपनी जगह बना ली।

# विकास को समर्पित रहा यह साल हर क्षेत्र में दिखाई दिया भारत का बोलबाला : मोदी

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को इस साल अंतिम बार लोगों के साथ मन की बात की। मन की बात कार्यक्रम के अपने 96वें एपिसोड में पीएम मोदी ने सन 2022 में भारत की विकास यात्रा के बारे में बात की। पीएम मोदी ने कहा यह साल हर क्षेत्र में भारत के विकास की गाथा लिखने का साल है। पीएम मोदी ने कहा कि सन 2022 में भारत का बोलबाला पूरी दुनिया में दिखाई दिया। पीएम मोदी ने लोगों से कोरोना वायरस के खिलाफ सावधानी बरतने को कहा।

**कई मायनों में अद्भुत रहा यह साल** – पीएम मोदी ने कहा सन 2022 कई मायनों में प्रेरक और अद्भुत रहा। इस साल भारत ने आजादी के 75 साल पूरे किए और इसी साल अमृत काल का प्रारंभ हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष को मनाने के तिरंगा अभियान में भारत में एकजुटता दिखी और पूरा देश तिरंगामय हो गया। मोदी ने कहा कि 6 करोड़ से ज्यादा लोगों ने तिरंगे के साथ सेल्फी ली।

**नमामि गंगे अभियान को दुनिया ने सराहा** – पीएम मोदी ने कहा कि मां गंगा की सफाई के लिए सभी लोगों को आगे आना होगा। यह अकेले सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार द्वारा गंगा की सफाई के लिए चलाए गए नमामि गंगे मिशन ने जैव विविधता में सुधार करने में भी मदद की है। पीएम मोदी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने भी इस मिशन को इकोसिस्टम की बेहतरी के लिए की गई दुनिया के टॉप 10 पहल में शामिल किया है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि स्वच्छता मिशन को हर भारतीय की तरफ से पूरा समर्थन मिल रहा है।

**तपेदिक से देश को दिलाएंगे मुक्ति** – मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि हम आज संकल्प ले रहे हैं कि हम टीबी को भारत से खत्म कर देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार 2025 तक टीबी मुक्त देश की संकल्पना पर तेजी से काम कर रही है। आज पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की 98वीं जयंती है मोदी ने भी पूर्व पीएम को याद करते हुए कहा कि वाजपेयी शिक्षा विदेश नीति और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित हर क्षेत्र में भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने वाले एक बड़े राजनेता थे जिन्हें कई लोग अपना आदर्श मानते हैं।

**जी-20 की अध्यक्षता मिलना बड़ी बात** – पीएम मोदी ने कहा कि इस साल भारत को जी-20 समूह की अध्यक्षता की जिम्मेदारी मिलना भी बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि साल 2023 में जी-20 को नए उत्साह के साथ नई ऊंचाई पर लेकर जाना है। पीएम ने इसी के साथ क्रिसमस की बधाई देते हुए कहा कि दुनिया भर में धूमधाम से क्रिसमस का त्योहार मनाया जा रहा है। पीएम ने कहा कि यह त्यौहार ईसा मसीह के जीवन उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है।

## बिल्डर सूरज परमार की डायरी में किसके नाम? एसआईटी जांच करवाओ- संजय राउत

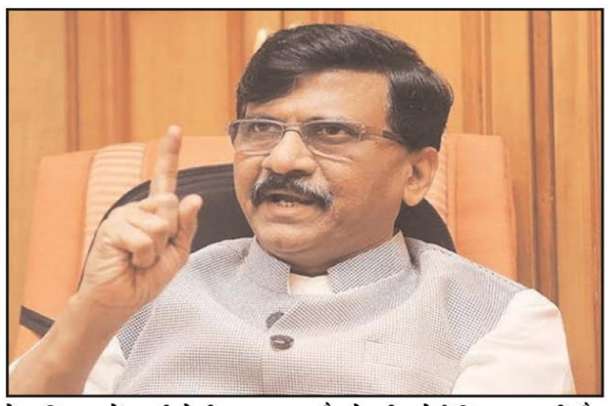

**मुंबई (ईएमएस)।** मुंबई से सटे ठाणे में एक बिल्डर सूरज परमार की आत्महत्या के मुद्दे को ठाकरे गुट के संसद संजय राउत ने उठाया है। सांसद राउत ने इस मुद्दे पर महाराष्ट्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को तब सूरज परमार की एक डायरी मिली थी। इस डायरी में कुछ कोड नेम हैं। हम जानते हैं कि ये नाम किसके हैं। संजय राउत ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर दम है तो मामले की एसआईटी जांच कराएं. राज्यपाल महाराष्ट्र में आते हैं और महाराष्ट्र के महापुरुषों के बारे में विवादित बयान देने के बाद भी भाजपा उनके भजन गा रही है। यह क्या है? इस पर एसआईटी का गठन किया जाए। सूरज परमार की डायरी पर एसआईटी गठित की जाए। लेकिन वे ऐसा नहीं करते हैं केवल हम पर एसआईटी होती है। राउत ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के इतिहास में कभी ऐसी सरकार नहीं बनी जिसने इतनी बुद्धिमत्ता से काम लिया हो. राउत ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे पर भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिंदे-फडणवीस का हाईकमान दिल्ली में है। इसलिए उन्हें बार-बार दिल्ली जाना पड़ता है। हम इसके बारे में बात नहीं करेंगे। उन्हें वहीं से ऑर्डर लेना पड़ता है। अगर दिशा सालियान केस इंटरपोल को भी सौंप दिया जाता है तो भी कोई दिक्कत नहीं है। जिस मामले से शिवसेना और आदित्य ठाकरे का कोई लेना-देना नहीं है उसे महाराष्ट्र विधानसभा में क्यों उठाया जाता है? संजय राउत ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के नेताओं के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जाता है महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर बात नहीं करते हमें देशद्रोही कहा जाता है और मुख्यमंत्री दिशा सालियान मुद्दे में व्यस्त हैं।

## मनोज तिवारी समेत बीजेपी के पांच नेताओं को बरी करने की अर्जी नामंजूर

**अजय त्यागी**

**नई दिल्ली।** अदालत ने मनोज तिवारी और प्रवेश साहिब सिंह वर्मा सहित बीजेपी के पांच नेताओं को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा दायर मानहानि मामले से बरी करने से इनकार कर दिया। बीजेपी सांसदों और नेताओं की अर्जी खारिज करते हुए अदालत ने निर्देश दिया कि मामले में आरोप तय करने के लिए 6 जनवरी 2023 की तारीख तय की जाए। सिसोदिया ने अपनी शिकायत में इन पांचों पर आरोप लगाया कि इन्होंने सरकारी स्कूलों में कमरे बनवाने में कथित घोटाले से जुड़े झूठे आरोप उनके खिलाफ लगाए। अडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मैजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने कहा कि यह साफ है कि सीआरपीसी की धारा 251 के तहत आरोपियों को नोटिस भेजे जाने (मामले में बतौर आरोपी समन करने) को लेकर उनकी दलीलों में कोई मेरिट नहीं है। कानून में यह पहले से तय है कि

समन केस में आरोपी को बरी करने या समनिंग ऑर्डर को रिव्यू या रिकॉल करने का स्कोप नहीं है। इसीलिए आरोपी व्यक्तियों - हरीश खुराना मनोज तिवारी प्रवेश साहिब सिंह वर्मा मनजिंदर सिंह सिरसा और हंस राज हंस की मौजूदा केस से बरी किए जाने की मांग वाली अर्जी खारिज की जाती है। अदालत ने कहा कि आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया केस बनता है या नहीं इसका जवाब यह कोर्ट पहले ही अपने समनिंग ऑर्डर के जरिए दे चुकी है। चूंकि 28 नवंबर 2019 को पारित समन वाले आदेश को आरोपी विजेंद्र गुप्ता को छोड़कर किसी ने भी चुनौती नहीं दी और जैसा कि यह अदालत पहले ही कह चुकी है कि उसके पास अपने ही आदेश की फिर से समीक्षा का अधिकार नहीं है इसीलिए यहां यह सवाल ही नहीं बनता कि प्रथम दृष्टया केस बनता भी है या नहीं। अदालत ने 28 नवंबर को मामले में इन पांचों नेताओं को आरोपी मानते हुए समन किया था। हालांकि विजेंद्र गुप्ता को 17 अक्टूबर 2022 में इस केस से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

## भारत को रूस से नए साल में मिलेगा तीसरा एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** यूक्रेन से युद्ध के बीच रूस भारतीय वायु सेना को अत्याधुनिक एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तीसरी खेप अगले साल देने जा रहा है। भारत और रूस के बीच हुए पांच स्क्वाड्रन एस-400 मिसाइल सिस्टम का यह सौदा 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। भारत के रक्षा बेड़े में शामिल हो रहे इस रूसी मिसाइल डिफेन्स सिस्टम से पूरी दुनिया खौफ खाती है। अगले वित्तीय वर्ष के अंत तक सभी पांचों खेप की डिलीवरी पूरी होने की उम्मीद है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के बावजूद भारत को रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की तीसरी खेप अगले साल जनवरी-फरवरी से मिलनी शुरू हो जाएगी। यूक्रेन संघर्ष के बीच रूस ने एस-400 की दूसरी खेप देकर भारतीय सैन्य शक्ति में इजाफा किया था। रूस से दूसरी स्क्वाड्रन को देश की उत्तरी और पूर्वी इलाकों में तैनात किया जा चुका है। यह प्रणाली अलग-अलग रेंज की अपनी मिसाइलों से दुश्मन की बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों, लड़ाकू विमानों को 400 किमी. तक की दूरी तक तबाह कर सकती है। बीते साल दिसंबर में रूस से मिले मिसाइल डिफेंस सिस्टम की पहली खेप को सेना ने पंजाब सेक्टर में तैनात किया है।

रूस से अत्याधुनिक एस-400 मिसाइल डिफेन्स सिस्टम की तीसरी खेप अगले साल जनवरी-फरवरी में भारत को मिलने वाली है। सतह से हवा में लंबी दूरी तक मार करने वाले इस मिसाइल डिफेंस सिस्टम की भारत को आपूर्ति होने से चीन और पाकिस्तान की धड़कनें तेज होना लाजिमी है। भारतीय वायुसेना के 8 सदस्यों की एक टीम रूस में एस-400 का प्रशिक्षण ले चुकी है और भारत आकर अन्य कर्मियों के लिए एस-400 प्रणाली पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू कर दिया है। हर फ्लाइट में आठ लॉन्चर हैं और हर लॉन्चर में दो मिसाइलें हैं। चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए भारत को रूस में बने इस ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की बहुत जरूरत थी। भारत ने रूस के साथ पांच एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 खरीदने के लिए 35 हजार करोड़ रुपये में सौदे किया था जिसे रूस और भारत के रक्षा मंत्रियों ने 06 दिसंबर, 2021 को अंतिम रूप दिया था। भारतीय वायुसेना को एस-400 'ट्रायम्फ' मिसाइल की कुल पांच रेजीमेंट अक्टूबर, 2023 तक मिलनी हैं। राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा के दौरान एस-400 की पहली खेप दिसंबर, 2021 में भारत को मिली थी जिसे पंजाब सेक्टर में तैनात किया गया है। यहां से यह एयर डिफेंस सिस्टम पाकिस्तान और चीन दोनों के खतरों से निपट सकता है। इस बीच फरवरी में यूक्रेन से युद्ध शुरू हो जाने पर रूस से मिलने वाले एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की आपूर्ति पर संकट के बादल गहराने लगे थे लेकिन रूस ने एस-400 की दूसरी खेप आपूर्ति की। यह मिसाइल सिस्टम एक साथ मल्टी टारगेट को निशाना बनाकर दुश्मन के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और यूएवी को नष्ट कर सकते हैं। इस मिसाइल सिस्टम की दूरी करीब 400 किलोमीटर है। यानी अगर दुश्मन की मिसाइल किसी विमान या संस्थान पर हमले करने की कोशिश करेगी तो यह मिसाइल सिस्टम 400 किमी. दूर से ही नेस्तनाबूत करने में सक्षम है। यह एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल आवाज की गति से भी तेज रफ्तार से हमला बोल सकती है। एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम चार अलग-अलग मिसाइलों से लैस है। यह मिसाइल जमीन से 100 फीट ऊपर उड़ रहे खतरे की पहचान कर सकता है।

## वैशाली रस्तौगी को मिला साहित्य गौरव सम्मान

विश्व के सबसे बड़ा वर्चुअल कवि सम्मेलन बुलंदी साहित्यिक पंजीकृत अंतरराष्ट्रीय बाजपुर उत्तराखंड संस्था के तत्वाधान में विश्व के 35 देशों के कलमकारों सहित 3970 प्रतिभागियों ने काव्य पाठ किया। इस कवि सम्मेलन में वो इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में विश्व के सबसे बड़े वर्चुअल 400 घंटे अनावृत चलने वाले कवि सम्मेलन के रूप में दर्ज किया गया जिसमें

मुरादाबाद में जन्मी, संभल निवासी, वर्तमान में इंडोनेशिया रह रही कवयित्री वैशाली रस्तौगी ने अपनी रचनाएं पढ़कर सहभागिता की।

## चीन से आने वाली फ्लाइट्स पर प्रतिबंध लगाए केंद्र सरकारः राघव चड्ढा

**अजय कुमार**

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा कि कोरोना को रोकने के लिए वैज्ञानिक संकेतों को केंद्र सरकार नहीं समझ सकी। कोरोना की दो लहरों में देश में बड़ा संकट दिखा। केंद्र को कोरोना संकट से मिले अनुभवों के आधार पर जरूरी दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। केंद्र को चीन से आने वाली उड़ानों की निगरानी करनी चाहिए। जरूरत पड़े तो चीन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगाई जा सकती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा पर भाजपा कोरोना फैलाने का आरोप लगा रही है। इस पर राघव चड्ढा ने कहा कि कोरोना को फैलने से रोकने के लिए केंद्र सरकार को जरूरी प्रोटोकाल जारी करना चाहिए। इसके बाद सभी राजनीतिक दलों व संगठनों को इन नियमों का पालन करना चाहिए। भारत जोड़ो यात्रा में कोविड उपयुक्त व्यवहार के लिए राहुल गांधी को भेजी चिट्ठी को लेकर सवाल पूछने पर राघव चड्ढा ने एक तीर से दो निशाने साधे। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा का नाम लिए बिना कहा कि अगर केंद्र सरकार कोई प्रोटोकाल जारी करती है तो उसे सभी लोगों को मानना चाहिए। फिलहाल सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है। अगर ऐसा होगा तो सभी राजनीतिक दलों पर ये प्रोटोकाल समान रूप से लागू होंगे।

## यमुना प्रदूषण पर बढ़ सकती है दिल्ली और हरियाणा में तकरार

**राकेश शर्मा**

**नई दिल्ली।** यमुना प्रदूषण को लेकर दिल्ली और हरियाणा में एक बार फिर तकरार बढ़ने के आसार नजर आ रहे है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना हरियाणा सरकार से इस बात नाराज बताए जा रहे है। यमुना प्रदूषण के लिए उपराज्यपाल ने 36 फीसदी जिम्मेदार हरियाणा को ठहराया है। सूत्रों की माने तो जल्द इस मामले का हल निकालने के लिए उपराज्यपाल हरियाणा का दौरा भी कर सकते है। बताया यह भी जा रहा है कि नए साल में शुरू हो रहे विधानसभा सत्र के दौरान भी उपराज्यपाल वीके सक्सेना हरियाणा आ सकते है। दिल्ली में बह रही

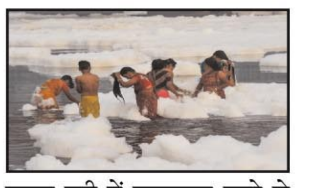

यमुना नदी में नजफगढ़ नाले से करीब 40 फीसदी प्रदूषण होता है। ऐसे ही हरियाणा से बहने वाले तीन नालों से करीब 36 फीसदी तक प्रदूषण होता है। हरियाणा से दिल्ली में यमुना के प्रवेश करने पर पल्ला में 1100 के करीब कोलीफॉर्म है। पास पहुंचने पर इसका मलीय कोलीफॉर्म 2.1 लाख तक बढ़ जाता है। इस वजह से यमुना का पानी प्रतिदिन तेजी से प्रदूषित होता जा रहा है। यदि हरियाणा से आने वाले इस वेस्ट को रोक लिया जाए तो यमुना के प्रदूषण में कुछ हद तक कमी आ सकती है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के व्यक्तिगत रूप से निगरानी के बाद अब नजफगढ़ ड्रेन का कायाकल्प के बाद करीब 12 किलोमीटर के दायरे की सफाई की जा चुकी है और 32 नालों का नवीनीकरण किया जा रहा है ताकि इनमें फंसे सीवेज को यमुना में प्रवेश करने से रोका जा सके। पांच नालों पर प्रदूषण रोकने के लिए निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। जल्द ही उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री मनोहर लाल यमुना प्रदूषण को लेकर बैठक करने वाले है इस बैठक में उपराज्यपाल के साथ दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों भी साथ रहने वाले है।

## दिल्ली एयरपोर्ट पर पहले दिन 110 यात्रियों की हुई रैंडम टेस्टिंग

**आशीष वर्मा**

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए प्रशासन अलर्ट हो गया है। कुछ देशों में कोविड-19 के मामले फिर से सामने आने के बाद स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से दिल्ली एयरपोर्ट पर विदेश से आने वाले यात्रियों की रैंडम टेस्टिंग का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में जेनेस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर ने रविवार को जानकारी दी कि दिल्ली आईजीआई में पहले दिन 110 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की रैंडम टेस्टिंग की गई। जेनेस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर की संस्थापक डॉ गौरी अग्रवाल ने बताया औसतन लगभग 25000 यात्री आईजीआई एयरपोर्ट पर आते हैं जिनमें से 500 यात्रियों का परीक्षण किया जा रहा है। पहले दिन के अंत तक जेनस्ट्रिंग्स ने लगभग 110 परीक्षण किए थे। बता दें कि दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने जेनस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर के साथ मिलकर नए दिशा-निर्देशों और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी इंतजाम समय पर किए हैं। टर्मिनल के अंदर यात्रियों की वेटिंग समय के दौरान कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए महामारी की पिछली लहरों के दौरान भी इसी तरह की व्यवस्था की गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान कोविड परिदृश्य को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक या लाकडाउन की अभी जरूरत नहीं है। कुछ देशों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि को देखते हुए मजबूत निगरानी की आवश्यकता है। कोविड के नए सिरे से फैलने की संभावना नहीं है। भारत में लोगों में हाइब्रिड इम्युनिटी है। टीकाकरण के बाद प्राकृतिक प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ गई है। एम्स के पूर्व निदेशक डा.रणदीप गुलेरिया ने कहा कि भारत में कोविड मामलों में वृद्धि नहीं हुई है। मौजूदा परिस्थितियों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को प्रतिबंधित करने या लाकडाउन लगाने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले अनुभव बताते हैं कि संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए उड़ानों पर प्रतिबंध लगाना प्रभावी नहीं है।

# वाजपेयी की 98वीं जयंती पर राष्ट्रपति मुर्मू पीएम मोदी व अन्य भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 98वीं जयंती पर उनकी समाधि सदैव अटल जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख जेपी नड्डा भी पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी 98वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए सदैव अटल स्मारक पहुंचे। स्मारक पर जाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा अटल जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। भारत के लिए उनका योगदान अमिट है। उनका नेतृत्व और दूरदृष्टि लाखों लोगों को प्रेरित करती है। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। एक कवि पिता के घर जन्मे वाजपेयी बाद में खुद एक कवि बन गए। उन्होंने कानपुर से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर किया। वाजपेयी भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। हालांकि उनका व्यक्तित्व कविता और राजनीति सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं थी बल्कि दुनिया भर में जानी जाती थी। अमित शाह ने कहा कि पूर्व पीएम वाजपेयी ने विकास के एक नए युग की नींव रखी थी। अटल जी का जीवन भारतीय राजनीति का शिखर देश को फिर से उसके परम वैभव की ओर ले जाने के लिए समर्पित था। विकास और सुशासन के एक नए युग की नींव रखकर उन्होंने अपने नेतृत्व में विश्व को भारत की क्षमता से अवगत कराया और जनता में राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाई। अटल जी को आज उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वह न केवल दूरदर्शी थे बल्कि विद्वान भी थे। उन्होंने पोस्ट किया मैं हम सभी की प्रेरणा और पूज्य पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूं। उन्होंने भारत में विकास और सुशासन का नया अध्याय लिखा और विश्व पटल पर देश को एक नई पहचान दी। वह न केवल एक दूरदर्शी थे बल्कि एक विद्वान भी थे। राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अविस्मरणीय है। भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन आज पूरे देश में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 1924 में ग्वालियर में जन्मे वाजपेयी दशकों तक भाजपा का चेहरा थे और पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे जिन्होंने कार्यालय में पूर्ण कार्यकाल पूरा किया। वाजपेयी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में 5 साल का कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता थे। वे संयुक्त राष्ट्र संघ को हिंदी में संबोधित करने वाले पहले भारतीय भी थे। जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के अलावा वाजपेयी तीन मौकों पर प्रधानमंत्री की शपथ लेने वाले एकमात्र भारतीय नेता हैं। उनके राजनीतिक करियर के अलावा वाजपेयी को एक आकर्षक वक्ता और एक सहानुभूतिपूर्ण कवि के रूप में याद किया जाता है।

## जैन को तिहाड़ में मिलने वाली सुविधाओं में कटौती

**नई दिल्ली।** दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को जेल की ओर से ह्रासजाहू दी गई है। इसे जेल की भाषा में पनिशमेंट कहा जाता है। आईजी द्वारा गठित कमेटी की सिफारिश पर जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन को जेल में मिलने वाली सुविधाएं घटा दी गई हैं। सेल में से टेबल और कुर्सी भी हटा दी गई हैं। आरोप है कि सत्येंद्र जैन जेल मैनुअल का उल्लंघन किया था। यह सजा कुल 15 दिनों के लिए मिली है। इस दौरान वह किसी से मुलाकात भी नहीं कर पाएंगे। मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन का जेल से हाल ही में कई वीडियो सामने आए थे। जिसमें उन्हें जेल के अधिकारियों की ओर से वीवीआईपी ट्रीटमेंट देने का आरोप लगा था। इसको लेकर जेल के बैरक नंबर 7 के सुपरिन्टेंडेंट अजीत कुमार को सस्पेंड कर दिया गया था। वहीं बीते 4 नवंबर को तिहाड़ के डीजी संदीप गोयल को हटाकर उनकी जगह संजय बेनीवाल को लाया गया था इसको लेकर बीजेपी नेताओं ने आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा था। वहीं तिहाड़ जेल में नियमों का उल्लंघन करने और वीवीआईपी ट्रीटमेंट मिलने के आरोपों को लेकर गठित कमेटी ने इसी महीने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

# अटल जी ने भारत को दी स्थिर राजनीति : योगी

**– मुख्यमंत्री योगी ने लोकभवन में अटल जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी**

**लखनऊ, (हि. स.)।** पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में स्थापित अटल जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र समेत अन्य लोग मौजूद रहे। लोकभवन सभागार में अटल जी पर लघु फिल्म और कविता पाठ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के महान सपूत की जयंती पर प्रदेश सरकार और उप्र वासियों की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। मालवीय जी को भी नमन किया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने अपने कर्मों से प्रेरणा दी है। छह दशक का सार्वजनिक जीवन उनका हम सबको प्रेरणा देता है। वह लेखक, कवि, पत्रकार एवं संवेदनशील जनप्रतिनिधि भी थे। उन्होंने दिखाया कि राजनिति में स्थिरता कैसे लाई जा सकती है। भारत के बुनियादी ढांचा विकसित करने, परमाणु सक्षम बनाने और भारत की राजनीति को स्थिरता देने का काम किया। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अटल जी के प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए भारत को स्थिरता की राजनीति दे रहे हैं। कहा कि आज ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था से बड़ी भारत की अर्थव्यवस्था हो गयी है। जी-20 का नेतृत्व पीएम मोदी अगले एक साल तक कर रहे हैं। यह भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव की बात है।

शासन की व्यवस्था का संवेदनशील होना ही सुशासन है। पहले महामारी आती थी तो लोग मरते रहते थे। कोरोना जैसी महामारी आई तब प्रधानमंत्री मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत ने कोविड के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी। दो-दो वैक्सीन, गरीबों को अनाज, इलाज जैसी सारी व्यवस्था दी गयी। अटल जी के बताए रास्ते पर चलने की वजह से यह संभव हो पाया। अटल जी ने दलहित को छोड़कर देशहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अटल जी का शासन आज भी लोग याद करते हैं। वह कुशल वक्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिए विरोधी दल के कार्यकर्ता भी पहुंच जाते थे। उनके नेतृत्व में भारत ने नई ऊंचाइयों तक पहुंचा। उनके दिखाए रास्ते पर आज केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश मजबूत हो रहा है। लोकभवन के सभागार में अटल जी की याद में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अटल जी पर लघु फिल्म दिखाई गई। इसमें अटल जी की कविताओं की प्रस्तुति हुई। दिल्ली से आये गजेंद्र सोलंकी ने कविता पाठ किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को भी सुना गया।

## प्रधानमंत्री मोदी के विचारों को आत्मसात कर सामाजिक दृष्टिकोण अपनाएं पार्टी कार्यकर्ता : जेपी नड्डा

**– भाजपा अध्यक्ष ने गाजियाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं के संग सुनी मोदी के "मन की बात"**

**गाजियाबाद, (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों को आत्मसात करते हुए राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक दृष्टिकोण अपनाएं, तभी राष्ट्र का भला होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के "मन की बात" में समाज एवं देश को खड़ा करने की जो बात कही है, इससे उनकी दूरदर्शिता परिलक्षित होती है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने मोहन नगर स्थित आईटीएस कॉलेज के सभागार में पार्टी कार्यकताओं के साथ "मन की बात" सुनी। इसके

बाद उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में "मन की बात" का पहला एपिसोड प्रस्तुत किया था। आज 96 एपिसोड हो गए हैं, लेकिन आज भी इसकी रोचकता, प्रासंगिकता बनी हुई है। यह जनता को बेहद पसंद आ रहा है। इसकी वजह यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने "मन की बात" में हमेशा गैर राजनीतिक बात की है और समाज की भलाई की बात की है। हम सबको इसकी गहराई को समझने की जरूरत है। नड्डा ने कहा कि हमारा दृष्टिकोण सामाजिक प्रासंगिक सेवा भाव और सामाजिक मुद्दों से जुड़ा होना चाहिए। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल, केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह, राज्यसभा सदस्य अनिल अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा समेत पार्टी के कई प्रमुख कार्यकर्ता-पदाधिकारी उपस्थित थे।

## मदरसों में शुक्रवार नहीं, मंगलवार को हो साप्ताहिक अवकाश : उलेमा बोर्ड

**लखनऊ, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश के मदरसों में शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश समाप्त करने की उठ रही मांग के बीच एक नई मांग शुरू हो गयी है। आल इंडिया उलेमा बोर्ड ने उप्र में मंगलवार को साप्ताहिक अवकाश की मांग की है। मांग के पीछे का तर्क है कि शुक्रवार हो या रविवार, दोनों ही गुलामी के प्रतीक हैं। उलेमा बोर्ड के राष्ट्रीय सलाहकार एवं प्रवक्ता शफाअत हुसैन ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि देश में राज करने वालों ने अपने धर्मों को महत्व देते हुए साप्ताहिक अवकाश की व्यवस्था लागू की। मुगल आक्रांता आए तो उन्होंने शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश घोषित किया। अंग्रेज आए तो उन्होंने रविवार को छुट्टी की। मेरा मानना है कि देश में इस समय सनातन सोच की विचारधारा वालों की सरकार है। यह सरकार सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करती है। इसलिए यहां उसी के अनुरूप अवकाश होना चाहिए। हुसैन ने कहा कि भगवान राम के अनन्य भक्त हनुमान जी हैं।

हनुमान जी के भक्त बड़ी संख्या में हैं। लोग मंगलवार को बजरंगबली की पूजा-अर्चना करते हैं। बहुत से भक्त उस दिन व्रत भी रखते हैं। इसलिए शुक्रवार और रविवार को नहीं बल्कि मंगलवार को साप्ताहिक अवकाश घोषित किया जाए। यह सबके लिए हो। रही बात मदरसे की तो मदरसे में जुमे की नमाज पढ़ने के लिए छुट्टी की बात की जा रही है। सरकारी गैर सरकारी नौकरी करने वालों को भी नमाज पढ़नी रहती है। उन्होंने कहा कि मुसलमान के लिए पांच वक्त नमाज फर्ज है। इसे हर दिन पढ़ते हैं। जुमे की नमाज वाजिब है। दोनों में बड़ा फर्क है। जुमे के दिन की छुट्टी उतना जरूरी नहीं है। अगर शुक्रवार को नमाज के नाम पर मदरसे में अवकाश दिया जाता है तो सरकारी और गैरसरकारी प्रतिष्ठानों में नौकरी करने वाले लोग भी मांग करने लगेंगे। यह उचित नहीं है। मैं तो चाहूंगा कि प्रदेश में योगी और देश में मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मंगलवार को साप्ताहिक अवकाश की व्यवस्था लागू करे।

## बुरी नीयत से किसी का धर्म बदलना-बदलवाना दोनों ही गलत : मायावती

**-पूर्व सीएम मायावती ने देशवासियों को दी क्रिसमस की शुभकामनाएं**

**लखनऊ (ईएमएस)।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को देशवासियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बुरी नीयत से धर्म बदलना और बदलवाना दोनों ही गलत है। पूर्व सीएम मायावती ने ट्वीट किया सभी देशवासियों और खासकर ईसाई धर्म का पालन करने वाले भाई-बहनों को क्रिसमस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म निरपेक्ष संविधान के तहत देश में अन्य धर्मों के लोगों की तरह ईसाई धर्म के अनुयायी भी सुख-शांति और खुशहाली के साथ जीवन व्यतीत करें यही

कामना है। बसपा प्रमुख ने एक अन्य ट्वीट में कहा धर्म परिवर्तन को लेकर देशभर में बवाल मचाया जाना अनुचित व चिंताजनक है। जबरन की गई हर चीज बुरी होती है। बुरी नीयत से धर्म बदलना और बदलवाना दोनों ही गलत है। उन्होंने कहा अतः इस मुद्दे को सही परिप्रेक्ष्य में देखना और समझना जरूरी है। इसे लेकर की जा रही कट्टरवादी राजनीति से देश को लाभ कम और हानि ज्यादा होगी।

## आबकारी विभाग के अभियान में लाखों रुपये की अंग्रेजी शराब जब्त

**-हरियाणा से तस्करी करके अमरोहा ले जाई जा रही थी**

**गाजियाबाद, (हि.स.)।** आबकारी विभाग के विशेष प्रवर्तन अभियान की ओर से बीती देर रात चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाहनों से तस्करी करके लाई जा रही लाखों रुपये की शराब पकड़ी गई। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि जनपद के आबकारी निरीक्षकों विभिन्न स्थलों पर दबिश एवं रोड चेकिंग की गई। जिसमें डासना टोल प्लाजा पर आबकारी एवं थाना मसूरी पुलिस की संयुक्त टीम ने रोड चेकिंग के दौरान देर रात्रि में एक सेंट्रो जिंग कार वाहन से एक अभियुक्त सुक्कन निवासी ग्राम इकौदा थाना सैदनगली जिला अमरोहा को ओल्ड मोंगा ब्रांड की 36 बोतल , रॉक फील्ड ब्रांड की 12 बोतल, रॉयल चैलेंज ब्रांड की 36 बोतल,

मेकडौल एक ब्रांड की 12 बोतल, रॉयल स्टैग ब्रांड की 48 बोतल, नाईट ब्रांड की 48 बोतल(प्रत्येक बोतल की धारिता 750 एमएल) कुल 192 बोतल बरामद की है। यह सभी शराब हरियाणा प्रदेश में बिक्री के लिए अनुमन्य है। जिसे तस्करी कर लाया जा रहा था। अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया गया कि हरियाणा से ये शराब जनपद अमरोहा ले जाई जा रही है। बरामद माल एवं वाहन को सीज करते हुए अभियुक्त के विरुद्ध थाना मसूरी मे आबकारी अधिनियम की धारा 60 /63/72 में अभियोग पंजीकृत करते जेल भेजा गया।

## क्रिसमस पर्व पर जश्न में डूबे मसीही, उल्लासपूर्ण माहौल

**वाराणसी, (हि.स.)।** वाराणसी में रविवार को उल्लासपूर्ण माहौल में मसीही समुदाय के लोग महापर्व क्रिसमस मना रहे हैं। महापर्व पर जश्न में डूबे मसीही अलसुबह से ही अपने दोस्तों और रिश्तेदारों, समुदाय के लोगों को बधाई दी। सनातनी और अन्य समुदाय के लोग भी अपने मसीही मित्रों की खुशियों में शामिल होकर गले लग पर्व की बधाई देते रहे। मसीही बस्तियों के साथ गिरजाघरों और चर्चो में आकर्षक विद्युत झालरों की सतरंगी रौशनी शाम से ही लोगों को अपनी ओर खींचती रही। मसीही घरों और गिरजाघरों में कैरोल गीत के गूंज के साथ प्रभु ईसा मसीह के जन्म लेने की खुशियां उफान मारती रही। इसके पहले ठंड और सर्द हवाओं के

बीच मसीही समाज के लोग शनिवार शाम से ही नये वस्त्र पहन सज संवर कर कैंटोंमेंट स्थित सेंट मेरीज महा गिरजाघर में पहुंचने लगे। महागिरजा परिसर में चारों तरफ प्रभु यीशु के जीवन पर आधारित मनमोहक झांकियां, ईशा मसीह के जन्म की चरनी देख आह्लादित होते रहे। परम्परानुसार प्रभु ईसा मसीह के जन्म लेने के पूर्व शनिवार रात 11.30 बजे से विशेष पूजा (मिस्सा बलिदान) की रस्म निभाई गई। इस दौरान मसीही समुदाय के लोग प्रभु की आराधना और विशेष महिमा गान करते रहे। महागिरजा सहित सभी गिरजाघरों में प्रभु के जन्म लेते ही एक साथ घंटे बजे। इसके बाद रात 12 बजे जैसे ही घड़ी की सुइयां एकाकार हुई। बाल्य रूप में प्रतीक रूप से ईसा मसीह के जन्म लेने के बाद महागिरजा में वाराणसी धर्मप्रांत के बिशप डॉ युजीन जोसेफ ने प्रभु यीशु के प्रतीकात्मक बाल रूप का मसीही समुदाय के लोगों को दर्शन कराया। इसके बाद चुनिंदा लोगों के साथ शोभायात्रा के बीच उन्होंने नवजात ईसा मसीह की प्रतिमा को गिरजाघर से स्थानान्तरित कर चरनी में स्थापित किया। चरनी के अभिषेक के बाद लोग प्रभु का दर्शन कर आह्लादित रहे।

## ताजिकिस्तान में फंसे झारखंड के 44 मजदूरों की 26 को होगी वतन वापसी

**रांची, (हि.स.)।** ताजिकिस्तान में फंसे झारखंड के 44 मजदूरों की सोमवार को वतन वापसी होगी। मजदूर सुबह 10:50 बजे उड़ान भरेंगे और 12:50 बजे दिल्ली पहुंचेंगे। वापसी को लेकर परिजनों खुश हैं। ये मजदूर गिरिडीह, हजारीबाग व बोकारो जिले के हैं। गिरिडीह के मजदूरों में बगोदर प्रखंड के अडवारा के संतोष महतो, सरिया प्रखंड अंतर्गत लुतयानो के तेजो महतो, चिचाकी के दशरथ महतो, नुनूचंद महतो, गणेश महतो, डुमरी प्रखंड अंतर्गत दुधपनियां के नंदू कुमार महतो, खेचगढी के प्रदीप महतो, चेगडो सोहन महतो, गिरि महतो, डुमरी के बीरेन्द्र कुमार, घुजूडीह के नकुल महतो हैं। हजारीबाग जिले के मजदूरों में बिष्णुगढ़ अंतर्गत खरना तिलेश्वर महतो, प्रदीप गंजु, रामेश्वर महतो, महाबीर महतो, रीतलाल महतो, गोवेर्धन महतो, मितलाल महतो, भलुआ के जगदीश महतो, बासुदेव महतो, प्रेमचंद महतो, बरहमदेव महतो, गोविंदपुर बालेश्वर महतो, आशोक सिंह, जोबर के आयोध्या महतो, उमेश महतो, टेकलाल महतो, तालो महतो, बीरू सिंह, संतोष महतो, बंदखारो के मंगर महतो, नारायण महतो, कृष्णा कुमार मंडल, दिलीप महतो, विनय महतो, मनोज कुमार महतो, त्रिभुवन महतो, लालदेव महतो, बसंत मंडल तुलसी महतो, नेरकी के रोहित सिंह हैं। बोकारो जिले के मजदूरों में गोमियां प्रखंड अंतर्गत सिधाबारा के मुकेश महतो, महुआटांड के टीको महतो, बोकारो थर्मल के कमलेश अगरिया हैं। उल्लेखनीय है कि पैसे कमाने के लिए दलालों के चक्कर में ये मजदूरों ताजिकिस्तान पहुंच गए। वहां समय पर तनख्वाह नहीं मिलने से उन्हें खाने-पीने में परेशानी होने लगी। इसकी जानकारी मजदूरों ने एजेंट को मोबाइल पर देने की कोशिश की। हालांकि, एजेंट ने मजदूरों का कॉल कभी रिसीव नहीं किया। हार कर मजदूरों ने प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले सिकंदर अली के माध्यम से घर वापसी की गुहार लगाई। सिकन्दर अली तत्परता दिखाते हुए अपने प्रवासी व्हाट्सएप ग्रुप और फेसबुक के माध्यम से सभी को इस बारे में जानकारी दी। इसके बाद जनप्रतिनिधि एवं मंत्री ने उनकी घर वापसी के लिए हरसंभव उपाय कर बकाया वेतन का प्रयास किया गया। इस प्रयास से मजदूरों की बकाया राशि का भुगतान हो गया। प्रवासी मजदूरों की आवाज उठाने वाले सिकंदर अली का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। जब काम की तलाश में मजदूर विदेश जाते हैं, तब उन्हें वहां कई तरह की यातनाएं झेलनी पड़ती है। बड़ी मुश्किल से वे वतन लौट पाते हैं। ऐसे में सरकार को इस पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

## रवि रंजन कुमार विक्रम बने आईएएस

**रांची, (हि.स.)।** राज्य सिविल सर्विस झारखंड कैडर के अधिकारी रवि रंजन विक्रम को भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में कार्मिक मंत्रालय भारत सरकार ने अधिसूचना जारी कर दिया है। एससीएस कैडर में 2021 की रिक्तियों के विरुद्ध इन्हें आईएएस सेवा में लिया गया है। इन्हें झारखंड कैडर आवंटित किया गया है। इनकी नियुक्ति झारखंड प्रशासनिक सेवा से आईएएस के रिक्त पदों पर की गई है।

## त्यागी अशोका कृष्णम को मिला साहित्य गौरव सम्मान

विश्व के सबसे बड़ा वर्चुअल कवि सम्मेलन बुलंदी साहित्यिक पंजीकृत अंतरराष्ट्रीय बाजपुर उत्तराखंड संस्था के तत्वाधान में विश्व के 35 देशों के कलमकारों सहित 3970 प्रतिभागियों ने काव्य पाठ किया। इस कवि सम्मेलन में को इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में विश्व के सबसे बड़े वर्चुअल 400 घंटे अनावृत चलने वाले कवि सम्मेलन के रूप में दर्ज किया गया

जिसमें कुरकावली सम्भल निवासी वरिष्ठ साहित्यकार त्यागी अशोका कृष्णम ने अपनी रचनाएं पढ़कर सहभागिता की।

## थाने में शराब की बोतल ले पहुंचा युवक, शराबबंदी की खुली पोल

**नवादा, (हि. स.)।** शराबबंदी वाले बिहार में शराबियों की अजीबोगरीब हरकते देखने को मिल रही है. नवादा में एक शराबी हाथ में शराब की बोतल लिए थाना पहुंच गया. जिसे देख पुलिसवाले दंग रह गये. पूरा मामला नवादा जिले के वारिसलीगंज थाना का है. यहां शराब के नशे में धुत युवक शराब की बोतल लिए थाना पहुंचकर हंगामा करने लगा. इसके बाद थाने में तैनात पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर उसकी ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच करायी तो शराब पीने की पुष्टि हुई.

जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के अनुसार वारिसलीगंज बाजार निवासी विकास कुमार शराब के नशे में धुत थाना पहुंचा और पुलिस को देखते ही हाथ में विदेशी शराब की बोतल निकाल थाना परिसर में लहराने लगा. विकास की हरगत देख पुलिसकर्मी दंग रह गए. पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर उनकी जांच करायी तो शराब पीने की पुष्टि हुई. शराब पीने की पुष्टि होने के बाद बाद पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया.

थानाध्यक्ष आशीष कुमार मिश्रा ने बताया की एक युवक को हिरासत में लिया गया है.जो शराब के नशे में धुत होकर हाथ में विदेशी शराब की बोतल लिए थाना पहुंच गया और गिरफ्तार करने को लेकर हंगामा करने लगा.शराब के नशे में धुत युवक से पूछताछ के क्रम में बताया कि घरेलू कलह से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है।युवक के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

## अटल जी मुझे बहुत मानते थे, तीन विभागों की दी थी जिम्मेदारी: नीतीश

**पटना, (हि.स.)।** पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में मुझे काम करने का मौका मिला। वे मुझे बहुत मानते थे और तीन-तीन विभागों में काम करने का मौका दिया। हमारे इन विभागों का जो भी प्रस्ताव रहता था उसे वे स्वीकार करते थे और पूरा कराते थे। नीतीश ने कहा कि अटल ने देश के विकास के लिए काफी काम किया। सांसद के रूप में भी उनके साथ मेरा काफी अच्छा अनुभव रहा। मैं हमेशा उनकी बातों को गौर से सुनता था। हमलोग बाद में उनके साथ आए और उनके नेतृत्व में केन्द्र में सरकार बनी। उन्होंने देश के विकास के लिए जिस प्रकार काम किया, वो कभी भूलाया नहीं जा सकता। कोरोना से बचाव की तैयारियों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोगों के यहां कोरोना के सक्रिय मामले शून्य पर पहुंच गए हैं। जब से कोरोना शुरू हुआ है हमलोग कोरोना की लगातार जांच करा रहे हैं। हमलोग शुरू से ही अलर्ट रहे हैं। कोरोना जांच और टीकाकरण दोनों कराते रहे हैं। यहां मरीजों के इलाज का भी प्रबंध है। प्रतिदिन लगभग 45-50 हजार लोगों का यहां कोरोना जांच किया जा रहा है। इसके अलावा लगभग 5-6 हजार टीकाकरण भी किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि जानकारी मिल ही रही है कि दूसरी जगहों पर कोरोना के फिर से कुछ मामले सामने आए हैं। केंद्र सरकार भी कोरोना को लेकर सभी को अलर्ट कर रही है। हम सभी को कोरोना को लेकर अलर्ट रहना है। हम लोगों ने कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि एक-एक चीज पर नजर रखें। बाहर से जो आ रहे हैं उनकी जांच कराएं। बीएसएससी प्रश्न पत्र लीक मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी जांच करने को कहा गया है। सभी पहलूओं की ठीक ढंग से जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि स्व अटल बिहारी वाजपेयी

जी के जन्मदिवस पर राजकीय जयंती समारोह का आयोजन पाटलिपुत्रा पार्क, पटना में किया गया। इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, पूर्व मंत्री सह विधायक नन्द किशोर यादव, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, विधान पार्षद संजय सिंह, विधान पार्षद कुमुद वर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं ने भी स्व अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

## जयंती पर याद किए गए भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी

**बेगूसराय, (हि.स.)।** पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी जयंती पर रविवार को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा राजकीय जयंती समारोह मनाया गया, तो दूसरी भारतीय जनता पार्टी के अलावा विभिन्न संगठनों ने भी उन्हें याद किया। राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने भी उन्हें नमन किया है। प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा है कि श्रद्धेय अटल जी का भारतीय राजनीति में अतुलनीय योगदान रहा है। वे हम सबके प्रेरणा स्रोत हैं, नमन। गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर अटल जी की कविता का वीडियो शेयर करते हुए भगवा को चट्टान की तरह अटल बताया है। उन्होंने कहा है कि गगन में लहराता ये भगवा हमारा, विरोध के सागर में चट्टान हैं हम, हम तब न झुके तो अब क्या रुकेंगे। हम सभी के प्रेरणास्रोत पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न परम आदरणीय अटल जी को जन्मदिन पर प्रणाम। दूसरी ओर जिला प्रशासन द्वारा समाहरणालय परिसर स्थित कारगिल विजय सभा भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां कि अपर समाहर्ता राजेश कुमार सिंह एवं उप विकास आयुक्त सुशांत कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी के महान व्यक्तित्व, अपूर्व कृतित्व एवं देश के बहुमुखी विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर चर्चा किया गया। मौके पर परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह, पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार सिन्हा, प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. गोपाल मिश्रा, कृषि पदाधिकारी राजेन्द्र कुमार वर्मा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी भुवन कुमार, सामान्य शाखा के प्रभारी पदाधिकारी सुनंदा कुमारी, विशेष कार्य पदाधिकारी अनीश कुमार, वरीय उप समाहर्ता शशि कुमार, अमूल्य रत्न, राजकुमार एवं प्रभारी उत्पाद इंस्पेक्टर प्रानेश कुमार आदि ने अटल बिहारी वाजपेयी के तैल चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

## संपादकीय

# बलिदान के प्रति नमन

**प्रधानमंत्री** नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश में पहली बार 'वीर बाल दिवस' मनाया जाएगा। जब वर्ष के प्रारंभ में प्रधानमंत्री मोदी ने साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान की स्मृति में 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई, तब चहुँ ओर से उनका स्वागत किया गया। सिख समुदाय ने भी इस निर्णय की खूब सराहना की। यह निर्णय है ही ऐसा कि प्रत्येक भारतीय सहर्ष ही सरकार की पीठ थपथपा रहा था। यह ऐसा दिन है, जो हमें अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ता है। यह दिन बताता है कि हमने अपने राष्ट्र, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए क्या और कितना बलिदान दिया है। यह दिन बताता है कि भारत माता के बच्चे किस स्तर के बहादुर होते हैं। देश-धर्म की रक्षा के लिए बलिदान देने को आतुर रहने वाली संतति के कारण ही अनेकों आक्रमणों के बाद भी हिन्दू धर्म एवं हिन्दुस्थान आज भी जीवित है। सच्चे अर्थों में यह ही भारत का बाल दिवस होना चाहिए, जब बच्चों को बताया जाए कि इस देश में जोरावर सिंह और फतेह सिंह जैसे बच्चे भी हुए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने जब गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर ट्वीट करके अपने निर्णय के संबंध में जानकारी दी थी तब उन्होंने लिखा था- "वीर बाल दिवस उसी दिन मनाया जाएगा जब साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी ने दीवार में जिंदा चुनवा दिए जाने के बाद शहीदी प्राप्त की थी। इन दो महान हस्तियों ने धर्म के महान सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय मौत को चुना। साहिबजादों के साहस और न्याय स्थापना की उनकी कोशिश को उचित श्रद्धांजलि है"। निःसंदेह दोनों महान वीर बालकों के बलिदान को इस प्रकार जन-जन तक पहुँचाना उनके साहस के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। यदि हम अपने इतिहास का स्मरण नहीं करेंगे, तो आनेवाली संतति को इसकी जानकारी ही नहीं रहेगी। उसका लाभ उन ताकतों को भी मिलेगा, जो भारत का विकृत इतिहास रचने का काम करते हैं। जब हम अपने संघर्ष, बलिदान और साहस का स्मरण करना कम कर देते हैं, तो आक्रांताओं और अत्याचारियों का महिमामंडन करने का अवसर उन्हें मिल जाता है। आपस में वैमनस्य और विभेद भी खड़े करने में उन्हें सुविधा रहती है। हम यह भूल जाते हैं कि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए ही सिख संप्रदाय की स्थापना हुई और वीर सिखों ने अपना बलिदान दिया। हमारी स्मृति लोप का लाभ लेकर हिन्दू विरोधी ताकतें हिन्दू और सिख को अलग-अलग साबित करने लग जाती हैं। बहरहाल, माता गुजरी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चार साहिबजादों की बहादुरी और आदर्शों ने लाखों लोगों को ताकत दी। उन्होंने कभी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया। उन्होंने समावेशी और सौहार्दपूर्ण विश्व की कल्पना की। ऐसी महान आत्माओं को जब हम याद करते हैं तो निश्चित ही आज की पीढ़ी भी प्रेरित होती है। उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भी ध्यान आता है कि अपनी देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए हमें सदैव आगे रहना चाहिए। यह बात स्मरण कराना आज और भी अधिक प्रासंगिक है जब आधुनिकता, पाश्चात्य विचार एवं सेकुलरिज्म के नाम पर बहुत-सी ताकतें भारत की युवा पीढ़ी को भ्रमित करने के प्रयास कर रही हैं। वीर बाल दिवस जैसे प्रसंग न केवल हुतात्माओं के बलिदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर देते हें अपितु युवा पीढ़ी को देश, धर्म और संस्कृति का मूल्य समझाने में उपयोगी सिद्ध होते हैं।

> सिख समुदाय ने भी इस निर्णय की खूब सराहना की। यह निर्णय है ही ऐसा कि प्रत्येक भारतीय सहर्ष ही सरकार की पीठ थपथपा रहा था। यह ऐसा दिन है, जो हमें अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ता है। यह दिन बताता है कि हमने अपने राष्ट्र, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए क्या और कितना बलिदान दिया है। यह दिन बताता है कि भारत माता के बच्चे किस स्तर के बहादुर होते हैं। देश-धर्म की रक्षा के लिए बलिदान देने को आतुर रहने वाली संतति के कारण ही अनेकों आक्रमणों के बाद भी हिन्दू धर्म एवं हिन्दुस्थान आज भी जीवित है। सच्चे अर्थों में यह ही भारत का बाल दिवस होना चाहिए, जब बच्चों को बताया जाए कि इस देश में जोरावर सिंह और फतेह सिंह जैसे बच्चे भी हुए हैं।

## सेनाओं के बीच स्थानीय संघर्ष में शारीरिक संघर्ष के बढ़ने का वास्तविक खतरा है

# देश की सुरक्षा पर नहीं हो सियासत

**भारतीय** सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच 9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के यांगत्से में झड़प की खबर आई। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में एक संक्षिप्त बयान देते हुए बताया कि यह घटना उस वक्त हुई, जब पीएलए के जवानों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का उल्लंघन करने की कोशिश की और यथास्थिति को बदलने की साजिश रची। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि सैनिकों के बीच शारीरिक हाथापाई हुई, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के कुछ जवानों को चोटें भी आईं, लेकिन 'भारतीय सेना ने बहादुरी से पीएलए को हमारे क्षेत्र में घुसपैठ करने से रोक दिया और उन्हें अपने मोर्चों या सुरक्षा चौकियों पर लौटने को मजबूर कर दिया।' अब स्थानीय कमांडरों के बीच फ्लैग मीटिंग के बाद मामला सुलझता नजर आ रहा है।

भारत-चीन के बीच यांगत्से को एक विवादित क्षेत्र माना जाता है और इस क्षेत्र में दोनों सेनाएं लगभग हर साल आमने-सामने आ ही जाती हैं। चीनी सेना द्वारा घुसपैठ का पिछला प्रयास सितंबर 2021 में हुआ था, जब पीएलए सैनिकों को इसी तरह भारत की सीमा से चीन की सीमा में खदेड़ दिया गया था। वैसे ध्यान रहे, चीनी सेना की मौजूदा साजिश एक नियमित गश्ती गतिविधि से अलग है, जैसा कि चीनी सेना के वेस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ने दावा किया है। अंधेरे में सैकड़ों चीनी सैनिकों का एलएसी के पार आना और मोर्चों या चौकियों पर कब्जा करने की कोशिश करना किसी गश्ती से ज्यादा हमले के समान है।

हमेशा की तरह चीन ने इस घटना को मामूली जताने की कोशिश की है और अवैध रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा पार करने के बाद अपनी नियमित गश्त को रोकने के लिए भारतीय सेना को दोषी ठहराया है। वैसे, यह बार-बार सामने आने वाला चीनी बहाना या बयान बन गया है, जिसे भारत में कोई स्वीकार करने वाला नहीं है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने स्पष्ट रूप से कहा है, हम सभी जानते हैं कि चीनी जो कहते हैं और जो करते हैं, वे काफी अलग होते हैं। यह उनके स्वभाव और चरित्र का हिस्सा है। हमें उनके ग्रंथों, लिपियों या उनकी अभिव्यक्ति पर ध्यान देने के बजाय उनके कार्यों पर ध्यान देने की जरूरत है।

यांगत्से की घटना के वक्त को अलग-अलग घटनाओं से जोड़ा गया है, जी-20 में भारत की अध्यक्षता, एलएसी के करीब अमेरिका-भारत सैन्य अभ्यास, शून्य कोविड नीति पर चीन की आंतरिक परेशानी आदि। लेकिन कारण जो भी हो, यह साफ होता जा रहा है कि चीन एलएसी पर यथास्थिति बदलने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। जवाब में भारतीय सेना पीएलए की कार्रवाइयों को धता बताने के लिए दृढ़ संकल्पित है और सीमा पर जरूरत पड़ने पर बल का इस्तेमाल करने के लिए भी समान रूप से तैयार है।

वैसे, एलएसी पर शांति बनाए रखने वाले समझौतों और प्रोटोकॉल के टूटने से भारत-चीन सीमा पर दशकों से अस्थिर और तनावपूर्ण स्थिति पैदा होती रही है। हालांकि, कभी-कभी 'शांति और शांति बहाल करने के लिए गठित तंत्र' की प्रासंगिकता होती है, पर यह तंत्र ऐसे माहौल में काम नहीं करेगा, जहां दोनों देशों के बीच विश्वास का इतना अभाव हो। यह छिपी बात नहीं है कि हाल के वर्षों में यह विश्वास 2020 में गलवान संघर्ष के समय सबसे ज्यादा चोटिल हुआ। उसमें भारतीय सैनिक शहीद हुए थे, पर चीन ने अपने नुकसान के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं बताया था। दोनों सेनाओं के बीच स्थानीय संघर्ष में शारीरिक संघर्ष के बढ़ने का वास्तविक खतरा है। दोनों पक्षों ने हथियारों का उपयोग न करने में उच्च स्तर का संयम दिखाया है, लेकिन आत्म-नियंत्रण की भी एक सीमा होती है। जब एक सैनिक अपने साथी को कुचलते हुए देखता है, जैसा कि हाल ही में जारी किए गए वीडियो में दिखाया गया है; जब वहां आमना-सामना होता है, तब कोई मामूली धक्का-मुक्की नहीं होती, बल्कि वर्चस्व के लिए लगभग मध्यकालीन, हिंसक प्रतिस्पद्र्धा होती है। इसका मतलब यह है कि भारतीय सेना को पूरी एलएसी पर एक ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जो अप्रत्याशित है और उच्च स्तर की तैयारी की मांग करती है। 2020 के गतिरोध के बाद तैनात किए गए अतिरिक्त सैनिकों को अब वापस लेने की संभावना नहीं है, भले ही पूर्वी लद्दाख में कुछ सीमित विस्थापन हो। इस दुर्गम इलाके में सैनिकों की सहायता के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी पर्याप्त बजटीय सहायता की जरूरत होगी।

एलएसी पर अपने आक्रामक व्यवहार को कम करने की जिम्मेदारी चीन की है। हालांकि, जैसा कि राजनीतिक वैज्ञानिक जॉन मियरशाइमर ने हाल ही में बताया है, चीन के पास आक्रामक होने के दो कारण हैं। पहला, चीन एशिया में अपना क्षेत्रीय आधिपत्य जमाना चाहता है, और दूसरा, वह भारत के साथ सीमा विवाद को अपनी शर्तों पर सुलझाना चाहता है। इसलिए भारत को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति की बहाली या 2020 से पहले के तौर-तरीकों की वापसी की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

सीमा पर ये ऐसी वास्तविकताएं हैं, जिनका सामना किया जाना चाहिए। एलएसी पर पीएलए की कार्रवाइयां एशिया और वैश्विक मामलों में एक प्रमुख भूमिका निभाने और भारत जैसे क्षेत्रीय प्रतिस्पद्धियों को कमजोर करने की चीन की बड़ी भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति हैं। बेशक अधिकारी और सैनिक सैन्य चुनौतियों का सामना करेंगे, जैसा कि उन्होंने हमेशा किया है, लेकिन एक दीर्घकालिक सुसंगत राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाने की भी जरूरत है।

ऐसे में, यांगत्से की घटना पर राजनीतिक कलह देखना निराशाजनक है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर सरकार और विपक्ष के बीच शांत संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है। सरकार पर लगातार सार्वजनिक हमले, उस पर कमजोरी का आरोप किसी मकसद को पूरा नहीं करता। जब सभी राजनीतिक दल भारतीय सैनिकों के साथ एकजुटता का दावा करते हैं, तब वे बढ़ते और आक्रामक चीन से निपटने के लिए एकमत दृष्टिकोण अपनाकर अपने सैनिकों की सबसे बेहतर मदद कर सकते हैं।

> चीनी सेना द्वारा घुसपैठ का पिछला प्रयास सितंबर 2021 में हुआ था, जब पीएलए सैनिकों को इसी तरह भारत की सीमा से चीन की सीमा में खदेड़ दिया गया था। वैसे ध्यान रहे, चीनी सेना की मौजूदा स ाजिश एक नियमित गश्ती गतिविधि से अलग है, जैसा कि चीनी सेना के वेस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ने दावा किया है। अंधेरे में सैकड़ों चीनी सैनिकों का एलएसी के पार आना और मोर्चों या चौकियों पर कब्जा करने की कोशिश करना किसी गश्ती से ज्यादा हमले के समान है। हमेशा की तरह चीन ने इस घटना को मामूली जताने की कोशिश की है और अवैध रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा पार करने के बाद अपनी नियमित गश्त को रोकने के लिए भारतीय सेना को दोषी ठहराया है।

# भारत में इससे डरने का आधार नहीं

**पिछले** दो-तीन दिनों से चीन के कुछ वीडियो पूरी दुनिया में हलचल मचाए हुए हैं। इन वीडियो में लाशों के ढेर, संक्रमितों की भीड़, इलाज के लिए मारामारी और ऐसे कई दुखद दृश्य हैं। पूरी दुनिया में इसे संकट की दस्तक माना जा रहा है। भारत में भी इसकी चर्चा एक नई लहर के खतरे की तरह होने लगी है। सरकार सतर्क है और एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। मगर अपने गणितीय मॉडल सूत्र के आधार पर मैं कह सकता हूं कि भारत में ऐसे किसी डर का कोई आधार नहीं है। यहां किसी नई व्यापक कोरोना लहर का कोई खतरा नहीं है। भारत और चीन की परिस्थितियों में जमीन-आसमान का अंतर है। भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ 'नेचुरल इम्युनिटी' 98 प्रतिशत तक है, जबकि चीन में डेढ़ महीने पहले तक यह महज दो से पांच प्रतिशत थी। पिछले 45 दिन में नए वेरिएंट के विस्फोट के बाद वहां 'नेचुरल इम्युनिटी' 40 से 60 फीसदी के बीच होने का अनुमान है। हालांकि, वहां के किसी सीरो सर्वे की रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

आखिर चीन में संक्रमण की इस तेज लहर की वजह क्या है? दरअसल, कोरोना की लहरों में उसने बेहद सख्त लॉकडाउन लगा रखे थे, जिससे आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा कोरोना से संक्रमित नहीं हुआ। वहां वयस्कों का टीकाकरण भी भारत की तुलना में बहुत कम हुआ। इससे लोगों में कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता बन ही नहीं सकी। इसके उलट, भारत में लगभग पूरी वयस्क आबादी को कोरोना टीका लग चुका है। एक बड़ा हिस्सा बूस्टर डोज भी ले चुका है। फिर, भारत में लॉकडाउन व अन्य प्रतिबंध चीन की तरह बेहद सख्त नहीं थे, जिसके कारण संक्रमण करीब-करीब समूची आबादी तक पहुंच गया और उनमें प्राकृतिक तौर पर प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो गई है। इसी वजह से ओमीक्रोन रूपी तीसरी लहर यहां शांति से गुजर गई।

गौर कीजिए, चीन में तबाही मचा रहा ओमीक्रोन का बीएफ-7 वेरिएंट का पहला मामला अपने यहां जुलाई में ही सामने आया था। इसके बाद कुछ और मरीज मिले, पर देश के किसी भी हिस्से में इस वेरिएंट के तेज प्रसार की खबर नहीं आई। यह कैसे संभव हुआ? यह प्राकृतिक इम्युनिटी की वजह से हुआ।

भारत के मुकाबले अमेरिका और जापान जैसे मुल्क नए वेरिएंट से कहीं ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, जहां प्राकृतिक इम्युनिटी 75 प्रतिशत से कम है। अब तक गणितीय मॉडल सूत्र से मैंने जो आकलन किए, उनका एक मजबूत आधार सीरो सर्वे रहे हैं। भारत में चार सीरो सर्वे हुए, जिनमें से पहला काम लायक अधिक नहीं था, किंतु बाकी तीनों सर्वे बेहद उपयोगी साबित हुए। दरअसल, एक सीरो सर्वे के आंकड़ों को गणितीय मॉडल सूत्र के आधार पर आकलन करने पर जो नतीजा निकलता है, अगला सीरो सर्वे वैसा ही परिणाम दे रहा है। यानी, आकलन और अगले सीरो सर्वे की रिपोर्ट समान आ रही है। इसी फॉर्मूले के आधार पर अब यह आकलन किया गया है कि भारत को चीन से सबक लेने की जरूरत है, डरने की नहीं।

भारत में मास्क और सुरक्षित दूरी को लेकर जो चेतावनी जारी की जा रही है, वह सुरक्षा के लिए पर्याप्त है। हमें न अपने बाजार व अन्य गतिविधियों को बंद करने की जरूरत होगी, और न अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को प्रतिबंधित करने की। सामान्य एहतियात के साथ हम इस नए वेरिएंट का मुकाबला कर सकते हैं। मैंने अब तक दुनिया के 32 देशों में कोरोना संक्रमण को लेकर आकलन किया है, जिनमें अमेरिका, इंग्लैंड, चीन, जापान, इटली, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे मुल्क शामिल हैं। इनमें से अकेले चीन ने शून्य-कोविड नीति को बेहद सख्ती से लागू किया था। उधर, जापान में कोरोना के पहले से ही लोग ऐसे संक्रमणों के प्रति सचेत रहा करते थे। वहां मास्क का इस्तेमाल आम जनजीवन में भी दशकों से हो रहा था। इसीलिए, चीन और जापान जैसे देशों में लोगों की प्राकृतिक इम्युनिटी नहीं बन सकी। नए वेरिएंट का सबसे ज्यादा खतरा ऐसे मुल्कों को ही है।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती ओमीक्रोन का नया वेरिएंट नहीं, कोरोना की यादों से निजात पाने की है। अब अपवादों को छोड़कर यहां की बाकी आबादी को कोरोना से शायद ही खतरा है। लंबे समय से बीमार, खासकर फेफड़ों के रोग से ग्रस्त बुजुर्ग, जेनेटिक बीमारियों से पीड़ति, कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। पूरी दुनिया में 60-70 प्रतिशत लोगों में प्राकृतिक इम्युनिटी बन चुकी है। बस जिन देशों ने पिछली लहरों में बहुत ज्यादा बचाव किया, संक्रमण होने ही नहीं दिया, वही सबसे ज्यादा खतरे में हैं। भारत में तो गांव-गांव तक संक्रमण पहुंच गया था, लिहाजा विश्व में सबसे ज्यादा प्राकृतिक इम्युनिटी भारत में है।

भारत में सरकार जो एहतियाती कदम उठा रही है, वह परिस्थितियों को देखते हुए संतुलित है। मास्क का प्रयोग और सुरक्षित दूरी को निरंतर ध्यान में रखकर हम पर्याप्त सुरक्षा कर लेंगे। लॉकडाउन या उड़ानों पर रोक जैसे कदम उठाने की कोई जरूरत नहीं है। यकीन मानिए, यहां कोरोना का यह नया वेरिएंट फैला भी, तो वह सामान्य फ्लू की तरह गुजर जाएगा।

हां, एक बात और। टीके को लेकर अब भी कुछ पूर्वाग्रह हैं। उनको दूर करना जरूरी है। यह समझना चाहिए कि वैक्सीन लेने का अर्थ यह नहीं कि आपको संक्रमण नहीं होगा। टीके से बस यह सुनिश्चित हो जाती है कि संक्रमण होने पर वायरस बहुत घातक साबित नहीं होगा। वैक्सीन से सुरक्षित हो चुके शरीर को वायरस का नया वेरिएंट घातक नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा। मगर यह भी जरूरी है कि हम वैक्सीन की उचित मात्रा के बारे में सही समझ रखें। ऐसा नहीं है कि पहली और दूसरी खुराक लेने के बाद हर दो-तीन महीने में बूस्टर डोज लेने से कोरोना के प्रति ज्यादा मजबूत प्रतिरोधक क्षमता तैयार हो जाएगी। अब तक के अध्ययन यही बताते हैं कि दो खुराक और एक बूस्टर के बाद कोरोना से सुरक्षा का कवच पूरा हो जाता है। भारत में चीन और अमेरिका से कहीं ज्यादा टीकाकरण हो चुका है। फिर भी, भारत में जो लोग टीके से वंचित हैं, उनको तत्काल टीका ले लेना चाहिए।

> चीन में संक्रमण की इस तेज लहर की वजह क्या है? दरअसल, कोरोना की लहरों में उसने बेहद सख्त लॉकडाउन लगा रखे थे, सिजसे आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा कोरोना से संक्रमित नहीं हुआ। वहां वयस्कों का टीकाकरण भी भारत की तुलना में बहुत कम हुआ। इससे लोगों में कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता बन ही नहीं सकी इसके उलट, भारत में लगभग पूरी वयस्क आबादी को कोरोना टीका लग चुका है। एक बड़ा हिस्सा बूस्टर डोज भी ले चुका है। फिर, भारत में लॉकडाउन व अन्य प्रतिबंध चीन की तरह बेहद सख्त नहीं थे, सिजके कारण संक्रमण करीब-करीब समूची आबादी तक पहुंच गया और उनमें प्राकृतिक तौर पर प्रतिरोधक क्षमता विकसति हो गई है। इसी वजह से ओमीक्रोन रूपी तीसरी लहर यहां शांति से गुजर गई। गौर कीजिए, चीन में तबाही मचा रहा ओमीक्रोन का बीएफ-7 वेरिएंट का पहला मामला अपने यहां जुलाई में ही सामने आया था। इसके बाद कुछ और मरीज मिले, पर देश के किसी भी हिस्से में इस वेरिएंट के तेज प्रसार की खबर नहीं आई। यह कैसे संभव हुआ? यह प्राकृतिक इम्युनिटी की वजह से हुआ। भारत के मुकाबले अमेरिका और जापान जैसे मुल्क नए वेरिएंट से कहीं ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, जहां प्राकृतिक इम्युनिटी 75 प्रतिशत से कम है।

## देश दुनीया से

# भारत में बढ़ती धर्मान्तरण की विषबेल

**भारत** लगभग तेरह सौ वर्षों से धर्मान्तरण के आक्रमण से पीड़ित है। तेरह सौ वर्षों में भारत में 10 करोड़ हिंदुओं का नरसंहार हुआ और 10 करोड़ हिन्दुओं का जबरन धर्मान्तरण किया गया। विदेशी सहायता के आधार पर देश के विभिन्न हिस्सों में लोभ लालच से हिन्दुओं को मतांतरित करने का सिलसिला आज भी जारी है। 1947 में अंग्रेज तो भारत से चले गये लेकिन ईसाई मिशनरियों की बड़ी फौज देश के वनवासी व सीमावर्ती क्षेत्रों में कार्य करती रही। मिशनरियों ने भारत की गरीबी व विषमता का लाभ उठाकर भोले भाले ग्रामीण व वनवासी बंधुओं को अपने चंगुल में फंसाते चले गये। पूर्वोत्तर क्षेत्र में ईसाईयों की जनसंख्या में हुई बेतहाशा वृद्धि इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। देश में बढ़ती लव जिहाद व अवैध धर्मांतरण की घटनाओं से त्रस्त हिन्दू समाज अब इसके स्थाई समाधान का मार्ग ढूंढ रहा है। लव जिहाद अवैध मतांतरण का ही एक वीभत्स रूप है। प्रतिदिन लव जिहाद की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। मुस्लिम बहुल इलाकों में इस प्रकार की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। भारत पर इस्लाम और ईसाइयत का आक्रमण केवल शासन करने के लिए ही नहीं था। इस्लाम भारत में सभी को मतांतरित करने के उद्देश्य से ही आया था। इसके लिए इस्लामी आक्रान्ताओं ने छल, बल, अत्याचार और आतंक का सहारा लिया। मुस्लिम आक्रान्ताओं के अत्याचार के कारण समाज का एक बड़ा वर्ग मुसलमान बना भी। व्यापार के बहाने भारत आये अंग्रेजों के साथ ईसाई मिशनरियों का भी यह प्रयास रहता था कि किसी भी प्रकार भारत के लोगों को ईसाई मत में मतांतरित किया जाय। आज भी मुस्लिम और ईसाई संस्थाएं मतांतरण के माध्यम से हिन्दू जनसंख्या को कम करने के प्रयास में निरंतर लगी हुई हैं। इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और अखण्डता को गंभीर खतरा बना हुआ है। ईसाई संस्थाएं एनजीओ की आड़ में विदेश से पैसा मंगाती हैं और उस पैसे से यहां की भोली भाली गरीब जनता का मतांतरण करती हैं। यह ईसाई मिशनरियां द्वारा राष्ट्रीय एकात्मता पर सीधा कुठाराघात है। धर्मान्तरण से केवल पूजा पाठ ही नहीं बदलता है, अपितु उनकी निष्ठा भी बदल जाती है। विदेशी शक्तियां मतांतरित लोगों के माध्यम से अनुचित मांगें मनवाने के लिए सरकार पर दबाव भी डालती हैं। यही शक्तियां मतांतरित अनुसूचित समाज को आरक्षण का लाभ दिलाने की मांग कर रही हैं। यह मांग संविधान विरोधी और राष्ट्र विरोधी है। यह अनुसूचित जाति के अधिकारों पर खुला डाका है। मुस्लिम व ईसाई मतावलम्बी बार-बार यही दोहराते हैं कि उनके मजहब में जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। इस मांग से उनका यह समानता का दावा खोखला साबित हुआ है। इस मांग के पीछे उनका उद्देश्य न्याय दिलाना नहीं अपितु मतांतरण की प्रक्रिया को तेज करना है। यह अनुचित मांग न केवल सामाजिक न्याय अपितु संविधान की मूल भावना के विपरीत किया गया एक षड्यंत्र है। अगर यह मांग मान ली गयी तो हिन्दुस्थान में हिन्दू अल्पसंख्यक हो जायेंगे। हलांकि यह मांग आज की नहीं है। वर्ष 1936 से ही मिशनरी और मौलवी मतांतरित अनुसूचित समाज के लिए आरक्षण की मांग सड़क से लेकर संसद तक निरंतर उठाते रहे हैं। 1936 में महात्मा गांधी और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने इस मांग को अनुचित ठहराया था। संविधान सभा में भी जब इस मांग को पुनः उठाया गया तो संविधान निर्माता डॉक्टर अंबेडकर ने इसे देश विरोधी सिद्ध करते हुए ठुकरा दिया था। डा. आम्बेडकर ने कहा था कि अगर यह मांग मान ली गयी तो जनसंख्या असंतुलन के खतरे बढ़ जाएंगे और जिस अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण का प्रावधान किया है वे इससे वंचित हो जाएंगे। हमारे संविधान-निर्माताओं ने सामाजिक व आर्थिक कारणों से हिन्दू समाज में उत्पन्न हुए छुआछूत, भेदभाव और पिछड़ेपन को दूर करने के लिए ही अनुसूचित जातियों के लिए विशेष प्रावधान किये थे। देश में संसाधन सीमित हैं। इसलिए जनसंख्या विस्फोट चिंताजनक है। इसलिए इस विषय पर समग्रता से व एकात्मता से विचार करके सब पर लागू होने वाली जनसंख्या नीति बननी चाहिए। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी कहा है। देश के कई हिस्सों में मतांतरण के प्रयास चल रहे हैं।

> देश में बढ़ती लव जिहाद व अवैध धर्मांतरण की घटनाओं से त्रस्त हिन्दू समाज अब इसके स्थाई समाधान का मार्ग ढूंढ रहा है। लव जिहाद अवैध मतांतरण का ही एक वीभत्स रूप है। प्रतिदिन लव जिहाद की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। मुस्लिम बहुल इलाकों में इस प्रकार की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। भारत पर इस्लाम और ईसाइयत का आक्रमण केवल शासन करने के लिए ही नहीं था। इस्लाम भारत में सभी को मतांतरित करने के उद्देश्य से ही आया था। इसके लिए इस्लामी आक्रान्ताओं ने छल, बल, अत्याचार और आतंक का सहारा लिया।

## कुछ अलग

# बिहार में शराब माफिया

**मेरा** पैतृक निवास बिहार के सिवान जिले के महाराजगंज तहसील के पास बाल बंगरा गाँव में है। मेरे घर के पास सड़क के उस पार पासियों की एक बस्ती है जिसका पुश्तैनी धंधा ताड़ और खजूर के पेड़ से ताड़ी निकालना और बेचना था। इसके अतिरिक्त वे महुआ की देसी शराब भी बनाते तथा बेचते थे जो आज भी बदस्तुर जारी है। किसी भी देश और किसी भी समुदाय में नशा करना सदियों पुरानी कुप्रवृत्ति है। मेरे गाँव और आसपास की जनता इस अवैध शराब और ताड़ी का सेवन करती थी लेकिन पीकर कोई मरता नहीं था। बिहार के मुख्यमन्त्री नीतीश कुमार ने बिना सोचे-समझे और सरकारी तन्त्र को दुरुस्त किये बिना पूरे राज्य में पूर्ण नशाबन्दी लागू कर दी। शराब पीना, बनाना और बेचना एक संगीन अपराध घोषित कर दिया गया। सैद्धान्तिक रूप से यह कार्य अच्छा था, पर था अव्यवहारिक। यह असाध्य कार्य बिना जन सहयोग और पुलिस की कठोर, ईमानदार और निःस्वार्थ कार्यवाही के संभव नहीं था। यह कुछ ऐसा ही था कि किसी को उड़ते विमान से बिना पैराशुट के नीचे फेंक दिया जाय। अब यह नीति बैकफायर कर रही है। बिहार में पुलिस की निःस्वार्थ और ईमानदार भूमिका ! तिब्बत को चीन से लिया जा सकता है, परन्तु बिहार पुलिस को कर्त्तवयनिष्ठ नहीं बनाया जा सकता। शराबबन्दी से पुलिस को अकूत कमाई का एक नया स्रोत मिल गया जिसे चौकीदार से लेकर उच्चाधिकारियों तक ने भुनाया। मेरे घर के बगल में तहसील का सबसे बड़ा अवैध शराब का केन्द्र खुलेआम चल रहा है। बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा गंगा और सरयू की धारायें तय करती हैं जिनमें नाव से यातायात आम बात है। यू.पी. में शराब की खुली बिक्री है और बिहार में कानूनन बंद। सैकड़ों किलोमीटर लंबी सीमा पर भारत-पाकिस्तान की सीमा की तरह न तो बाड़ लगाई जा सकती है और न चौकसी ही की जा सकती है। मेहरौना, सिसवन, माँझी और बक्सर शराब तस्करी के केन्द्र बन गए हैं। रात में शराब तस्कर नाव द्वारा शराब यू.पी.से बिहार लाते हैं और उसी रात में ठिकाने तक पहुँचा देते हैं। नीतीश राज में एक नया माफिया फलने-फूलने लगा जिसे शराब माफिया कहते हैं। इनका हौसला इतना बुलन्द है कि कभी-कभी प्रतिरोध की आशंका में पुलिसकर्मियों की हत्या तक कर देते हैं और प्रशासन कुछ नहीं कर पाता। माफिया एक काम से तो संतुष्ट होता नहीं। धीरे-धीरे उनकी समानान्तर सरकार चलने लगती है। अब ये शराब माफिया रात में शराब की तस्करी करते हैं और दिन में डे-डकैती। इस गिरोह में बेरोजगार युवा विशेष रूप से शामिल हैं। मेरा गाँव एक शान्तिपूर्ण गाँव था लेकिन अब संगठित डे-डकैतों ने दिन में अपना कारनामा शुरु कर दिया है। वे फोन से अपहरण या हत्या की धमकी देते हुए एक निश्चित रकम माँगते हैं और वसूलते हैं। पैसा न देने या आनाकानी करने की स्थिति में दूकान या घरपर पहुँचकर गोली मार देना आम घटना है। नीतीश द्वारा तेजस्वी यादव (RJD) के साथ सरकार बनाने के बाद डे-डकैतों का हौसला सातवें आसमान पर है। कभी-कभी डिमांड अधिक हो जाने पर शराब माफ़िया सस्ती जहरीली शराब की सप्लाई कर देते हैं जिसका परिणाम पियक्कड़ों को भुगतना पड़ता है।

> शराब पीना, बनाना और बेचना एक संगीन अपराध घोषित कर दिया गया। सैद्धान्तिक रूप से यह कार्य अच्छा था, पर था अव्यवहारिक। यह असाध्य कार्य बिना जन सहयोग और पुसिल की कठोर, ईमानदार और नि :स्वार्थ कार्यवाही के स भव नहीं था। यह कुछ ऐसा ही था कि किसी को उड़ते विमान से बिना पैराशुट के नीचे फेंक दिया जाय। अब यह नीति बैकफायर कर रही है।

## नागरिक बोध

# पालक पिता के रूप में पीपी सवानी ने सामाजिक सरोकार के तहत किए 150 बेटियो के हाथ पीले

**गुजरात** मे हर बार की तरह इस बार भी 150 बेटियो की शादी कराकर कन्यादान किया ।सूरत में पिता का साया खोने वाली 150 लड़कियों का लग्नोस्तव कार्यक्रम में कन्यादान करने वाले पीपी सवानी ने दस वर्षों में जारी विवाह परम्परा में चार हजार 572 बेटियो का कन्यादान कर चुके है। यह पुण्य उपार्जन का सरल मार्ग है। समूह के प्रमुख महेश सवानी हजारो बच्चों के पालक पिता है ।उनके द्वारा हर वर्ष अनाथ बच्चो का विवाह कराते है। वे बेटियो के विवाह के बाद उनके धार्मिक रीति रिवाजों के अनुरूप और एक पिता की तरह सारी रस्मे एवं सारी जिम्मेदारी निभाते है। उनका कहना है कि लड़की जगत जननी है। इस भगीरथ कार्य मे उनकी रुचि हर वर्ष दुगुनी होती है। वे हर वर्ष सैकड़ो बेटियो के हाथ पीले कर उनको आशीर्वाद देते है अनाथ बेटियो को शादी करवाते है। जिसके सिर से उनके अभिभावको का साया उठ जाता है ।वे नवजीवन देते है ।इस क्रम में उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और गुजरात का समावेश है। जिस किसी बेटी के सिर से माता पिता का साया उठ गया है। उनको पालक पिता के रूप में स्वीकार कर उसकी शादी पालक पिता के रूप में करवाते है ।उन बेटियो को उनकी तरह के आशीर्वाद के रूप में घरेलू सामान भी अपनी तरफ से भेंट करते है। यह पुण्यपार्जन का कार्य हर वर्ष उनके हाथों पूर्ण होता है। लग्नोस्तव में हिन्दू,मुस्लिम,सिख,ईसाई आदि धर्म की बेटियो का विगत लग्नोतस्व आयोजन में उनके धर्म रीति के आधार पर किया जाता है। लग्नोतस्व में एक मूकबधिर बेटी ने भी शादी की है। प्रभु से प्रार्थना कर इन कन्याओ के लग्न के बाद उनका जीवन सुख समृद्धि से बीते उसकी कामना कर समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वर वधुओ को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि आपका जीवन हंसी खुशी से बीते यही प्रार्थना करते है और इस मौके पर अनेक राजनीतिक नेता उपस्थित रहे। हर वर्ष इस भगीरथ कार्य को महेशभाई पालक पिता के रूप में निभाते आ रहे है। अनाथ और बेसहारा बेटियो का कन्यादान कर पुण्य का काम करते आ रहे है। बेटियो को दहेज की मार से कोंख से मार देने के किस्से पाठ्यक्रम में पढ़े है। बेटी के जन्म के बाद घर मे आक्रोश पैदा हो जाता है। बेटियो के जन्म पर घर मे विरोध की चिंगारी सुलग जाती है। लेकिन महेश भाई सामाजिक सरोकार की लौ सुलगती रखकर भेदभाव बिना अब तक हजारो शादियां अपने खर्च पर कर पुण्यपार्जन का कार्य कर रहे है। उसके बाद भी बेटियो को कभी विस्मृत नही होने देते है। आज भी हजारो लड़कियों की शादी कराकर कन्यादान करने वाले महेश सवानी हजारो बेटियो के नाम याद है। वो कहते है कि बेटया जगत जननी है। हर साल बेटियो के हाथ पीले करने वाले पिता उनके ही चेतन्य स्कूल परिसर में आयोजन कर समाज के लिए मिसाल बन गए है।

# नेपाल में सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक बेनतीजा, गहरा रहा सियासी संकट, दहल ने समर्थन वापस लिया

**काठमांडू।** नेपाल में सत्तारूढ़ गठबंधन की रविवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक बेनतीजा खत्म हो गई। इसमें कामचलाऊ गठबंधन सरकार के चारों दल नई सरकार के गठन को लेकर किसी समझौते पर पहुंचने वाले थे, लेकिन कोई फैसला नहीं हो सका। इस बीच, पूर्व पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सत्तारूढ़ गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। इससे नेपाल में सियासी संकट गहरा गया है। गठबंधन के नेताओं ने बताया कि बैठक खत्म हो गई है। इसमें कोई फैसला नहीं हो सका। यह बैठक बालूवाटार में प्रधानमंत्री के निवास पर आयोजित की गई थी। इसमें गठबंधन दलों के बीच सरकार गठन के समझौते पर मुहर लगने वाली थी। इसमें प्रमुख मुद्दा यह था कि सरकार का नेतृत्व पहले कौन करेगा। नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने गठबंधन दलों से रविवार तक नई सरकार बनाने का दावा पेश करने को कहा था, लेकिन इन दलों की बैठक अनिर्णित रहने से सियासी संकट गया है। इस बीच, नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल ने कहा है कि पूर्व पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सत्तारूढ़ गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। उन्होंने कहा कि माओइस्ट सेंटर ने सत्तारूढ़ गठबंधन से समर्थन वापस ले लिया है। गठबंधन की बैठक के दौरान पुष्प कमल दहल बाहर चले गए। वे सीधे नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पास पहुंचे। इसके बाद माओइस्ट सेंटर के प्रेस सचिव ने दहल के बाहर जाने की खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि बैठक में कोई समझौता नहीं हुआ है। प्रचंड गठबंधन सरकार का नेतृत्व करना चाहते हैं, जबकि नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सरकार का नेतृत्व करने पर अड़ी है। काठमांडू में राजनीतिक नाटक जोरों पर चल रहा है। प्रचंड का इरादा सामने आने के बाद सियासी हलकों में अनुमान लगाया गया कि सत्ताधारी गठबंधन के अंदर सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। फिर से नेपाली कांग्रेस संसदीय दल के नेता चुने गए देउबा और दहल दोनों प्रधानमंत्री पद पाने की खींचतान में अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। दोनों नेताओं में सहमति बनी थी कि वे पांच साल के कार्यकाल में ढाई-ढाई साल तक प्रधानमंत्री रहेंगे। अब दोनों ही यह पद पहले हासिल करना चाहते हैं। राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने गठबंधन को 7 दिनों के भीतर प्रधानमंत्री के लिए एक नाम की सिफारिश करने की समय सीमा तय की है। समाप्त हो रही है। राष्ट्रपति भंडारी ने पार्टियों से संविधान के अनुच्छेद 76(2) के तहत सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार पर सहमति बनाने को कहा था, लेकिन अब यह बनती नजर नहीं आ रही है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### अमेरिका में तूफान के बीच 18 की मौत, लाखों घरों में ब्लैकआउट, न्यूयॉर्क में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बंद

**वाशिंगटन।** अमेरिका में बर्फबारी के बीच आए तूफान ने हालात को और भी ज्यादा बदतर कर दिया है। इस तूफान ने कम से कम अब तक 18 लोगों की जान ले ली है। सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लाखों घरों की बिजली गुल हो गई है। तूफान ने न्यूयॉर्क के बफेलो को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया है। बर्फीली हवाओं ने यहां पूरी तरह से व्हाइटआउट की स्थिति पैदा कर दी है। आपातकालीन सुविधाओं का कहना है कि बचाव व राहत कार्य चलाना मुश्किल हो रहा है और शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि तूफान के कारण सड़क दुर्घटनाों और पेड़ों के गिरने के कारण 18 मौतें हुई हैं। बफेलो में कम से कम तीन लोगों की मौत दर्ज की गई है। इनमें से दो ऐसे थे जिन्हें अपने घरों में चिकित्सा आपात स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें बचाया नहीं जा सका। क्योंकि, बर्फीले तूफान के कारण बचाव कर्मचारी उन तक नहीं पहुंच सके। न्यूयॉर्क प्रशासन का कहना है कि तूफान के कारण यहां के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को सोमवार सुबह तक के लिए बंद कर दिया गया है। वहीं, बचाव के लिए गए लगभग सभी दमकल ट्रक बर्फबारी में फंसे हुए हैं। पूर्वी अमेरिका के एक प्रमुख बिजली ग्रिड ऑपरेटर ने 6.5 करोड़ लोगों को मिलियन लोगों के लिए ब्लैकआउट की चेतावनी जारी की है। वहीं, पेंसिल्वेनिया स्थित पीजेएम इंटरकनेक्शन ने कहा कि बिजली संयंत्रों को ठंडे मौसम में काम करने में कठिनाई हो रही है और 13 राज्यों के निवासियों से कम से कम क्रिसमस की सुबह तक बिजली बचाने के लिए कहा गया है। टेनेसी वैली अथॉरिटी, जो टेनेसी और आसपास के छह राज्यों के कुछ हिस्सों में 10 मिलियन लोगों को बिजली प्रदान करती है, ने स्थानीय बिजली कंपनियों को नियोजित रुकावटों को लागू करने का निर्देश दिया है।

### तवांग में सैन्य झड़प के बाद चीनी विदेश मंत्री का बयान, बोले- भारत के साथ काम करने को तैयार

**बीजिंग।** भारत और चीन की सेनाओं के बीच हाल ही में तवांग में हुइ झड़प के बाद चीनी विदेश मंत्री का बड़ा बयान सामने आया है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत और चीन ने राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से संचार बनाए रखा है। दोनों देश सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वांग यी ने कहा, हम चीन-भारत संबंधों के स्थिर और मजबूत विकास की दिशा में एकसाथ काम करने के लिए तैयार हैं। चीनी विदेश मंत्री का यह बयान तब सामने आया है, जब तवांग में झड़प के बाद दोनों देशों के संबंधों फिर से तल्खी आ गई है। हालांकि, झड़प के बाद 20 दिसंबर को भारत और चीन के बीच कोर कमांडर स्तर की 17वीं दौर की बैठक हुई। इस बातचीत में देपसांग और डेमचक से चीनी सेना के पीछे हटने का मसला मुख्य एजेंडा था। हालांकि, इस बातचीत में कोई ठोस हल तो नहीं निकला, लेकिन दोनों पक्ष संपर्क में रहते हुए इसे जल्द सुलझाने पर सहमत हुए। यह वार्ता पीएम नरेंद्र मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच जी-20 सम्मेलन में हाथ मिलाने के एक माह बाद हुई थी। पूर्वी लद्दाख में मई, 2020 में तनातनी के बाद अब तक 5 तनातनी वाले जगहों से दोनों सेनाएं पीछे हट चुकी हैं।

### मिकी होथी बने कैलिफोर्निया की लोदी सिटी के पहले सिख मेयर

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका में भारतवंशी छाए हुए हैं। विभिन्न कंपनियों व विभागों के बाद अब कैलिफोर्निया की लोदी सिटी के मेयर पद पर भी भारतवंशी चुना गया है। भारतीय मूल के माता-पिता के पुत्र मिकी होथी उत्तरी कैलिफोर्निया प्रांत के लोदी सिटी के सर्वसम्मति से महापौर चुने गए हैं। लोदी सिटी के इतिहास में पहली बार कोई सिख शीर्ष पद के लिए निर्वाचित हुआ है। होथी ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि वे लोदी शहर के 117वें मेयर के रूप में शपथ ग्रहण कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2008 में टोके हाई स्कूल से स्नातक होथी ने कहा कि शहर का मेयर बनना बड़ी चुनौती थी, खासकर 9/11 हमले के बाद, जब कई मुसलमानों और सिखों ने अमेरिका में उत्पीड़न का अनुभव किया। होथी के माता-पिता भारत के पंजाब प्रांत के हैं। उन्होंने बताया कि उनका परिवार लोदी शहर में फला-फूला। वे कई व्यवसाय के मालिक और उद्यमी बने जो आज भी सफल कंपनियों का प्रबंधन करते हैं।

# ईरान के बाद अब उत्तर कोरिया से भी हथियार ले रहा है रूस!, अमेरिका व जापान ने लगाया आरोप

**सियोल।** क्या उत्तर कोरिया रूस को हथियार बेच रहा है अमेरिका और जापान ने ऐसे आरोप लगाए हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि उत्तर कोरियाई हथियारों का इस्तेमाल रूस यूक्रेन युद्ध में कर रहा है। इस खबर को दक्षिण कोरिया और आसपास के देशों में संशय और आश्चर्य की नजरों से देखा गया है। साथ ही उससे चिंता भी पैदा हुई है।

सबसे पहले ये आरोप इस गुरुवार को जापान के एक रिपोर्ट में लगाया गया है। उसमें दावा किया गया कि उत्तर कोरिया ने पिछले महीने ट्रेन के जरिए हथियारों की एक खेप रूस भेजी। बाद में गुरुवार को ही व्हाइट हाउस ने इस आरोप की पुष्टि की। उसने कहा कि उत्तर कोरिया रूस के प्राइवेट मिलिटरी कॉन्ट्रैक्टर वागनेर ग्रुप के जरिए हथियार भेज रहा है।

उत्तर कोरिया ने इस चर्चा को अफवाह बताते हुए इसका खंडन किया है। शुक्रवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया में इस बारे में एक बयान आया। इसके बावजूद जापान के इस क्षेत्र में चर्चित बनी हुई है। उसके मुताबिक उत्तर कोरिया के पास ऐसे तोपखाने हैं, जिनकी तैनाती रूस में हुई है। उत्तर कोरिया ने भी अपने यहां उन तोपखानों की तैनाती कर रखी है। ये जगह दक्षिण कोरिया से सिर्फ लगभग 50 किलोमीटर दूर है। बताया जाता है कि उत्तर कोरिया के तोपखाने सोवियत संघ के दौर में रूस में विकसित किए तोपखानों की तरह हैं। उत्तर कोरिया और रूस आज भी इस डिजाइन के तोपखानों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

यूक्रेन के साथ रूस के जारी युद्ध के बीच वागनेर ग्रुप लगातार चर्चा में रहा है। इस ग्रुप के पास अपने सैनिक हैं और बताया जाता है कि उनकी तैनाती यूक्रेन में अधिक जोखिम वाली जगहों पर की गई है। बताया जाता है कि जोखिम वाली जगहों पर लड़ाई लड़ने के लिए ये सैनिक रूस के नियमित सैनिकों की तुलना में अधिक प्रशिक्षित हैं। एक विश्लेषण में कहा गया है कि अगर उत्तर कोरिया ने सचमुच वागनेर ग्रुप को हथियार दिए हैं, तो उसका यह मतलब माना जाएगा कि रूस की युद्ध योजना में इस समूह की भूमिका बढ़ती जा रही है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जैक किर्बी ने अमेरिका के पास मौजूद सूचना का हवाला देते हुए गुरुवार को कहा था कि उत्तर कोरिया ने वागनेर ग्रुप को रॉकेट और मिसाइलों समेत हथियारों की एक बड़ी खेप दी है।

इसके बाद संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य होने के बावजूद उत्तर कोरिया से हथियार लेकर रूस सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने इसे रूस की 'निंदनीय' कार्रवाई बताया। टोक्यो शिम्बुन ने की रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया था कि उत्तर कोरिया ने रूस को करोड़ों डॉलर के हथियार दिए हैं और खेप 20 नवंबर को रूस पहुंच गई थी। रूस ने तुमेन नदी के ऊरप से पुल बना कर उत्तर कोरिया के साथ अपना जमीनी संपर्क बनाया हुआ है। इस 'फ्रेंडशिप ब्रिज' के जरिए दोनों देशों के बीच ट्रेनें आती-जाती हैँ।

### खेरसान पर फिर रूसी हमला, जेलेंस्की ने भरी हुंकार- इस क्रिसमस पर यूक्रेनी दिखाएंगे चमत्कार

**कीव।** रूस और यूक्रेन के बीच 10 माह से जारी जंग के बीच रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर हमला बोला है। यूक्रेन के हाल ही में मुक्त कराए गए खेरसान शहर पर शनिवार को रूसी हमले में 10 लोगों की मौत हो गई और 68 अन्य घायल हो गए। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आक्रामक तेवर दिखाए हैं। उन्होंने अपने क्रिसमस संदेश में कहा कि यूक्रेन के लोग क्रिसमस पर चमत्कार का इंतजार नहीं करेंगे, बल्कि खुद चमत्कार दिखाएंगे। जेलेंस्की के टेलीग्राम अकाउंट पर तस्वीरों में एक सिटी सेंटर को जलती हुई कारों, टूटी हुई खिड़कियों और फुटपाथों पर लाशों के साथ दिखाया गया है। उन्होंने लिखा है कि सोशल नेटवर्क इन तस्वीरों को संवेदनशील सामग्री के रूप में चिह्नित करेंगे, लेकिन यह संवेदनशील सामग्री नहीं है। यह यूक्रेन और यूक्रेनियन का वास्तविक जीवन है। जेलेंस्की ने लिखा कि यह आतंक है। यह डराने और आनंद के लिए किया जा रहा है। जेलेंस्की ने लिखा, ये सैन्य सुविधाएं नहीं हैं, यह आतंक है। यह डराने और आनंद के लिए किया जा रहा है। बीते 10 महीनों से जारी युद्ध में रूस द्वारा कब्जा किए खेरसान शहर को यूक्रेनी सेना ने वापस ले लिया था। यूक्रेन का कहना है कि तबसे ही रूसी सेना ने निप्रो नदी के उस पार से शहर पर भारी गोलीबारी की है।

# साउथ अफ्रीका में ब्रिज से टकराए फ्यूल टैंक में धमाका : पास के अस्पताल की छत तबाह, 2 बच्चों समेत 10 की मौत

**जोहानसबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका के बोक्सबर्ग शहर में शनिवार यानी 25 दिसंबर की सुबह एक फ्यूल टैंक में धमाका हो गया। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। 40 लोग घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि धमाका अस्पताल के पास हुआ। इससे अस्पताल के एक हिस्से की छत तबाह हो गई।

एक अधिकारी ने कहा- हादसा टैंबो मेमोरियल हॉस्पिटल से लगभग 100 मीटर की दूरी पर हुआ। धमाका इतना भयानक था कि अस्पताल के एक हिस्से की छत तबाह हो गई। इसके बाद यहां इलाज करवा रहे पेशेंट्स को तुरंत दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया गया।

**चश्मदीद बोले- आग की तेज लपटें उठीं** - घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने धमाके की भयावहता बताई। एक चश्मदीद साइमन लैपिंग ने बताया कि उसने धमाके के बाद घटनास्थल पर 6 लोगों और 2 बच्चों की लाशें देखीं। एक अन्य चश्मदीद जीन मैरी बोयसेन ने कहा- मैंने आग की तेज लपटें देखीं। मुझे तो ऐसा लगा जैसे 6.5 तीव्रता का भूकंप आ गया हो। क्योंकि धमाके के वक्त जमीन बहुत तेज कांपी थी।

**रेलवे ब्रिज के नीचे फंसा था टैंक** - इमरजेंसी सर्विस के स्पोक्सपर्सन विलियम नतलादी ने बताया कि टैंक रेलवे पुल के नीचे फंस गया था। उन्होंने कहा- फ्यूल टैंक एक पुल के नीचे से गुजर रहा था, लेकिन ऊंचाई ज्यादा होने के कारण वहां फंस गया। जैसे ही टैंक ब्रिज से टकराया उसमें धमाका हो गया।

**2 दमकलकर्मियों की भी मौत** - घटना के समय मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को जानकारी दी। इमरजेंसी सर्विस के नतलादी ने कहा- सूचना मिलते ही हम मौके पर पहुंचे। कर्मचारी आग बुझा ही रहे थे कि दूसरा धमाका हो गया। इस धमाके में दमकल की एक गाड़ी और दो कारें तबाह हो गईं। हादसे में 10 लोग मारे गए, इनमें से 2 दमकल कर्मचारी थे।

**मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है** - एक पुलिस ऑफिसर ने कहा कि दो तेज धमाके हुए। दूसरा तब हुआ जब लोग मदद के लिए ब्रिज के पास पहुंचे। 40 लोग घायल हुए। इनमें से । 19 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसलिए हमारा मानना है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

# पाक पीएम के भगोड़े बेटे को मिली अंतरिम जमानत, 2018 से लंदन में रह रहा था

**इस्लामाबाद।** किस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे सुलेमान शहबाज को लाहौर की अदालत ने अंतरिम जमानत दे दी है। मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुलेमान को भगोड़ा घोषित किया गया था। कोर्ट ने सुलेमान को जांच में सहयोग की शर्त पर अतंरिम जमानत दी है। इस मामले में अगली सुनवाई सात जनवरी को होगी।

### 11 को लौटा था पाकिस्तान

शहबाज शरीफ का भगोड़ा बेटा सुलेमान शहबाज लंदन में चार साल के स्व-निर्वासन के बाद 11 दिसंबर को स्वदेश लौटा था। उस पर भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं। अदालत ने सुलेमान को सरेंडर के लिए 13 दिसंबर से पहले तक का समय दिया था।

### 2018 से लंदन में था सुलेमान

सुलेमान 2018 से अपने परिवार के साथ लंदन में था, जब राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एफआईए) ने आम चुनाव से पहले उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए थे। कुछ सुनवाई में उपस्थित होने के बाद उसने पाकिस्तान छोड़ दिया था। वहीं अपनी वापसी से पहले, सुलेमान ने एक बयान में कहा कि उनके और उनके परिवार के खिलाफ नए राजनीतिक आदेश की सुविधा के

लिए फर्जी और हेरफेर के मामले दर्ज किए जाने के बाद उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए पाकिस्तान छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था।

### 16 अरब रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

सुलेमान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। हालांकि, अदालत को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में कहा था कि वारंट पर अमल नहीं हो सका क्योंकि सुलेमान अपने पते पर मौजूद नहीं था और विदेश चला गया था। लोअर कोर्ट ने इस साल जुलाई में 16 अरब रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक अन्य संदिग्ध के साथ सुलेमान को भगोड़ा अपराधी भी घोषित किया था।

# अमेरिका में कुछ गैर-अप्रवासी वीजा श्रेणियों के लिए साक्षात्कार छूट बढ़ी, भारतीय युवाओं को मिलेगा लाभ

**वाशिंगटन।** अमेरिका में कुछ गैर-अप्रवासी वीजा आवेदकों के लिए साक्षात्कार छूट की सुविधा बढ़ा दी गई है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह घोषणा करते हुए यह भी कहा कि वह गैर-अप्रवासी यात्रा को सुविधाजनक बनाने और वीजा की प्रतीक्षा अवधि को घटाने के लिए प्रतिबद्ध है। साक्षात्कार छूट सुविधा का विस्तार गृह सुरक्षा विभाग की सहमति से किया गया है।

नई घोषणा के मुताबिक, पूर्व वीजा की समाप्ति के 48 महीनों के भीतर उसी वर्गीकरण में वीजा का नवीवीकरण कराने वाले आवेदकों के लिए इन-पर्सन को माफ करने के मकसद से प्राधिकरण को अगली सूचना तक विस्तार करने के लिए कहा गया है। इस फैसले से कई भारतीयों समेत विदेशी कामगारों को लाभ मिलेगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि कुछ गैर-

अप्रवासी वीजा श्रेणियों के लिए साक्षात्कार की छूट देकर उसे माफ करने तक का हमने संकल्प लिया है। वीजा श्रेणियों में अस्थायी कृषि और गैर-कृषि श्रमिक (एच-2 वीजा), छात्र (एफ और एम वीजा), अकादमिक विनिमय आगंतुक (शैक्षणिक जे वीजा), और गैर-अनुमोदित व्यक्तिगत याचिकाओं के कुछ लाभार्थी शामिल हैं। साक्षात्कार में छूट देने वाले अधिकारियों ने कई दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में वीजा प्रतीक्षा अवधि को भी कम कर दिया है। अब सक्षात्कार की जरूरत वाले अन्य आवेदकों के लिए निजी रूप से की जाने वाली नियुक्तियों में काफी आसानी हो सकेगी।

### वीजा की प्रतीक्षा अवधि को घटाने की कोशिश

वित्तीय वर्ष 2022 में विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किए गए करीब 70 लाख गैर-आप्रवासी वीजा में से करीब आधे को व्यक्तिगत साक्षात्कार के बिना ही न्यायसंगत ठहराया गया है। मंत्रालय ने बताया कि हम महामारी के दौर के बाद भी दुनियाभर में वीजा प्रतीक्षा समय को कम कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि जितनी जल्दी हो सके प्रतीक्षा अवधि को घटाने की हर संभव कोशिश करें। इसमें पहली बार लिया जाने वाला पर्यटक वीजा आवेदन भी शामिल है। हालांकि स्थानीय स्थितियों के आधार पर दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को अपने अपने स्तर पर व्यक्तिगत साक्षात्कार की जरूरत पड़ सकती है।

अमेरिका में वीजा के लिए कई कोशिशों के बावजूद प्रतीक्षा अवधि अभी अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई है। हालांकि इस बाबत विदेश मंत्रालय ने संबंधित विभागों से आग्रह भी किया है।

# कोरोना के कोहराम के बीच चीन ने ठुकरा दी अमेरिकी पेशकश, विदेश से वैक्सीन नहीं लेगें जिनपिंग

**बीजिंग।** चीन ने अमेरिका में बने एमआरएनए वैक्सीन्स के बजाय अपने देश में निर्मित कोविड-19 टीकों का ही इस्तेमाल करते रहने का फैसला किया है। इस बारे में चीन सरकार की दो टूक घोषणा के साथ इन अटकलों पर विराम लग गया कि चीन मॉडेरना और फाइजर-बायोएनटेक कंपनियों के वैक्सीन का आयात करने पर विचार कर रहा है। जीरो-कोविड नीति खत्म करने के बाद चीन में कोरोना संक्रमण की आई जोरदार लहर के बीच पश्चिमी देशों ने चीन को एमआरएनए वैक्सीनों का इस्तेमाल करने की सलाह दी थी। लेकिन चीन ने उसे स्वीकार नहीं किया है।

चीन में इस समय आई लहर कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वैरिएंट के एक सब-वैरिएंट के कारण फैली है। चीनी अधिकारियों का कहना है कि ये सब-वैरिएंट जानलेवा नहीं है। बल्कि यह आम फ्लू जैसा है, जिसके संक्रमण से मृत्यु दर निम्न स्तर पर बनी हुई है।

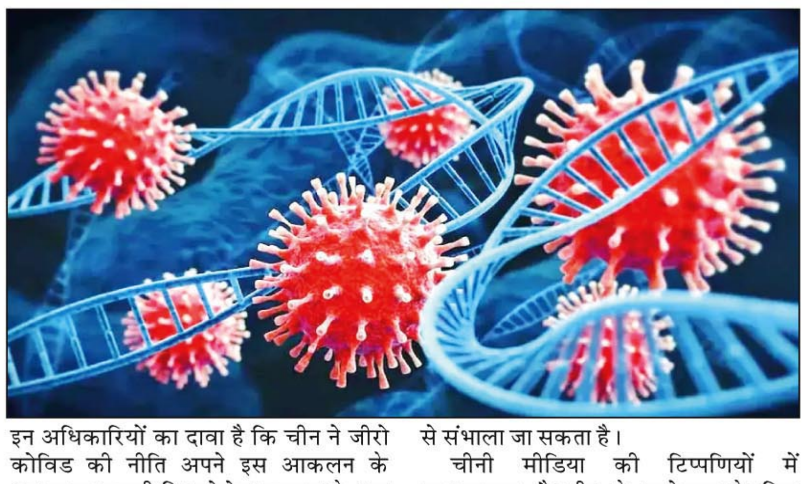

इन अधिकारियों का दावा है कि चीन ने जीरो कोविड की नीति अपने इस आकलन के आधार पर बदली कि कोरोना वायरस के अब प्रचलित सब वैरिएंट पहले जितने खतरनाक नहीं हैं, इसलिए इनसे फैली लहर को आसानी से संभाला जा सकता है।

चीनी मीडिया की टिप्पणियों में एमआरएनए वैक्सीन के इस्तेमाल के लिए पश्चिमी देशों से दी जा रही सलाह को अपनी कंपनियों को बाजार दिलवाने की कोशिश में रूप में पेश किया गया है। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को अमेरिका ने एमआरएनए वैक्सीन चीन को देने की औपचारिक पेशकश की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा था- 'हम दुनिया भर में कोविड-19 वैक्सीन के सबसे बड़े अनुदान दाता हैं। हम चीन सहित सभी देशों के लिए यह सुविधा जारी रखने को तैयार हैं।' इस बीच यह खबर भी आई कि जर्मनी ने चीन में मौजूद अपने नागरिकों के लिए बायोएनटेक कंपनी के एमआरएनए वैक्सीन भेजने का फैसला किया है। यह एलान खुद बीजिंग स्थित जर्मन राजदूत ने किया।

इस बीच चीनी स्तंभकारों ने संदेह जताया कि अमेरिका की पेशकश के पीछे उसका स्वार्थी एजेंडा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इसके जरिए अपनी टीका उत्पादक कंपनियों को चीन और अन्य देशों का बाजार मुहैया कराने की कोशिश कर रहा है। कुछ चीनी टिप्पणियों में इसे वैक्सीन कूटनीति में चीन पर अमेरिका को बढ़त दिलाने की कोशिश के रूप में देखा गया।

उधर चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से जब पूछा गया कि क्या चीन अमेरिका की पेशकश को स्वीकार करेगा, तो इस पर उनका जवाब था- 'हम अपने वैक्सीन पर भरोसा करेंगे। पूरे चीन में बूस्टर टीके लगाए जा रहे हैं। देश में मोटे तौर पर मांग के मुताबिक दवाएं और टेस्ट किट उपलब्ध हैं। हमें यकीन है कि देश की जनता की एकता और सघन प्रयासों से चीन मौजूदा आर्थिक और सामाजिक संकल्प के नए दौर में प्रवेश करेगा। चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 13 दिसंबर तक देश की एक अरब 40 करोड़ आबादी में से 90.4 प्रतिशत का टीकाकरण हो चुका था। 57.9 प्रतिशत आबादी को बूस्टर डोज लग चुके थे। अब पर्यवेक्षकों की नजर इस पर है कि अपने टीकों के भरोसे क्या चीन मौतों की संख्या कम रखते हुए कोरोना संक्रमण की ताजा लहर से निकल पाता है।

# गहलोत की पूरी सरकार ही लीक हो रही है : राजेंद्र राठौड़

**झुंझुनू ( हिंस )।** विधानसभा में प्रतिपक्ष के उप नेता राजेंद्र राठौड़ ने पेपर लीक मामले में कांग्रेस की गहलोत को घेरा है। उन्होंने कहा जहां सरकार लीक हो वहा पेपर लीक होना कोई बड़ी बात नही है। भारत जोड़ो यात्रा का सहयात्री अगर पेपर लीक करने का सरगना हो तो बाकी यात्रियों का क्या हाल होगा। गहलोत सरकार के मौजूदा कार्यकाल में यह 18 वां पेपर है जो लीक हुआ है। यह पूरी सरकार लीक हो चुकी है। राठौड़ आज झुंझुनू जिले के मण्डावा में आयोजित जन आक्रोश यात्रा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं होने से प्रदेश में कानून व्यवस्था फेल हो चुकी है। महिलाओं पर खुलेआम अत्याचार हो रहे हैं और दिनदहाड़े हत्या भी हो रही है। युवाओं के साथ धोखा किया जा रहा है। इस दौरान मणवासे कांग्रेस विधायक रीटा चैधरी पर हमला बोलते हुए उन्होने कहा कि यहा की विधायक वोटों की राजनीति के लिए राय माता मंदिर की जमीन पर कब्जा करवाने का प्रयास कर रही है। कर्मचारियों को डराया धमकाया जा रहा है, तबादला करने के लिए रुपयों की बोली लगाई जा रही है। लेकिन परिस्थिति बदलते समय नहीं लगता है। इस विधानसभा क्षेत्र में बड़े-बड़े बरगद के पेड़ धराशाई होते देखे है। परिस्थिति बदल रही है इनकी विदाई का समय आ गया है इस दौरान जिला अध्यक्ष पवन मावंडिया, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया, सुशीला सीगढ़ा, विधानसभा यात्रा प्रभारी मधु कुमावत दिनेश धाभाई, मंडावा मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, गोपाल देवड़ा, हनुमान नेमीवाल सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## उग्रवादियों के रूप में जबरन वसूली करने वाले दो गिरफ्तार

**श्रीनगर ( हिंस )।** पुलिस ने दो जबरन वसूली करने वालों को गिरफ्तार करने का दावा किया है जो मध्य कश्मीर के श्रीनगर जिले में दुकानदारों से पैसे ऐंठने के लिए आतंकवादियों के रूप में काम कर रहे थे। श्रीनगर पुलिस ने एक ट्वीट में लिखा कि खुशीपोरा के मोहम्मद यूनुस जरगर और नाटीपोरा के मोहम्मद रफीक भट्ट नाम के दो जबरन वसूली करने वाले गिरफ्तार किए गए हैं। वे धन हेंठने के लिए दुकानदारों को फर्जी धमकी भरे पत्र जारी कर रहे थे जो आभासी संख्या का उपयोग करके उग्रवादी होने का नाटक कर रहे थे। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी संख्या 92/2022 यू एस 120बीए 383 और 506 आईपीसी की धारा के तहत पुलिस स्टेशन शेरगारी में मामला दर्ज किया है।

## पेपर लीक प्रकरण : सात युवतियों को दो दिन, शेष 48 को पांच दिन रिमांड के आदेश

**उदयपुर ( हिंस )।** आरपीएससी की सेकंड ग्रेड शिक्षक भर्ती के सामान्य ज्ञान पेपर लीक प्रकरण में रविवार सुबह पुलिस ने सभी 55 आरोपितों को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। मजिस्ट्रेट ने 7 महिला आरोपितों को 2 दिन और अन्य 48 आरोपियों को 5 दिन के पुलिस रिमांड के आदेश दिए। उदयपुर एसपी विकास शर्मा ने बताया कि पेपर लीक मामले में शनिवार देर रात तक आरोपितों से पूछताछ के बाद लिखित कार्रवाई पूरी की गई। रविवार सुबह मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। रिमांड में अभ्यर्थियों से कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए सवाल पूछे जाएंगे कि उन्होंने पेपर के लिए सबसे पहले किससे बात की और कौन उनको इस बारे में सब कुछ बता रहा था? अब तक उदयपुर पुलिस की पकड़ में आए सुरेश विश्नोई और भजनलाल को भी आमने-सामने बिठाकर लंबी पूछताछ होगी। सुरेश ढाका और भूपेंद्र की तलाश की जा रही है। उदयपुर से भी जालोर और जयपुर के लिए टीमें रवाना की गई, जो लगातार दबिश दे रही हैं। शनिवार शाम को आरपीएससी की फुल कमीशन बैठक में अभ्यर्थियों को भविष्य की सभी परीक्षाओं से डिबार कर दिया गया है। पेपर लीक मामले में 4 सरकारी कर्मचारियों में प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार, वरिष्ठ शिक्षक रावताराम, कनिष्ठ सहायक पुखराज और सेकंड ग्रेड टीचर भागीरथ को निलंबित किया गया है। गौरतलब है कि शनिवार को सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा से पहले इन अभ्यर्थियों को सिरोही के रास्ते ले जाया गया और वापस बस में पेपर सॉल्व कराते हुए उदयपुर लाया जा रहा था। नाकाबंदी के दौरान पकड़े जाने के बाद पेपर के प्रश्न हूबहू होने पर पर्चा आउट माना गया और परीक्षा को निरस्त कर दिया गया। पकड़े गए अभ्यर्थियों में दो एमबीबीएस सहित कुल 55 गिरफ्तार किए गए हैं। यह सभी राजस्थान के जालोर और जोधपुर जिले के रहने वाले हैं। इन अभ्यर्थियों ने किसी ने 10 लाख तो किसी ने 15 लाख रुपए में सौदा किया था।

## अब ऑनलाइन बनेंगे राशन कार्ड

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सुशासन दिवस के अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में नागरिक केंद्रित सेवाएं और कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ कर दिया। इससे राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया सरल और आसान हो जाएगी। अब आवेदकों को अपने बीपीएल/एएवाई राशन कार्ड बनवाने के लिए विभिन्न विभागों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि परिवार पहचान पत्र के माध्यम से बिना आवेदन किये ही ऑटोमेटिक ढंग से पात्र परिवारों को बीपीएल का पीला राशन कार्ड ऑनलाइन मिल जाएगा। अंत्योदय/बीपीएल परिवारों का चयन स्वत: उनकी वार्षिक आय के अनुसार होगा और उनके राशन कार्ड ऑनलाइन अपने आप बनेंगे। लाभार्थियों को राशन कार्ड डाउनलोड करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। वे अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर या अटल सेवा केंद्र या ई-दिशा आदि से या स्वयं भी अपना राशन कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। हरियाणा में इस समय 30.38 लाख बीपीएल हैं। हरियाणा सरकार सरकारी कॉलेजों के अंतिम वर्ष में पढ़ने वाले छात्रों को पासपोर्ट जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा लिए गए शुल्क की प्रतिपूर्ति करती है। पासपोर्ट का खर्चा हरियाणा सरकार वहन करेगी। छात्र पासपोर्ट शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए उच्च शिक्षा पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। राजस्व विभाग ने प्रदेशभर की सभी 143 तहसीलों/उप-तहसीलों में वेब-हैलरिस प्रणाली का उपयोग करते हुए भूमि अभिलेख प्रबंधन कार्यों का कंप्यूटरीकरण किया है। इसके बावजूद किसान को जमाबंदी के प्रिंट को पटवारी से सत्यापित करवाना पड़ता है जिससे उसे असुविधा का सामना करना पड़ता है। परंतु अब किसान जमाबंदी की डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त फर्द पोर्टल से प्राप्त कर सकेंगे। जमाबंदी की यह प्रति कानूनी रूप से मान्य होगी।

## पीड़ित बालिकाओं, महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर सेवारत : अंशु जैन

**सोनीपत ( हिंस )।** महिला एवं बाल विकास विभाग से परियोजना अधिकारी गीता गहलावत ने कहा कि पीड़ित बालिकओं, महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर 24 घंटे अपनी सेवाएं देते हैं। वे राजकीय प्रौद्योगिकी संस्थान तथा नरेंद्र नगर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में लिंग संवेदीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने बेटियों की रक्षा तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आपकी बेटी हमारी-बेटी जैसी योजनाओं के अलावा के अलावा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बेटी के जन्म पर कूआं पूजन, गोद भराई आदि कार्यक्रमों की शुरुआत की है।

हमारी बेटियां शिक्षा, खेल सहित हर क्षेत्र में कामयाब होकर अपने परिजनों का नाम रोशन कर रही हैं, समाज का हर नागरिक बेटी और बेटों को समान अधिकार व सुविधा प्रदान करें। महिलाओं को अपराधों से न्याय दिलाने की कोशिश की जाती है। पीड़िताओं को सेंटर में ठहरने व भोजन की सुविधा मिलती है। गंभीर अपराधों की शिकार महिलाओं को सेंटर के माध्यम से संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। महिला हैल्पलाईन-181 पर कॉल करके बहन-बेटियां मदद ले सकती हैं। वन स्टोप सेंटर की प्रशासक अंशु जैन ने बताया कि महिला हैल्पलाईन तथा वन स्टोप सेंटर(सखी) 24 घंटे व सातों दिन महिलाओं-बालिकाओं की सहायता के लिए उपलब्ध है। राजकीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्राचार्य डॉ. अनिल सहरावत शिक्षक तथा 150 महिला व छात्राएं उपस्थित रहे।

## इनेलो और कांग्रेस इतिहास बन चुके हैं, अब कोई भविष्य नहीं : कुलदीप बिश्नोई

### कांग्रेस को बचाने के लिए निकाली जा रही है भारत जोड़ो यात्रा

**फतेहाबाद ( हिंस )।** आदमपुर के पूर्व विधायक व वरिष्ठ भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अब हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कोई भविष्य नहीं है और लोग भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सच्चाई को जान चुके हैं। कुलदीप बिश्नोई रविवार को गांव रत्ताखेड़ा में नवनिर्वाचित सरपंच अरविंद सिहाग द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस कार्यक्रम में रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा व विभिन्न गांवों के पंच व सरपंच भी पहुंचे हुए थे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर टिप्पणी करते हुए कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि कांग्रेस में बचे हुए लोगों को बचाने के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है। राहुल गांधी की भारत छोड़ो यात्रा के बारे में कहना चाहूंगा कि कांग्रेस को भारत देश को जोड़ने की बजाय सरकार का साथ देकर देश को जोड़ने का काम करना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस और भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कोई भविष्य नहीं है। पहले भी भूपेंद्र सिंह हुड्डा की वजह से लोग कांग्रेस से बाहर हुए और कांग्रेस छोड़कर गए, अब एक बार फिर से कांग्रेस द्वारा भूपेंद्र सिंह हुड्डा के चेहरे को आगे किया जा रहा है। उनकी भू-माफिया और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के प्रवृति के कारण लोगों का कांग्रेस से मोहभंग हो रहा है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने के बाद दोनों राजनीतिक पार्टी में अंतर बताते हुए कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि भाजपा एक ऑर्गनाइजेशन के तौर पर सिस्टमैटिक ढंग से काम करती है। बेटे भव्य बिश्नोई के मंत्री बनाए जाने को लेकर कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि इस सवाल का जवाब मुख्यमंत्री मनोहर लाल ही दे सकते हैं। हमारी प्राथमिकता आदमपुर और हिसार क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाना है। इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला द्वारा हरियाणा में इनेलो की सरकार बनाने के दावे पर कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि इनेलो और कांग्रेस इतिहास बन चुके हैं और उनका अब कोई भविष्य नहीं है। बिश्नोई ने कहा कि आदमपुर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने एंट्री मारी थी, लेकिन एंट्री करने से पहले ही जनता ने उन्हें खदेड़ दिया। इस मौके पर सरपंच अरविंद सिहाग, पंचायत समिति वाइस चेयरमैन अवतार सिंह, पृथ्वी राम सिहाग, सुरेंद्र, पवन, राजेश भांभू, चंद्रमोहन, भूपेंद्र गोदारा, कृष्ण गोदारा, देवेंद्र ग्रोवर, रामस्वरूप बेनीवाल, जसविंदर शर्मा, सुरेंद्र पाल जादूदा, दिनेश भारती, दिलीप आदि मौजूद थे।

## पंजाब पुलिस ने दस किलो हेरोइन व एक ड्रोन बरामद किया, दो तस्कर पकड़े

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब पुलिस ने सीमावर्ती जिला अमृतसर से दो तस्करों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से दस किलो हेरोइन तथा एक अत्याधुनिक ड्रोन बरामद किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि गिरफ्तार किए गए तस्कर दलबीर और जगदीश अमृतसर के घरिंडा के निवासी हैं। दोनों पिछले तीन सालों से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त थे, लेकिन उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। डीजीपी ने कहा कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एसएसपी स्वपन शर्मा के नेतृत्व में एक खुफिया अभियान चलाकर इस ड्रग तस्करी का भंडाफोड़ किया गया है। यह गिरोह सीमा पार से ड्रोन के जरिए मादक पदार्थ मंगवाकर हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित राज्यों में तस्करी कर रहा था। उन्होंने कहा कि तस्करों के पास से बरामद अत्याधुनिक ड्रोन यूएसए निर्मित है।

## राज्यपाल मिश्र ने पूर्व पीएम अटलबिहारी वाजपेयी को किए श्रद्धासुमन अर्पित

**जयपुर ( हिंस )।** राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को राजभवन में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। मिश्र ने स्वर्गीय वाजपेयी को स्मरण करते हुए कहा कि राष्ट्रवाद के प्रणेता अटल ने शासन में पारदर्शिता के साथ जन- कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करने के उच्च आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कहा कि उनकी स्मृति में आज का दिन प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में इसलिए मनाया जाता है कि इसके जरिए हम उनके उच्चादर्शों को आत्मसात करते हुए कार्य कर सकें। मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में वाजपेयी ने राष्ट्र विकास की जो महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रारंभ की उनकी नींव पर ही भारत फिर से विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर हो सकता है। उन्होंने इस अवसर पर स्वर्गीय वाजपेयी द्वारा स्थापित संसदीय परंपराओं, संस्कृति और साहित्य की संवेदनशीलता से जुड़े उनके व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

## पश्चिमी संस्कृति से आपत्ति नहीं, पर अपनी जड़ों को न भूलें : ज्ञानानंद महाराज

**पंचकूला ( हिंस )।** महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज ने कहा कि हमारे देश का युवा पश्चिमी सभ्यता की नकल कर रहा है और पश्चिम वाले भारतीय सभ्यता और संस्कृति को सर्वोपरि मानकर स्वीकार कर रहे हैं। कई बार बड़ा आश्चर्य होता है विदेशियों को देख कर जब वह लोग भारतीय परिधानों को पहनकर भारत भ्रमण करने आते हैं। गीता मनीषी महाराज रविवार को पंचकूला में अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की हरियाणा इकाई द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अग्र महाकुंभ को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पांच नदियों के जल से भगवान अग्रसेन का जलाभिषेक किया गया। स्वामी मनीषी ने कहा कि हमें पश्चिमी सभ्यता से कोई आपत्ति नहीं लेकिन हमें भारतीय संस्कृति को भूलना नहीं चाहिए और अपनी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देकर देश को सोने का शेर बनाएंगे। इस अवसर पर विशेष रूप से पहुंचे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक प्रेम जी गोयल ने संगठन में शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि संगठित रहने में ही समाज में मजबूती मिलती है। अग्र समाज के लोगों को चाहिए कि इस तरह के कार्यक्रमों में बच्चों व परिजनों को भी शामिल करें। जिससे उन्हें अपने पूर्वजों के बारे में जानकारी मिल सके। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक वेद प्रताप वैदिक ने कहा कि इस तरह के आयोजनों का दायरा विशाल होना चाहिए। राजनीति से ऊपर उठकर सभी को अपने समाज के लिए एकजुट होना चाहिए। इस अवसर पर हरियाणा संरक्षक वेद प्रकाश गर्ग, राष्ट्रीय कवि संगम के उत्तर भारत के प्रभारी सुरेंद्र सिंगला, अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष सुरेश गर्ग, प्रदेश प्रवक्ता मनोज अग्रवाल, चंडीगढ़ नगर निगम के उपमहापौर विनोद अग्रवाल, हरियाणा गौ सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन भानी राम मंगला समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

## गन्ने के रेट बढ़ाने की मांग को लेकर शुगर मिल के बाहर किया प्रदर्शन

**कैथल ( हिंस )।** रविवार को कैथल शुगर मिल के बाहर भारतीय किसान सभा ने प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम एमडी शुगर मिल को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान महेंद्र सिंह ने मांग की कि गन्ने की फसल का रेट बढ़ाकर 450 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए। मिल में गन्ना डालने वाले किसानों को पहले की भांति चीनी देने की सुविधा दोबारा शुरू की जाए। किसानों को गन्ने का भुगतान समय पर किया जाए। 14 दिन में भुगतान न होने की स्थिति में ब्याज सहित भुगतान किया जाए। गन्ना किसानों को उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध करवाए। प्रकृतिक आपदा व बीमारी की स्थिति में फसल बर्बाद होने पर सरकार किसानों को मुआवजा दे। सभी शुगर मिलों में किसानों के रुकने की पर्याप्त व्यवस्था करते हुए साफ शौचालयों का निर्माण किया जाए। प्राइवेट शुगर मिल के किसानों के बकाया का तुरंत प्रभाव से भुगतान करवाया जाए। किसान सभा गन्ने के आंदोलन को पूरे राज्य में फैलाएगी। प्रदर्शन में मुख्य रूप से रिटायर्ड कर्मचारी नेता अशोक शर्मा, बलवंत राय धनौरी, जयपाल फौजी प्योदा, अभे राम कसान, मियां सिंह सौंगरी, महेंद्र सिंह कोच, रणधीर सिंह ढूंढवा, रमेश देवबंन, मामचंद खेड़ी सिंबल, शमशेर सिंह तितरम व चंद्रभान ने हिस्सा लिया।

## हरियाणा के सिख गुरुद्वारों को संभालने के लिए पूरी तरह से सक्षम : भूपेंद्र सिंह

**जींद ( हिंस )।** हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एडहॉक) के सीनियर उप प्रधान भूपेंद्र सिंह असंध ने जगदीश झिंडा के समांतर कमेटी के बयान पर कहा कि इस समय जो कमेटी बनी है वो पूर्ण रूप से कानूनी तरीके से बनी है। जगदीश झिंडा उनके बड़े भाई की तरह हैं और वो उन्हें भी कमेटी के साथ चलने के लिए कहेंगे। अगले छह माह में कमेटी द्वारा गुरुद्वारों के प्रबंधन को लेकर बेहतरीन तरीके से काम किया जाएगा। क्योंकि पूरी कमेटी काम करने वाली है और कमेटी का हर एक सदस्य गुरूघर के लिए कुछ भी करने को तैयार है। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एडहॉक) के सीनियर उप प्रधान भूपेंद्र सिंह असंध रविवार को गुरुद्वारा तेग बहादुर साहिब में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा गुरूतेग बहादुर के पास 800 एकड़ जमीन है लेकिन गुरुद्वारा की बिल्डिंग ऐसी नहीं बनी है जैसी बननी चाहिए थी। जबकि इससे पहले शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी गुरुद्वारा को देखती थी जिसने कभी गुरुद्वारा के लिए कुछ खास नहीं किया। वो प्रयास करेंगे कि गुरुद्वारा की बिल्डिंग फिर से भव्य तरीके से बनाई जाए। इस कार्य में हर किसी को सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के गुरुद्वारों का बजट अब हरियाणा के गुरुद्वारों पर ही खर्च किया जाएगा। प्रदेश के जितने भी गुरुद्वारों को जो भी जरूरत होगी उसे कमेटी द्वारा पूरा किया जाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने बड़ी सूझबूझ से काम लिया और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की कमेटी बनवाई है। इस कमेटी में जितने भी सदस्य शामिल किए गए वो सभी अमृतधारी हैं लेकिन कुछ लोगों का बयान आ जाता है कि कमेटी में कोई भी अमृतधारी नहीं है। जबकि कमेटी में पांच सदस्य तो वही शामिल किए गए हैं जो शुरू से ही हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लिए काम कर रहे हैं। आज जो लोग इस कमेटी को सरकारी कमेटी बता रहे हैं वो उन्हें बताना चाहते हैं कि हर कमेटी इसी तरह बनाई जाती है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी भी इसी तरह बनी है और उसी तर्ज पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बनी है।

## प्रदेशभर के बेरोजगार 28 को सरकार के खिलाफ देंगे धरना

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ की ओर से 28 अक्तूबर से प्रदेशभर के बेरोजगार जयपुर के शहीद स्मारक पर सरकार के खिलाफ धरना देंगे। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि प्रदेश में हर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है। लेकिन शासन और प्रशासन आंख मूंद बैठा है। जिसकी वजह से लाखों युवाओं का भविष्य खतरे में आ गया है। ऐसे में गूंगी बहरी सरकार को जगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सहित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए 28 अक्तूबर को जयपुर में आंदोलन की शुरुआत करेंगे। अगर सरकार ने इस बार भी उनकी बात नहीं मानी।

## धर्मांतरण के खिलाफ बलिदान करने वालों को की पुष्पांजलि अर्पित

**सोनीपत ( हिंस )।** जबरन धर्मांतरण के खिलाफ अपना बलिदान देने वाले गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों फतेह सिंह एवं जोरावर सिंह को नमन करने के साथ-साथ उनके संस्कार के लिए 75 हजार स्वर्ण मुद्राएं देकर जमीन लेने वाले दीवान टोडर मल जैन को भी पुष्पांजलि अर्पित की गई। गीता भवन स्थित गुरुद्वारे में हरियाणा प्रदेश वैश्य सम्मेलन की पहल पर विभिन्न वैश्य संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाई विजय सिंह वीर एवं सरबजीत सिंह के कीर्तन के माध्यम से सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह परिवार के बलिदान को याद किया गया। इसमें विशेषकर फतेह सिंह ने 9 वर्ष की उम्र में तथा जोरावर सिंह ने 6 वर्ष की उम्र में धर्म परिवर्तन करने की बजाय दीवार में जिंदा चिन्ना स्वीकार किया जो आज लालच एवं स्वार्थ मय धर्म परिवर्तन करने वालों के लिए प्रेरणा है। यही मिसाल मुगलों के भय के सामने घुटने टेकने की बजाए दीवान टोडर मल जैन ने पेश की। गुरुद्वारों में उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखें इन महान बलिदानों की गाथा सुनकर आंखें नम हो गई। सिख समाज प्रधानमंत्री मोदी का भी वीर बाल दिवस घोषित करने का भार व्यक्त करता है। सभी ने कार्यक्रम के बाद सामूहिक रूप से गुरु का अटूट लंगर ग्रहण किया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री कविता जैन, पार्षद सरदार मंजीत सिंह, परमजीत सिंह, मोहन सिंह मनोचा, मंजीत सिंह ढिल्लों, रविंद्र सिंह, अनिल गुप्ता, जगदीश जैन, नवीन मंगला, पवन गुप्ता, नितिन जैन, अतुल जैन, पवन जैन, राजेंद्र गोयल, पुरुषोत्तम शर्मा, डॉ अनिल जैन, रवि जैन, मनीष जैन, रेखा गर्ग, अर्जुन सिंह, गुरजीत सिंह, चरणजीत सिंह काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

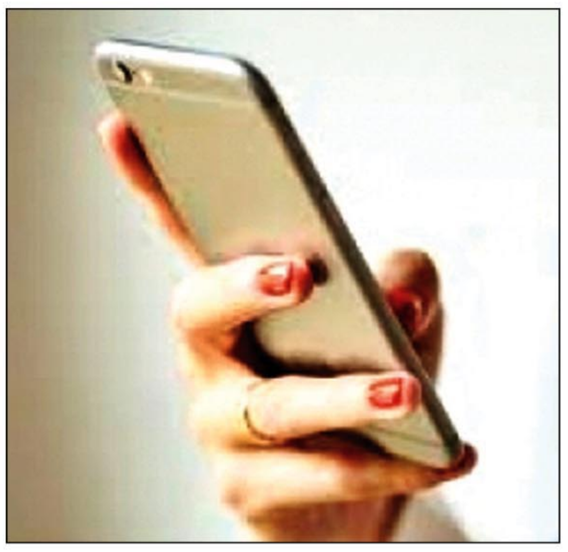

# वैश्विक कारकों के चलते भारत के स्मार्टफोन बाजार में मामूली वृद्धि की संभावना

**नई दिल्ली।**

भारतीय स्मार्टफोन बाजार जो पहले वैश्विक कारकों से जूझ रहा था, इसमें 2023 में मामूली वृद्धि की संभावना है। भारत में वर्तमान में 600 मिलियन से अधिक स्मार्टफोन यूजर्स हैं। यह संख्या समय के साथ बढ़ने की उम्मीद है। दरअलस, अधिक फीचर फोन यूजर्स स्मार्टफोन में माइग्रेट कर रहे हैं।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, इन यूजर्स की रिप्लेसमेंट डिमांड 2023 और उसके बाद बाजार को आगे बढ़ाएगी।

शोध विश्लेषक अंकित मल्होत्रा ने बताया, 2022 में भारत में स्मार्टफोन का लगभग एक तिहाई हिस्सा 5जी का था। अगले साल करीब 50 फीसदी स्मार्टफोन 5जी होंगे। रिलांयस जियो और भारती एयरटेल की बदौलत 5जी नेटवर्क कई शहरों में लाइव हो गए हैं।

5जी भारतीय यूजर्स की विश लिस्ट में उच्च स्थान पर रहा है और अब 5जी नेटवर्क उपलब्ध होने के साथ, कई कंज्यूमर 2023 में अपने 4जी स्मार्टफोन को बदल देंगे।

स्मार्टफोन की सरकारी खरीद से बिक्री भी बढ़ेगी, राजस्थान ने पहले ही 2023 में महिलाओं के बीच स्मार्टफोन के अधिग्रहण और वितरण के लिए एक टेंडर निकाला है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, हम यह भी उम्मीद करते हैं कि अगले साल महंगाई का मैक्रो माहौल बेहतर हो जाएगा। इसलिए, जिन उपभोक्ताओं ने 2022 में नया फोन खरीदना पोस्टपोन कर दिया था, वे 2023 में नया फोन खरीद सकेंगे।

2022 में गिरावट के बावजूद, भारत का स्मार्टफोन बाजार बेहतर बना रहा है और कई अन्य क्षेत्रों की तुलना में शानदार प्रदर्शन किया है।

इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स के अनुसार, एक बड़ा स्थापित आधार, फीचर फोन-टू-स्मार्टफोन माइग्रेशन, लोकल स्मार्टफोन प्रोडक्शन, सप्लाई चेन का विकास और नए उपयोग के मामलों के उभरने से बाजार में वृद्धि जारी रहेगी।

कोविड-हिट 2020 को छोड़कर पिछले पांच वर्षों में भारतीय बाजार में लगातार वृद्धि देखी गई है। बाजार 2023 में 10 प्रतिशत बढ़कर 175 मिलियन यूनिट तक पहुंचने का अनुमान है।

बाजार 2022 में अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहा और वर्ष की शुरूआत घटक की कमी के साथ हुई।

लेकिन 2022 की पहली छमाही तक आपूर्ति पक्ष पर स्थिति के हल होने के बावजूद, उपभोक्ता मांग में अपेक्षा के अनुरूप सुधार नहीं हुआ।

कमजोर मांग विशेष रूप से प्रवेश और मध्य-स्तर के मूल्य बैंड में कंपोनेंट्स कीमतों में वृद्धि और मुद्रास्फीति के मैक्रो एनवायरनमेंट के कारण खुदरा कीमतों में वृद्धि महसूस की गई थी।

सीएमआर हेड-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रभु राम ने बताया कि आने वाले साल में भारत में स्मार्टफोन बाजार लचीला होगा, जो मुख्य रूप से 5जी मार्किट में प्रीमियम के साथ-साथ पैसा वसूल स्मार्टफोन पेशकशों से संचालित होगा।

उन्होंने कहा, सीएमआर को उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में करीब 180 मिलियन स्मार्टफोन भेजे जाएंगे।

राम ने अनुमान लगाया कि चीन में चल रहे कोविड उछाल के कारण कंपोनेंट्स प्रोडक्शन लेवल प्रभावित होता है, तो यह 2023 की पहली छमाही में स्मार्टफोन बाजार के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

## न्यूज ब्रीफ

### अभी बनी रहेगी भारत की कोयले पर निर्भरता

**नई दिल्ली।** भारत ने 2070 तक कार्बन उत्सर्जन का स्तर शून्य करने का लक्ष्य तय किया है। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए देश को कोयले पर अपनी निर्भरता को धीरे-धीरे कम करना है। भारत का कोयला आयात 2014-15 में 212 मिलियन टन के अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच गया था। 2016-17 में यह घटकर 191 मिलियन टन रह गया। हालांकि 2017-18 के बाद से इसमें फिर से बढ़ने की प्रवृत्ति जारी है। उस वर्ष कोयले का आयात बढ़कर 208 मिलियन टन हो गया, जो 2018-19 में 235.35 मिलियन टन और 2019-20 में 248 मिलियन टन हो गया। मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पाटने के लिए भारत कोयले का आयात करता है। सरकार की कोयला आयात नीति के अनुसार आयात को खुले सामान्य लाइसेंस के तहत रखा गया है और उपयोगकर्ता शुल्क का भुगतान पर अपनी पसंद के स्रोत से कोयला खरीदने को स्वतंत्र है। सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत नीति शुरू करने के बाद कोयले के आयात में गिरावट देखी जा रही है। 2020-21 में कोयले का आयात 215 मिलियन टन तक गिर गया और 2021-22 में 29 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि के साथ 208 मिलियन टन हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि पिछले कुछ वित्तीय वर्षों में कोयले के आयात में गिरावट कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा घरेलू उत्पादन में धीरे-धीरे वृद्धि के साथ-साथ आयात में कमी के कारण हुई है।

### अकासा एयर ने यूपी में हवाई सेवा की शुरू

**लखनऊ।** अकासा एयर रविवार से लखनऊ से अपनी हवाई सेवा शुरू कर रही है। इसने लखनऊ से दो उड़ानें शुरु की है, एक बेंगलुरु के लिए और दूसरी मुंबई के लिए। एयरलाइन के अधिकारियों ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और उन्हें पहला प्रतीकात्मक बोर्डिंग पास सौंपा। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई उड़ान योजना से यूपी को व्यापक लाभ मिल रहा है। उन्होंने समाज के सबसे निचले तबके के लोगों को भी हवाई यात्रा करने का सपना देखने दिया है। यूपी में हवाई सेवाओं में सुधार इस बात का अहसास है। अकासा एयर का प्रतिनिधित्व इसके सीईओ विनय दुबे, सह-संस्थापक नीलू खत्री, सह-संस्थापक प्रवीण अय्यर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, मुंबई और बेंगलुरू से जुड़े लखनऊ के साथ वाराणसी को भी इन मार्गों से जोड़ा जाए। अभी प्रदेश में 9 हवाईअड्डे कार्यरत हैं और 75 गंतव्यों को सेवाएं दे रहे हैं।

### पश्चिम बंगाल की छात्र क्रेडिट कार्ड योजना बैंकरों का विश्वास हासिल करने में विफल

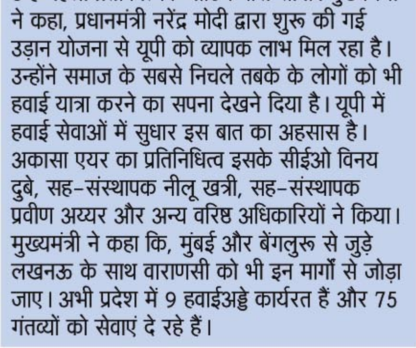


**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड (डब्ल्यूबीएससीसी) योजना, जिसे जून 2021 में बहुत धूमधाम से लॉन्च किया गया था, अभी तक बैंकरों का विश्वास जीतना बाकी है क्योंकि ऋणों का वास्तविक संवितरण इसकी स्थापना के बाद से केवल 17 प्रतिशत आवेदक तक ही पहुंच पाया है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), पश्चिम बंगाल, जिसमें राज्य और राज्य सरकार दोनों में काम करने वाले बैंकरों के प्रतिनिधि शामिल हैं, ने शुक्रवार को आयोजित अपनी नवीनतम बैठक में खुलासा किया कि पिछले साल जून में अपनी स्थापना के बाद से अलग-अलग बैंक डब्ल्यूएसबीसीसी योजना के तहत ऋण के लिए 2,20,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। हालांकि, अब तक योजना के तहत 38,000 से कम आवेदकों को वास्तव में ऋण दिया गया है, जबकि 21,000 आवेदक अंतिम मंजूरी और वितरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। शेष आवेदनों को खारिज कर दिया गया है। एसएलबीसी की लगभग हर बैठक में, समिति में राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार द्वारा गारंटी के समर्थन के बावजूद योजना के तहत ऋण देने में बैंकरों की अनिच्छा के बारे में शिकायत की है। इस योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन करने वाले छात्रों के माता-पिता के आय प्रमाणपत्र के लिए बैंकों द्वारा जोर देने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद नाराजगी व्यक्त की थी।

# 2023 में भारतीय गेमर्स का दिल जीत लेंगे ये पांच मोबाइल गेम्स

**नई दिल्ली।**

**मोबाइल गेमिंग ने इस साल भारत में तूफान ला दिया है, युवाओं, खासकर मिलेनियल्स (26 से 41 साल के उम्र वाले लोग) और जनरेशन जेड (10 से 25 साल के उम्र वाले युवा) में मोबाइल गेम्स की लोकप्रियता बढ़ रही है। गेमिंग और इंटरएक्टिव मीडिया वेंचर कैपिटल फंड लुमिकाई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का गेमिंग बाजार इस साल राजस्व में 2.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो 2027 तक चौगुना बढ़कर 8.6 अरब डॉलर होने की उम्मीद है।**

भारत में गेमर्स की संख्या 507 मिलियन के करीब है, जिनमें से लगभग 120 मिलियन पेड गेमिंग यूजर्स हैं जो कम से कम 20 डॉलर राजस्व के साथ भुगतान करते हैं। 15 बिलियन डाउनलोड के साथ, वित्त वर्ष 22 में भारत मोबाइल गेम्स का दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 48 फीसदी गेमर्स मिड-कोर गेम्स पर पैसा खर्च करते हैं, जबकि भुगतान करने वाले 65 फीसदी गेमर्स ने दावा किया कि उन्होंने कम से कम एक बार इन-ऐप खरीदारी की है।

भारतीय प्रति सप्ताह औसतन 8.5 घंटे मोबाइल गेम्स पर खर्च कर रहे हैं।

तीन बड़े ट्रेंड्स - मोबाइल गेमिंग इंडस्ट्री को बेहतर गेमप्ले, ग्राफिक्स में सुधार और नए मुद्रीकरण मॉडल के तौर पर बदल रहे हैं।

जैसे-जैसे गेमिंग कम्यूनिटी भारत में एक रोलरकोस्टर की तरह बढ़ रहा है, डेवलपर्स गेमर्स को बेहतर अनुभव दिलाने के लिए नए गेम पेश करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

### 1. कॉल ऑफ ड्यूटीः वारजोन मोबाइल -

कॉल ऑफ ड्यूटी: गेमिंग कंपनी एक्टिविजन पब्लिशिंग से वारजोन मोबाइल बैटल रॉयल मोबाइल गेम अनुभव के साथ एक शूटिंग गेम है। गेम मोबाइल पर एक मैच में अधिकतम 120 लाइव खिलाड़ियों की अनुमति देगा। यह कॉल ऑफ ड्यूटी फ्रैंचाइजी का अगला दौर है।

यह गेम आईओएस और एंड्रॉइड डिवाइस दोनों पर उपलब्ध होगा और इसके अगले साल रिलीज होने की उम्मीद है। हालांकि, गेम के लिए प्री-रजिस्ट्रेशन गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर दोनों पर शुरू हो गए हैं।

### 2. अंडरवर्ल्ड गैंग वॉर्स (यूजीडब्ल्यू)

मेहेम-स्टूडियो का अंडरवर्ल्ड गैंग वॉर्स (यूजीडब्ल्यू) अपकमिंग बैटल रॉयल मोबाइल गेम है। यह एंड्रॉइड और आईओएस दोनों डिवाइस पर उपलब्ध होगा। गेम के लिए प्री-रजिस्ट्रेशन ओपन हैं। अभी तक 2 मिलियन से अधिक प्री-रजिस्ट्रेशन हो गए हैं।

गेम में दो विरोधी पक्षों के बीच एक गैंग वॉर होता है। यह गेमर्स पर निर्भर है कि वह एक पक्ष चुने और अपनी ताकत से इसका बचाव करे।

### 3. रेनबो सिक्सः मोबाइल

टैक्टिकल शूटर गेम रेनबो सिक्स: मोबाइल एक मल्टीप्लेयर फर्स्ट-पर्सन शूटर एक्सपीरियंस गेम है। गेमर्स गेम के क्लासिक अटैक बनाम डिफेंस गेम मोड में कम्पीट कर सकते हैं। गेमर्स तेज-तर्रार 5 बनाम 5 मैचों में हमलावर या डिफेंडर के रूप में खेल सकते हैं और टैक्टिकल डिसिजन लेने के दौरान क्लोज-क्वार्टर मुकाबले का सामना कर सकते हैं।

यूबीसॉफ्ट के स्वामित्व वाला गेम आईओएस और एंड्रॉइड डिवाइस दोनों पर उपलब्ध होगा। गेम डेवलपर ने सितंबर में घोषणा की थी कि वह कुछ गेमर्स के लिए एक क्लोज्ड बीटा वर्जन जारी कर रहा है, जिन्होंने गेम को प्री-रजिस्टर किया था।

### 4. बैटलफील्ड मोबाइल

बैटलफील्ड मोबाइल वीडियो गेम कंपनी इलेक्ट्रॉनिक आर्ट्स से है। यह एक एक्शन शूटर गेम है, जहां गेमर्स बड़े पैमाने की लड़ाई में विरोधी प्लेयर्स का मुकाबला कर सकते हैं। यह एंड्रॉइड और आईओएस डिवाइस दोनों पर उपलब्ध होगा और इसके 2023 की शुरूआत में लॉन्च होने की उम्मीद है। हालांकि, गेम के लिए प्री-रजिस्ट्रेशन एप्लिकेशन स्टोर्स पर शुरू हो गए हैं।

### 5. ड्रैगन सीजः किंगडम कॉन्क्वेस्ट

ड्रैगन सीज: किंगडम कॉन्क्वेस्ट एक मल्टीप्लेयर (एमएमओ) कैजुअल फैंटेसी गेम है। इस गेम में, प्लेयर फैंटेसी वर्ल्ड, ड्रैगनिया में एक एडवेंचर एक्सपीरियंस ले सकते हैं। यह गेम केवल एंड्रॉइड डिवाइस पर उपलब्ध होगा और गेम के लिए प्री-रजिस्ट्रेशन गूगल प्ले स्टोर पर शुरू हो गए हैं।

# भारतीय स्मार्टवॉच वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए तैयार

**नई दिल्ली।**

भारतीय स्मार्टवॉच बाजार न केवल घरेलू मैदान पर तेजी से बढ़ा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन भी कर रहा है। घरेलू प्लेअर्स को 2023 में चीनी और वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों दोनों से आगे निकलने की उम्मीद के साथ उपलब्धि दोहराने की उम्मीद है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, दूसरी तिमाही 2022 में, भारत पहली बार विश्व स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टवॉच बाजार बनने के लिए चीन से आगे निकल गया, जिसमें 347 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई। चीन, जो पहली तिमाही में दूसरे स्थान पर था, अपने शिपमेंट में 10 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की कमी के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया।

सीएमआर हेड-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रभु राम के अनुसार, स्वदेशी स्मार्टवॉच ब्रांड न केवल चीनी, बल्कि वैश्विक स्मार्टवॉच ब्रांडों के खिलाफ अपनी समग्र प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए अपने घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाने पर अधिक ध्यान देने की कोशिश करेंगे। राम ने बताया, किफायती और प्रतिस्पर्धी भारतीय स्मार्टवॉच बाजार में खरीदारों को पूरा करने के बाद, स्मार्टवॉच ब्रांड उच्च मूल्य स्तरों को लक्षित कर अपनी बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाने का लक्ष्य रखेंगे। महंगाई और भू-राजनीतिक तनाव जैसी मैक्रो अनिश्चितताओं के बीच फायर-बोल्ट और नॉइज जैसे भारतीय ब्रांडों ने जून तिमाही (दूसरी तिमाही) में वैश्विक बाजार हिस्सेदारी में शीर्ष स्थान हासिल किया। नॉइज के सह-संस्थापक अमित खत्री ने बताया कि वे 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत के स्मार्टवॉच बाजार में सबसे आगे रहे हैं, साथ ही वैश्विक स्तर पर टॉप 3 स्मार्टवॉच ब्रांडों में जगह बनाने वाले एकमात्र घरेलू ब्रांड बन गए हैं। खत्री ने कहा, हमने वित्तीय वर्ष 22 को 850 करोड़ रुपये पर बंद कर दिया है औरे वित्तिय वर्ष 23 में 2,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा है। भारत में स्मार्ट वियरेबल्स के उत्पादन को स्थानीय बनाने वाले पहले भारतीय ब्रांडों में से एक होने के नाते, हम साल के अंत तक 80 प्रतिशत विनिर्माण भारत में लाकर अपने मेक इन इंडिया प्रयासों को तेज करने के बारे में उत्साहित हैं। फायर-बोल्ट के संस्थापक और सीईओ अर्नव किशोर के मुताबिक, 2022 कंपनी के लिए अब तक का सबसे अच्छा साल रहा है। किशोर ने कहा, हमने इस साल जबरदस्त वृद्धि देखी और लगातार दो तिमाहियों में स्मार्टवॉच कैटेगिरी में नंबर 1 स्थान हासिल किया। हम अपनी वैश्विक रैंकिंग में भी ऊपर चढ़े और आज हम दुनिया के चौथे सबसे बड़े स्मार्टवॉच ब्रांड हैं।

# भाविक कोलाडिया का देशद्रोहियों में शामिल होना बेहद दुखद : अशनीर

**नई दिल्ली।**

भारतपे के पूर्व सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अश्नीर ग्रोवर ने अपनी पुस्तक दोगलापन में सह-संस्थापक शाश्वत मनसुखभाई नकरानी और भाविक कोलाडिया पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उनके लिए यह जानना सबसे दर्दनाक था कि कोलाडिया देशद्रोहियों में से थे। कोलाडिया इस साल फिनटेक कंपनी से अन्य कार्यो के लिए आगे बढ़े। ग्रोवर ने अपनी किताब में लिखा, मैं अकेला व्यक्ति था, जिसने उन पर विश्वास किया और अमेरिका में उनकी असफल शुरुआत के बाद उन्हें कामयाबी हासिल करने के लिए प्रेरित किया। मैंने उन्हें भारतपे शुरू करने के महीनों के भीतर 4 करोड़ रुपये का सेकेंडरी करने की अनुमति दी थी, जबकि कंपनी ने केवल 1.9 करोड़ रुपये जुटाए थे। ग्रोवर ने आगे कहा, भाविक मालवीय नगर में मेरे पूरी तरह से सुसज्जित घर में दो साल तक बिना किराए का एक पैसा दिए रहे। माधुरी ने अपना

कारोबार शुरू करने के लिए उनकी पत्नी को करोड़ों रुपये कर्ज के रूप में दिए। नकरानी के बारे में ग्रोवर ने कहा कि वह मानने लगे हैं कि जो कुछ नहीं करता वह सबसे ज्यादा फायदे में रहता है।

ग्रोवर ने आरोप लगाया, सुहेल से प्रभावित सीईओ, जो बाद में शामिल हुए, उन्होंने किसी भी बोर्ड मीटिंग में एक शब्द भी नहीं कहा और किसी भी निवेशक द्वारा एक पैसा भी उन पर नहीं लगाया गया। मेरे भारतपे का एकमात्र चेहरा बनने के बाद वह शायद बहुत छोटा महसूस करने लगे। उन्हें इस बारे में अन्य साजिशकर्ताओं द्वारा परेशान किया गया होगा।

उन्होंने अपनी पुस्तक में कहा, विडंबना यह है कि मैं वह था, जिसने उन्हें अपने निवेशकों से बचाया था, जबकि मैंने भारी-भरकम लिफ्टिंग की थी, क्योंकि वह आईआईटी-दिल्ली वापस गए और स्नातक की पढ़ाई पूरी की, संस्थान से तो वह पहले ही बाहर हो गए।

# छत्तीसगढ़ के छात्रों में बढ़ रही है एयरोप्लेन साईंस में अभिरुचि

**रायपुर।**

छत्तीसगढ़ के छात्रों में एयरोप्लेन साईंस की तरफ अभिरुचि तेजी से बढ़ रही है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ रीजनल साईंस सेंटर भी इस दिशा में प्रयासरत है। इसके तहत हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कम वर्कशॉप में छात्रों ने एयरोप्लेन को मॉडल बनाकर उड़ाने के अनुभव को जाना। आखिर हवाई जहाज कैसे उड़ता है, यह जानने की हर किसी के मन में जिज्ञासा होती है। छात्र इस मामले में सबसे आगे होते हैं। इन छात्रों की जिज्ञासा के समाधान के साथ उनकी अभिरुचि के अनुरुप जानकारी देने के मकसद से राजधानी में छत्तीसगढ़ रीजनल साईंस सेंटर

द्वारा आयोजित हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कम वर्कशॉप का आयोजन किया। इस कार्यशाला में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय माना कैम्प के विद्यार्थियों को यह बताया गया कि एयरोप्लेन साईंस किस सिद्धांत पर और कैसे कार्य करता है। इसके पीछे क्या टेक्नोलॉजी है। साथ ही छात्रों ने इसका मॉडल बनाकर उड़ाने का अनुभव भी लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य नवीन खोजों एवं प्रायोगिक क्रियाकलापों को स्वयं सीखने की प्रक्रिया को विकसित करना है। संस्था के महानिदेशक डॉ. एस. कर्मकार द्वारा संस्था के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस पांच दिवसीय वर्कशॉप के सफलतापूर्वक संपन्न होने की शुभकामनाएं दी। साथ ही अपनी वैज्ञानिक टीम को भविष्य में भी इस तरह के वर्कशॉप के आयोजन हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यशाला प्रभारी परियोजना संचालक डॉ. शिरीश कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान में हम प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के युग में जी रहे हैं।

इनकम टैक्स रिटर्न भरने का आखिरी मौका

# एफवाय22 के लिए 31 दिसंबर तक फाइल कर सकते हैं बिलेटेड आईटीआर

**नई दिल्ली।**

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई निकल चुकी है। लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो आईटीआर नहीं भर पाए हैं। अगर आपने भी अभी तक नहीं भरा है तो लेट फीस के साथ 31 दिसंबर 2022 तक आईटीआर भर सकते हैं।

**कितनी देनी होगी लेट फीस** - आयकर अधिनियम की धारा 139 (1) के तहत तय समय तक आईटीआर नहीं भरने पर धारा 234ए के तहत जुर्माना लगता है। बिलेटेड आईटीआर 31 दिसंबर, 2022 तक 5 हजार रुपए के जुर्माने के साथ भर सकते हैं। वहीं अगर करदाता की कुल आय 5 लाख रुपए या इससे कम है तो उसे एक हजार रुपए ही जुर्माना देना होगा। आय 2.50 लाख से कम होने पर बिना जुर्माना रिटर्न भर सकते हैं।

**रिवाइज्ड आईटीआर भी 31 दिसंबर तक** - इसी प्रकार, अगर किसी ने आईटीआर फाइल करने के दौरान कोई गलती कर दी है तो वह रिवाइज्ड आईटीआर फाइल करके गलती को सुधार सकता है। इन दोनों तरह के आईटीआर को फाइल करने की आखिरी डेट 31 दिसंबर, 2022 है

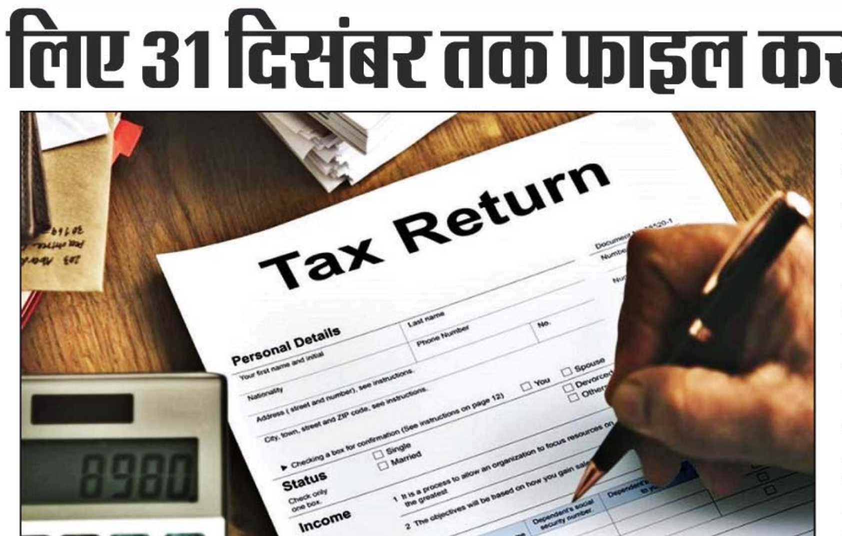


और यह फाइनेंशियल ईयर 2021-22 के लिए है।

**31 दिसंबर तक आईटीआर नहीं भरने पर आ सकता है नोटिस** - अगर आप इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के दायरे में आते हैं, और आप 31 दिसंबर तक आईटीआर फाइल नहीं करते हैं तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आपको नोटिस जारी कर सकता है। ऐसे में परेशानी से बचने के लिए आपको 31 दिसंबर तक आईटीआर फाइल कर देना चाहिए।

**क्या है बिलेटेड और रिवाइज्ड रिटर्न** - किसी वित्त वर्ष के लिए रिटर्न भरने करने की मूल समय सीमा खत्म होने के बाद बिलेटेड रिटर्न फाइल किया जाता है। इसके लिए करदाता को पेनाल्टी देनी पड़ती है। रिवाइज्ड रिटर्न तब फाइल किया जाता है जब ओरिजनल रिटर्न फाइल करते समय कोई गलती हो जाती है। बिलेटेड आईटीआर आयकर अधिनियम, 1961 के सेक्शन 139(4) के तहत फाइल किया जाता है। वहीं, रिवाइज्ड आईटीआर को सेक्शन 139 (5) के तहत दाखिल किया जाता है।

**इनकम टैक्स रिटर्न करने के हैं कई फायदा** - अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए। अगर आप आईटीआर फाइल करते हैं, तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। ये हैं आईटीआर भरने के फायदे टैक्स रिफंड क्लेम करने के लिए: टैक्स रिफंड क्लेम करने के लिए आईटीआर दाखिल करना जरूरी है। आप जब आईटीआर दाखिल करते हैं तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उसका एसेसमेंट करता है। अगर रिफंड बनता है तो वह सीधे बैंक अकाउंट में क्रेडिट कर दिया जाता है।

वीजा के लिए जरूरी: कई देशों की वीजा अथॉरिटीज वीजा के लिए 3 से 5 साल का आईटीआर मांगते हैं। आईटीआर के जरिए वे चेक करते हैं कि जो आदमी उनके देश में आना चाहता है कि उसका फाइनेंशियल स्टेटस क्या है। इनकम का रहता है प्रूफ: आईटीआर फाइल करने पर एक प्रमाण पत्र मिलता है। जब भी आईटीआर दाखिल होता है तब उसके साथ फॉर्म 16 भरा जाता है, फॉर्म 16 वहां से मिलता है जहां व्यक्ति नौकरी कर रहा है। इस तरह एक सरकारी तौर पर प्रमाणिक कागजात हो जाता है जिससे यह साबित होता है कि व्यक्ति की इतनी रुपए सालाना नियत आय है। आय का रजिस्टर्ड प्रमाण मिलने से क्रेडिट कार्ड, लोन या खुद की क्रेडिट साबित करने में मदद होती है बैंक लोन मिलने में आसानी: आईटीआर आपकी इनकम का प्रूफ होता है।

# तुनिषा शर्मा के सुसाइड के बाद पिछले 3 साल में सुसाइड करने वालों सेलेब्स के बारे में हो रही चर्चा

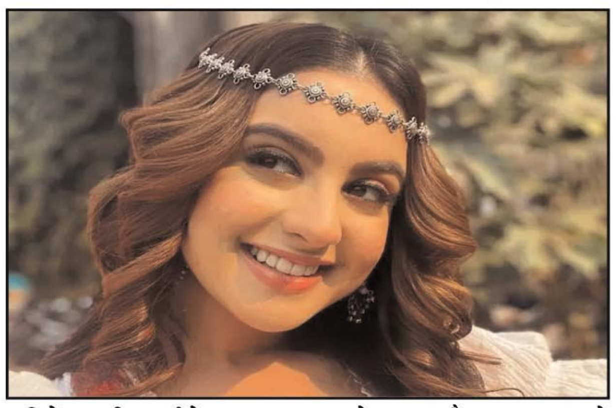

**मुंबई (ईएमएस)।** टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा ने शनिवार को मुंबई में टीवी सीरियल के सेट पर सुसाइड कर लिया. तुनिषा की खुदखुशी की खबर सामने आते ही उन सेलेब्स के नाम पर चर्चा तेज हो गई है जिन्होंने बीते 3 सालों में आत्महत्या का रास्ता अपनाया है. इस लिस्ट में तुनिषा शर्मा से लेकर बॉलीवुड के सुपरस्टार रहे सुशांत सिंह राजपूत सहित तमाम नामी कलाकारों के नाम शामिल हैं. जी हाँ बीते 3 साल में सुसाइड करने वालों सेलेब्स के बारे में चर्चा की जाए तो उसमें सबसे पहला नाम अभिनेता कुशल पंजाबी का आता है. कुशल ने 26 दिसंबर 2019 को सुसाइड के जरिए दुनिया को अलविदा कह दिया था. इसके बाद 14 जून को हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार सुशांत सिंह राजपूत मे 14 जून 2020 को आत्महत्या कर ली थी. सुशांत की मौत का मुद्दा काफी लंबे समय तक चर्चा का विषय बना था. सुशांत के बाद अभिनेता समीर शर्मा ने 4 अगस्त 2020 आसिफ बसरा 12 नवंबर 2020 बांग्ला एक्ट्रेस पल्लवी डे 15 मई 2022 बांग्ला मॉडल बिदिशा डे मजूमदार और 15 अक्टूबर को वैशाली ठक्कर ने सुसाइड किया था.

इन सभी सेलेब्स की मौत में एक बात ये कॉमन थी कि सभी का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया था.

**प्रत्युषा बनर्जी ने भी की थी सुसाइड** - छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस प्रत्युषा बनर्जी ने 6 साल पहले 1 अप्रैल 2016 को सुसाइड की थी. उस वक्त प्रत्युषा बनर्जी का इस तरह से मौत को गले लगाना काफी हैरान करने वाला था. प्रत्युषा की सुसाइड का मामला काफी चर्चा का विषय बना था. मालूम हो कि प्रत्युषा बनर्जी ने फांसी के फंदे पर खुद को लटका कर दुनिया को अलविदा कह दिया था. ऐसे में अब टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा का नाम भी फांसी लगाकर सुसाइड के जरिए जान गंवाने वाले इन सेलेब्स की सूची में शामिल हो गया है.

# जन्म लेते ही जमीन में गाड़ दी गईं थीं मशहूर नृत्यांगना गुलाबो सपेरा 2016 में पद्मश्री से नवाजा गया

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** रियलिटी शो बिग बॉस तो आप लोग देख रहे होंगे लेकिन क्या आप शो में शामिल हुई एक ऐसी कंटेस्टेंट के बारे में जानते हैं जिसे जिंदगी जीने के लिए काफी संघर्ष किया है। एक ऐसी कहानी जिसे सुन आप सिहर उठेंगे। यह कहानी है विश्व प्रसिद्ध नृत्यांगना गुलाबो सपेरा की। उन्होंने बिग बॉस 5 में हिस्सा किया था। दूसरे हफ्ते में ही गुलाबो एविक्ट हो गई थीं। वह शो तो नहीं जीत पाई मगर दर्शकों का दिल जीतने में जरूर कामयाब हुईं। पद्म श्री सम्मानित गुलाबो के संघर्ष की दास्तां पैदा होते ही शुरू हो गई थी। कालबेलिया समाज से ताल्लुक रखने वाली गुलाबो ने बिग बॉस में अपने जन्म की खौफनाक कहानी सुनाई थी। जब पूरे देश के सामने गुलाबो का दर्द झलका तो सबकी आंखें नम हो गई थी। 1973 में जन्मीं गुलाबो अपने पेरेंट्स की 7वीं संतान हैं। गुलाबो को पैदा होते ही जिंदा दफनाने की कोशिश हुई थी। सोचिए ऐसा भयावह काम करने वालों की मानसिकता कितनी विकृत रही होगी। पर किसी तरह से गुलाबो के पेरेंट्स उनकी जान बचाने में सफल हुए थे। जिंदगी में इतना कुछ झेलने वाली गुबालो सपेरा आज मशहूर सेलेब्रिटी डांसर हैं। 2016 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया। 2021 में उन्हें भारत गौरव अवॉर्ड भी मिला था। अपनी कहानी बताते हुए गुलाबो सपेरा ने बताया था कि उनका जन्म धनतेरस के दिन हुआ था। जब वे पैदा हुईं तो पिता घर पर नहीं थे। उनके जन्म के बाद औरतों ने कहा इसकी तो पहले से 3 बेटियां हैं अब एक और हो गई ये हमारे समाज के रूल के खिलाफ भी है। उनकी मां को बिना बताए कि लड़का हुआ है या लड़की गुलाबो को दाई ने जंगल में ले जाकर जमीन में गाड़ दिया। मां खूब रोईं और औरतों के सामने गिड़गिड़ाते हुए पूछा कि उनकी बेटी को कहां गाड़ा है? पर किसी ने नहीं बताया। रात को 12 बजे गुलाबो की मौसी आई फिर दोनों बहनों ने जाकर जमीन को खोदा और नवजात गुलाबो को बाहर निकाल लिया। गुलाबो जमीन के अंदर जिंदा मिली और उनकी सांसें चल रही थीं। अगली सुबह गांववालों को मालूम पड़ा तो सभी कोसने लगे। सवाल उठाया कि जमीन में से कौन जिंदा निकल सकता है ये चुड़ैल या कोई बला हो सकती है। तब गुलाबो के पिता ने कहा धरती में से जिंदा धरती माता निकलती है। गुलाबो पर समाज की नजरें थीं। पिता को डर था फिर से उनकी बेटी को मारने की कोशिश हो सकती है। इसलिए गुलाबो के सेपेरे पिता उन्हें सांपों के साथ ले जाने लगे। 2 साल की उम्र से गुलाबो बीन पर डांस करने लगीं। गुलाबो के पहले स्टेज शो पर भी उनके समाज ने काफी बवाल मचाया था। उन्हें गंदी औरत की कैटेगरी में डाला। उन्हें कलंक बताया। गुलाबो के पिता को उनकी शादी करने की सलाह दी वरना समाज से बाहर निकालने की बात कही। मजबूरी में 6 साल की उम्र में 35 साल के शख्स से गुलाबो की सगाई कर दी गई थ[ी] पर जब होने वाले पति को मालूम पड़ा [कि] वो हर वक्त डांस करती रहती हैं तो उन्हे[ंने] रिश्ता तोड़ दिया। सगाई टूटने से गुलाबो [...] खुश थी लेकिन उनके पिता को समाज [से] बाहर कर दिया गया था। गुलाबो का गरी[बी] में बचपन बीता है। उन्होंने बताया कई ब[ार] वे भूखी भी सोईं। गुलाबो सपेरा ने अप[नी] लाइफ में जो भी स्ट्रगल किया है वह कई [लोगों] को इंस्पायर करता है। आज वे चमक[ता] सितारा हैं और गिनीज बुक में उनका न[ाम] शामिल है। गुलाबो सपेरा ने अपनी लाइ[फ] में जो भी स्ट्रगल फेस किया है वो कई [लोगों] को इंस्पायर करता है।

# 'कब अईब राजा जी हमार' गाना हुआ रिलीज

भोजपुरी फिल्मों की सुपरसिंगर नेहा राज का नया गाना 'कब अईब राजा जी हमार रिलीज हुआ है। इस गाने को भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स से रिलीज किया गया है। गाने को अभिनेत्री सौम्या पांडे पर फिल्माया गया है। इस धमाकेदार लोकगीत को नेहा राज ने अपनी खास शैली में गाया है। इन दिनों भोजपुरी इंडस्ट्री में नेहा कि आवाज का डंका बज रहा है। इनके गाये हुए कई गाने यूट्यूब पर धमाल मचा रहे हैं। इनकी आवाज का हर भोजपुरिया दर्शक कायल है। संगीत प्रेमी इनके गानों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। सौम्या पांडे ने 'कब अईब राजा जी हमार' में बड़े ही मजेदार ढंग से परफॉर्म किया है। भोजपुरी इंडस्ट्री में इनकी भी लंबी चौड़ी फैंस लिस्ट है। वह इंडस्ट्री के हर छोटे बड़े अर्टिस्ट के साथ काम कर चुकी हैं। इनके भी कई गाने मिलेनियम क्लब में धूम मचा रहे। इस गाने में सौम्या अपने पति से अपने बारे में चर्चा कर रही हैं। सौम्या कहती कि अंखिया से काजर बहे...होठों ब से लाली छूटे...कब अईब राजा जी हमार...। गाने में सौम्या ने महफिल लूट ली है। उनका एक एक अंदाज दर्शकों को पसंद आ रहा है और गाने में बेहतरीन लोकेशन का उपयोग किया गया है। सौम्या ने बहुत ही कम समय मे इंडस्ट्री में अपनी एक धाक बना ली है। आज हर निमार्ता निर्देशक उनके साथ काम करना चाहता है। 'कब अईब राजा जी हमार' को वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इनका निर्माण निमार्ता रत्नाकर कुमार ने किया है। इसके लिरिक्स अर्जुन शर्मा ने लिखे हैं। संगीत नीलेश शर्मा का है। निर्देशन की भागदौड़ भोजपुरिया ने संभाली है। इसको कोरियोग्राफ दीपक शर्मा ने किया है। इसको एडिट पंकज सॉ व डीआई रोहित ने किया है।

# तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर चलपति राव का निधन

**-78 की आयु में हार्ट अटैक से हुई मौत**

**हैदराबाद (ईएमएस)।** तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार चलपति राव का हृदयघात से निधन हो गया है। वे 78 वर्ष के थे। तेलुगु सिनेमा में वे कॉमेडी और खलनायक भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे। 600 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लिए आज सुबह एक बुरी खबर सामने आई है। टॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता चलपति राव की हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। उनके निधन के बाद उनकी पत्नी और दोनों बच्चों सदमे में है। चलपति राव पिछले कुछ समय से बिमार भी चल रहे थे। श्री राव स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझ रहे थे। इसके अलावा वह लंबे वक्त से फिल्मी दुनिया से भी दूर थे। चलपति राव को तेलुगु सिनेमा में उनकी कॉमेडी और खलनायक भूमिकाओं के लिए जाना जाता था और उन्होंने 600 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था। उनकी मृत्यु की खबर से इंडस्ट्री में शोक की लहर है।

# कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की फिल्म 'मेरी क्रिसमस' का पहला पोस्टर जारी

कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म 'मेरी क्रिसमस' की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इन्तजार है। इस बीच मेकर्स ने शनिवार को फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है। फिल्म के इस पोस्टर में दो हाथ नजर आ रहे हैं और उनके हाथों में जाम का ग्लास है । पोस्टर को कैटरीना कैफ ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करते हुए लिखा- 'हम इस क्रिसमस पर फिल्म रिलीज करना चाहते थे ... लेकिन एक ट्विस्ट है :) जल्द ही सिनेमाघरों में मिलते हैं! #क्रिसमस की बधाई।' फिल्म का पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है। यह फिल्म इसी साल क्रिसमस पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे अगले साल यानी साल 2023 में रिलीज करने का फैसला लिया है। 'मेरी क्रिसमस' एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म के जरिये कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आयेंगे। 'मेरी क्रिसम[स]' का निर्माण रमेश तौरानी के टि[प्स] इंडस्ट्रीज द्वारा माचिस पिक्चर्स प्र[ा]इवेट लिमिटेड के सहयोग से कि[या] जा रहा है।फिल्म के निर्देश[क] श्रीराम राघवन है।

# कोरोना वायरस को लेकर सोनू सूद ने कसी कमर, कहा-हर जरूरतमंद तक पहुंचेगी मदद

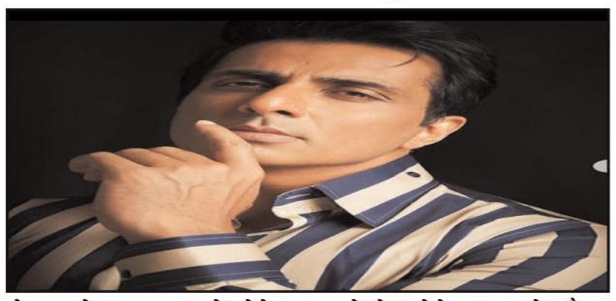

देश में एक बार फिर से कोरोना महामारी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। सरकार ने कोरोना से बचाव के लिए गाइडलाइन भी जारी कर दी है। इस बीच अभिनेता सोनू सूद ने एक बार फिर से कोरोना का सामना करने के लिए एक बार फिर अपनी कमर कस ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लोगों को कोरोना से सावधानी बरतरने की सलाह दी और हर जरुरतमंद लोगों की मदद का आश्वासन दिया है। सोनू सूद ने ट्वीट कर लिखा- 'कोरोना से सावधानी बरतें, डरे नहीं ईश्वर करे मेरी जरुरत ना पड़े लेकिन अगर पड़े तो याद रखना .. नंबर वही है !' उल्लेखनीय है कि सोनू सूद ने साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण देश में लगे लॉकडाउन के दौरान हर जरुरतमंद लोगों की निस्वार्थ भाव से बढ़चढ़ कर मदद की थी।

उनकी मदद से लाखों मजदूर सुरक्षित अपने घर पहुंच पाए थे। विदेश में भी फंसे कई छात्र सोनू सूद की मदद से भारत वापस लौट आये थे। कोरोना काल के दौरान वह गरीबों के मसीहा के रुप में सामने आये और उस समय से लेकर अब तक सोनू सूद अपनी टीम के साथ मिलकर लगातार हर जरुरतमंद की मदद करने में लगे हुए हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनू सूद जल्द ही फिल्म 'फतेह' में नजर आने वाले हैं।

# पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हारा वीरा मल्लू' में हुई बॉबी देओल की एंट्री

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार पवन कल्याण की आगामी फिल्म 'हरि हारा वीरा मल्लू' में अब बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल की एंट्री हो गई है। इसकी जानकारी फिल्म ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर कर दी है। वीडियो में बॉबी देओल एक कार से उतरते हुए नजर आते हैं और एक बिल्डिंग में जाते हैं और कुछ लोगों से मिलते हैं। फिल्म 'हरि हारा वीरा मल्लू' में पवन कल्याण लीड रोल में नजर आने वाले हैं। वहीं बॉबी देओल इस फिल्म में वह विलेन का किरदार निभाएंगे। फिल्म 'हरि हारा वीरा मल्लू' बॉबी देओल की पहली दक्षिण भारतीय फिल्म होंगी। कृष जगरलामुदी निर्देशित ये फिल्म साल 2023 में तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी।

# फिल्मों से लेकर राजनीति तक ऐसा रहा नगमा का सफ[र]

मशहूर अभिनेत्री नगमा बेशक अब फिल्मी दुनिया से दूर हैं, लेकिन एक समय ऐसा था जब रुपहले पर्दे पर उनके नाम का सिक्का चलता था। नगमा का जन्म 25 दिसंबर 1970 को हुआ था। नगमा का असली नाम नंदिता अरविंद मोरारजी है। उनकी मां मुस्लिम थीं, जबकि पिता हिंदू थे। उनके पिता का नाम अरविंद मोरारजी और मां का नाम शमा काजी था। नगमा ने मुंबई के माउंट मेरी कॉन्वेंट हाईस्कूल से पढ़ाई की। उसके बाद मुंबई विश्वविद्यालय के नेशनल कॉलेज से कॉमर्स में बैचलर डिग्री ली। नगमा ने साल 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'बागीः अ रिबेल लव स्टोरी' से बॉलिवुड डेब्यू किया था।इस फिल्म में उनके अपोजिट सलमान खान थे और यह फिल्म हिट साबित हुई थी। इसके बाद नगमा ने 'बेवफा से वफा', 'दिलवाले कभी ना हारे', 'हस्ती', 'धरतीपुत्र', 'सुहाग', 'लाल बादशाह', 'कुंवारा' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हिंदी के अलावा नगमा ने तमिल, तेलुगु, भोजपुरी, मलयालम और कन्नड़ भाषा की फि[ल्मों] में भी काम किया। नगमा ने साल 2004 में राजनी[ति] में आने का फैसला करते हुए कांग्रेस पार्टी का दाम[न] थामा। वे अब भी राजनीति में सक्रिय हैं। हालां[कि] नगमा अब बेशक फिल्मी दुनिया से दूर हैं, लेकि[न] उनकी अदाकारी की तारीफ आज भी की जाती ह[ै।] नगमा एक बेहतरीन अभिनेत्री के साथ -साथ ए[क] सशक्त राजनेत्री के रूप में भी जानी जाती हैं।

## सूडोकु नवताल- 6560

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | | | 1 | 4 | | | 2 |
| 1 | 2 | | 6 | | 3 | | 5 | |
| | | 5 | | 8 | 7 | | | 9 |
| | 7 | | | 6 | 9 | | | 8 |
| 2 | 1 | | | 5 | | | 4 | 6 |
| 4 | | | 3 | 2 | | | 9 | |
| 9 | | | 8 | 4 | | 5 | | |
| | 6 | | 9 | | 5 | | 2 | 4 |
| 8 | | | 1 | 7 | | | 6 | 3 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -6559 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |

## शब्द पहेली - 7624

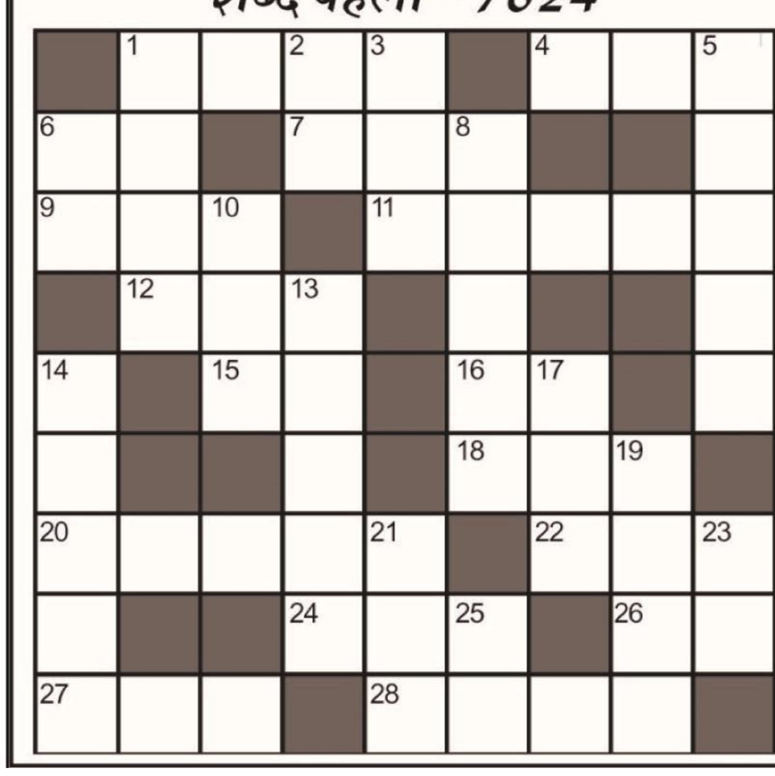

### बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित, संरक्षित-4
4. उत्सुकता, जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार, प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट, तश्तरी-3
15. रहस्य, भेद-2
16. जी, चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल, टोंटी-3
24. देवर्षि, देवमुनि-3
26. गुप्तचर, जासूस-2
27. गमन, विदा होना-3
28. ईश्वर, रब-4

### ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा, मर्जी-2
3. अंधकार, अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल, कीमत, दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार, अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम, नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत, भाव-2

### शब्द पहेली -7623 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | ब | न | म | | | आ | का | श |
| रा | | | स्त | र | ही | न | | म |
| रा | त | | | सी | ना | | | शी |
| | र | ग | | ला | | क | बी | र |
| | का | ज | ल | | अ | स | र | |
| क | री | ब | | मि | | र | ब | |
| रा | | | चा | रा | | | ल | ब |
| मा | | रा | ह | ज | नी | | | हा |
| त | र | ह | | | म | ज | बू | र |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# फैंस को रहेगा कई वर्ल्ड इवेंट्स का इंतजार : 2023 में भारत में हॉकी और क्रिकेट का वर्ल्डकप

**अमेरिका।**

**न्यूयॉर्क7 साल 2022 अंतिम पड़ाव पर है। ये साल स्पोर्ट्स फैंस के लिए उत्साह वर्धक रहा। 2021 में लॉकडाउन के बाद धीरे-धीरे इवेंट होने लगे। फिर 2022 में सारे स्पोर्ट्स इवेंट पहले की तरह आयोजित हुए। हमने इस साल कई बेहतरीन मुकाबले देखे। टेनिस में कई नए सितारे भी हमें इसी साल देखने को मिले। 2023 में भी इसी तरह के वर्ल्ड इवेंट्स होंगे, जो दर्शकों को काफी उत्साहित करेंगे। भारत में क्रिकेट वनडे और हॉकी वर्ल्ड कप होगा।**

**टेनिस में अल्कारेज और नोवाक** – इवेंट्स जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू होंगे। जहां नए सितारे और पुराने लीजेंड्स आमने–सामने होंगे। माना जा रहा है कि कार्लोस अल्कारेज और नोवाक जोकोविच इवेंट्स में मुख्य दावेदारों के रूप में उतरेंगे। अल्कारेज नई पीढ़ी के हैं, जबकि जोकोविच बिग–3 के है।

**हॉकी वर्ल्ड कप ओडिशा** – भारत में अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच हॉकी वर्ल्ड कप है। हॉकी वर्ल्ड कप ओडिशा में होना है। इसमें 16 देशों की टीमें भाग लेंगी। यह 15वां वर्ल्ड कप है। भारत अब तक एक भी वर्ल्ड कप नहीं जीत सका है।

**भारत में वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप** – वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप भारत में होगा। कोहली, विलियमसन, रोहित, जडेजा, स्टोक्स, वॉर्नर का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है। पिछली बार इंग्लैंड जीता था। इस बार घरेलू मैदान पर खेलने के कारण सबको भारत से उम्मीद होगी।

**लास वेगास में एफ–1 की वापसी** – नवंबर में फॉर्मूला–1 ग्रांप्री लास वेगास में आयोजित की जाएगी। लास वेगास में ग्रांप्री 40 साल बाद लौटेगी। आयोजकों के अनुसार इस इवेंट में 1 लाख से ज्यादा दर्शक आएंगे। लास वेगास में रेस रात के 10 बजे शुरू होगी।

**एलआईवी गोल्फ पीजीए** – गोल्फ के भविष्य के लिए 2023 निर्णायक साल रहेगा। एलआईवी गोल्फ को रूढ़िवादी सिरे से खारिज करते हैं, जबकि कई मास्टर्स इस टूर का हिस्सा रहेंगे। ये जंग पीजीए मास्टर टूर बनाम एआईवी गोल्फ की होगी। अप्रैल में मास्टर्स में एलआईवी खेलने वाले खिलाड़ी भाग ले पाएंगे।

**महिला फीफा वर्ल्ड कप** – 2022 में पुरुष फीफा वर्ल्ड कप की कामयाबी के बाद 2023 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में महिला वर्ल्ड कप होगा। अमेरिका की महिला टीम अपनी पांचवीं फीफा ट्रॉफी जीतना चाहेगी। वहीं, यूरो चैम्पियन इंग्लैंड भी दावेदार है।

## न्यूज ब्रीफ

### 1.5 मिलियन डॉलर की डील करने के बाद, शतरंज जीएम अर्जुन की नजरें विश्व खिताब पर

**चेन्नई।** 19 वर्षीय शतरंज ग्रैंडमास्टर (जीएम) अर्जुन कुमार एरिगैसी ने 2021 और 2022 में अंतरराष्ट्रीय शतरंज जगत में शानदार प्रदर्शन किया है। 2022 में अर्जुन ने सिंगापुर स्थित क्वांटबॉक्स रिसर्च के साथ पांच साल के 1.5 मिलियन डॉलर के प्रायोजन सौदे पर हस्ताक्षर किया है। प्रायोजन सौदा उनके दिमाग से वित्तीय चिंता को दूर करेगा, ताकि वह अपने शतरंज कौशल को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर सकें और विश्व शतरंज चैंपियन बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार हो सकें। शायद भारतीय शतरंज में सबसे बड़े प्रायोजन सौदों में से एक, क्वांटबॉक्स की शुरूआत एक पूर्व शतरंज खिलाड़ी और अर्जुन के बड़े प्रशंसक प्रशांत सिंह ने की थी। अर्जुन ने एक साक्षात्कार में बताया, मेरे खेलने के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा। स्पॉन्सरशिप के साथ एलो रेटिंग हासिल करने, टूर्नामेंट जीतने में कोई बड़ी बात नहीं है। प्रायोजक ने कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है ताकि मैं अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। विश्व चैंपियन बनने के उनके लक्ष्य की ओर पहला कदम कैंडिडेट्स के रूप में टूर्नामेंट 2024 में क्वालीफाई करना है। उम्मीदवारों के लिए क्वालीफाई करने के लिए, किसी ग्रैंड मास्टर को अजरबैजान में आयोजित होने वाली विश्व कप चैम्पियनशिप 2023 में शीर्ष तीन में खेलना और खत्म करना होगा, या फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट 2023 में शीर्ष दो स्लॉट में शामिल होना होगा। अर्जुन ने कहा कि कुछ अन्य फिडे रेटेड टूर्नामेंटों में खेलने के लिए सबसे अधिक अंक हासिल करना जरूरी है। अर्जुन ने कहा, विश्व शतरंज खिताब के लिए रोडमैप मेरी शतरंज पर काम करना है। जीएम श्रीनाथ नारायणन अब मेरे कोच और संरक्षक हैं। मैं उज्बेकिस्तान जीएम रुस्तम कासिमदजानोव के साथ भी काम कर रहा हूं।

### कोहली की जगह अक्षर को भेजने पर भड़के दिग्गजः सुनील गावस्कर बोले- दाएं और बाएं का प्रयोग करना बंद हो

**मीरपुर।** मीरपुर में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया मुश्किल में फंसती नजर आ रही है। भारत को जीत के लिए 100 रन की जरूरत है। विराट, राहुल, शुभमन गिल और चेतेश्वर पेवलियन जा चुके हैं। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में बांग्लादेश के 145 रन के लक्ष्य के जवाब में 4 विकेट खोकर 45 रन बना लिए हैं। अक्षर और जयदेव उन्नादकत नाबाद हैं। तीसरे दिन बैटिंग लाइन में बदलाव दिखा। कोहली से पहले अक्षर को भेजा गया, वहीं पंत से पहले जयदेव उन्नादकत को भेजा गया। जिसके बाद सुनील गवास्कर, अजय जडेजा और सबा करीम कैप्टन केएल राहुल और कोच राहुल द्रविड़ से नाराज दिखे। इनको ये बदलाव पसंद नहीं आया। गावस्कर ने तीसरे दिन के बाद सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, इससे कोहली को अच्छा संदेश नहीं जाएगा। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। अगर कोहली खुद इस बदलाव के लिए कहते तो ये अलग बात थी। उन्होंने आगे कहा कि हम नहीं जानते कि ड्रेसिंग रूम में क्या हुआ है, मगर ये समझना मुश्किल है।

### वर्ल्ड कप जीत, खिलखिलाया खास्ता हाल देशः अर्जेंटीना में महंगाई 92प्रतिशत, ब्याज दर 75प्रतिशत फिर भी खुशियां 100प्रतिशत

**नई दिल्ली।** फुटबॉल वर्ल्ड कप जीत ने लैटिन अमेरिकी देश अर्जेंटीना के लोगों को अपनी मुश्किलों को भुलाने का बड़ा कारण दिया है। क्रिसमस की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। जीत के एक हफ्ते बाद भी लोग जश्न मना रहे हैं। अर्जेंटीना में दुनिया में सबसे ज्यादा 75प्रतिशत ब्याज दर और 92.40प्रतिशत महंगाई दर है। साढ़े चार करोड़ की आबादी में से 40प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा से नीचे हैं। एक साल में आटा 14 रु. से 65 रु. प्रति किलो पहुंच चुका है। लेकिन लोगों को उम्मीद है कि अब देश के हालात बदलने वाले हैं। लोगों का कहना है कि 1986 की पहली वर्ल्ड कप जीत भी 1983 में तानाशाह सरकार के पतन के बाद नसीब हुई थी। इस बार भी अक्टूबर, 2023 में होने वाले चुनाव से पहले दिसंबर, 2022 में वर्ल्ड कप जीत मिली है। जीत के जश्न में जनता वर्तमान वामपंथी सरकार को सत्ता से बेदखल करने के मूड में दिखी।

भारत ने बांग्लादेश को चौथी बार क्लीन स्वीप किया

# श्रेयस–अश्विन ने 8वें विकेट के लिए 71 रन जोड़े, भारत के लिए 90 साल बाद ऐसा कमाल

**मीरपुर।**

टीम इंडिया ने मीरपुर टेस्ट में बांग्लादेश पर संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की है। उसने मेजबान को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत से भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2–0 से अपने नाम कर ली है। उसने चौथी बार बांग्लादेश को उसके घर में क्लीन स्वीप किया है। भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल के दूसरे स्थान पर है। उसके 58.93 अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया 76.92प्रतिशत अंकों के साथ पहले स्थान पर है। चौथे दिन रविवार के पहले सेशन में भारतीय टीम ने श्रेयस–अश्विन की अर्धशतकीय साझेदारी के सहारे जीत के लिए जरूरी रन 7 विकेट पर बना डाले। दोनों ने 8वें विकेट के लिए नाबाद 71 रन जोड़े। 90 साल बाद भारत की ओर से टेस्ट की चौथी पारी में 8वें विकेट के लिए 70+ की पार्टनरशिप हुई। श्रेयस अय्यर ने नाबाद 29 और अश्विन ने 42 रन बनाए। इनसे पहले तीसरे दिन नाबाद लौटे अक्षर पटेल 34 रन बनाकर आउट हुए। जबकि नाइट वॉचमैन जयदेव उनादकट ने 13 रन बनाए। इन दोनों के अलावा ऋषभ पंत ने 9 रन जोड़े। बांग्लादेश से मेहदी हसन मिराज ने 5 विकेट लिए। कप्तान शाकिब अल हसन को 2 सफलताएं मिलीं। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 231 रन बनाते हुए भारत को जीत के लिए 145 रनों का टारगेट दिया था। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 314 और बांग्लादेश ने 227 रन बनाए थे।

टीम इंडिया ने पहला टेस्ट 188 रन से जीता था।

**अश्विन–श्रेयस की मैच जिताऊ साझेदारी** – रविचंद्रन अश्विन और श्रेयस अय्यर के बीच 8वें विकेट के लिए नाबाद 71 रनों की साझेदारी हुई। 90 साल बाद भारत की ओर से टेस्ट की चौथी पारी में 8वें विकेट के लिए 70+ की साझेदारी हुई। इससे पहले 1932 में अमर सिंह और लाल सिंह के बीच 74 रनों की पार्टनरशिप हुई थी।

**एक नजर रिकॉर्ड बुक पर** – भारत ने बांग्लादेश से 11वां टेस्ट जीता है।, यह भारत की बांग्लादेश पर लगातार 5वीं टेस्ट जीत है।, भारत आज तक बांग्लादेश से टेस्ट में नहीं हारा।, टीम इंडिया ने लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीती है। इससे पहले 2015 में ड्रॉ सीरीज खेली थी।, भारत ने बांग्लादेश से छठी सीरीज जीती है।, दूसरी पारी में ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

**दोनों टीमों की प्लेइंग-11**

**भारतः** केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, जयदेव उनादकट, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज।

**बांग्लादेशः** जाकिर हसन, नजमुल हसन शान्तो, मोमिनुल हक, लिटन दास (विकेटकीपर), मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन (कप्तान), नुरुल हसन, मेहदी हसन मिराज, ताइजुल इस्लाम, खालेद अहमद और तस्कीन अहमद।

# आईपीएल, अंडर-19 टी-20 विश्व कप के साथ महिला क्रिकेट की तैयारियां जोरो पर

**नई दिल्ली।**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट की दुनिया में सबसे बड़ी क्रांति को जन्म दिया है, जिसने वैश्विक महामारी से पहले और उसके दौरान हर साल बड़े पैमाने पर अपनी ओर लोगों का ध्यान खींचा है। लेकिन जब महिला क्रिकेट के लिए इसी तरह की एक लीग बनाने की बात आई तो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ढील दिखाई। तीन टीमों की महिला टी20 चुनौती के बावजूद बीसीसीआई की अनिच्छा का मतलब है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) महिलाओं की बेहद लोकप्रिय टी20 क्रिकेट लीग बनाने के लिए आगे बढ़ गए हैं।

लंबे समय से, कई लोगों ने महिला आईपीएल की मांग की है, जिसमें या तो खिलाड़ी पूल की कमी या वित्तीय व्यवहार्यता पर संदेह के कारण देरी हुई। महिला आईपीएल को महिला क्रिकेट के लिए बड़ी सफलता में से एक के रूप में देखा जा रहा है। 2022 के बाद के खेल में ऑस्ट्रेलिया को एकदिवसीय विश्व कप ट्रॉफी वापस मिली, जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता। गुजरते साल में महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग के साथ-साथ फेयरब्रेक इंविटेशनल टूर्नामेंट भी कैलेंडर में शामिल हुआ। 2023 की शुरूआत आईसीसी महिला अंडर 19 टी20 विश्व कप के उद्घाटन सीजन के साथ होगी, एक ऐसा आयोजन जो कोविड–19 महामारी से पहले लंबे समय से चल रहा था और इसमें और देरी हुई। दक्षिण अफ्रीका में बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम में चार स्थानों पर 41 मैचों में 16 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। टूर्नामेंट युवाओं को एक मंच पर फलता–फूलता देखेगा और एक ऐसी दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा, जो हमेशा क्रिकेट सर्किट में भविष्य के सितारों की तलाश में रहती है। फिर फरवरी में, दक्षिण अफ्रीका महिला टी20 विश्व कप के आठवें सीजन की मेजबानी करेगा। शानदार मेजबान होने का मानदंड गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया द्वारा निर्धारित किया गया था जब उन्हें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में फाइनल के लिए 86,174 की रिकॉर्ड भीड़ देखने को मिली थी। टूर्नामेंट महिलाओं के खेल में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेल आयोजनों में से एक बन गया था। साथ ही, पाकिस्तान रावलपिंडी में आयोजित होने वाली चार टीमों और 12 मैचों की एक महिला टी20 लीग भी शुरू करेगा।

# दीपा कर्माकर दो साल के लिए हुई हैं प्रतिबंधित, एंटी डोपिंग नियमों के तहत पिछले साल हुई थी कार्रवाई

**नई दिल्ली।**

देश की स्टार जिम्नास्ट और खेल रत्न अवार्डी दीपा कर्माकर दो साल के लिए प्रतिबंधित की गई हैं। एंटी डोपिंग नियमों के तहत व्हेयर अबाउट नहीं भरने के कारण उन पर यह प्रतिबंध बीते वर्ष से लगा हुआ है, लेकिन उनके इस प्रतिबंध के बारे में अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक फेडरेशन (एफआईजी), भारतीय जिम्नास्टिक संघ, नाडा और साई ने सभी ने जुबान बंदकर रखी, लेकिन अब दीपा के प्रतिबंधित होने का सच सामने आया है।

**दीपा के व्हेयर अबाउट नहीं भरने पर दिए गए तीन मिस टेस्ट** – इस साल मार्च माह में एफआईजी ने अपनी वेबसाइट पर 2016 के रियो ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल कर दुनिया को हैरत में डालने वाली दीपा को सस्पेंडेड (निलंबित) दिखाया था। ऐसा डोप पॉजिटिव होने या फिर व्हेयर अबाउट फेल करने के कारण ही हो सकता है, लेकिन एफआईजी ने इसके कारणों का खुलासा नहीं किया। सूत्र बताते हैं कि सबसे मुश्किल वॉल्ट प्रोदुनोवा लगाने वाली दीपा रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आरटीपी) में शामिल थीं। नियमानुसार आरटीपी में शामिल खिलाड़ी को हर चार माह पर अपना व्हेयार अबाउट वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी की साइट एडम्स पर भरना होता है। अगर कोई खिलाड़ी चार माह के अंतराल में व्हेयर अबाउट नहीं भरता है। उसका मिस टेस्ट करार दिया जाता है। तीन मिस टेस्ट होने पर खिलाड़ी को एंटी डोपिंग नियमों का आरोपी करार दिया जाता है। सकारात्मक तर्क नहीं देने पर खिलाड़ी पर 12 से 24 माह का प्रतिबंध लगा दिया जाता है। दीपा के साथ भी यही हुआ है। उनके तीन मिस टेस्ट के बाद उन्हें व्हेयर अबाउट फेल्योर का दोषी करार देते हुए दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया।

**दीपा ने अंतिम समय में ट्रायल छोड़ा था** – चोट से उबरने के बाद दीपा ने बीते वर्ष इंदिरा गांधी स्टेडियम में हुए भारतीय टीम के ट्रायल में वापसी की थी। उन्हें दो ट्रायल खेलने थे। एक ट्रायल में वह टॉप पर रहीं, लेकिन हैरानीजनक तरीके से वह दूसरे ट्रायल में नहीं खेलीं। जिसके चलते उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। उनके ट्रायल छोडने को भी व्हेयर अबाउट फेल होने से जोड़कर देखा जा रहा है।

# क्या भारत 2023 में एथलेटिक्स में दिखाएगा कौशल

**नई दिल्ली।**

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा की डायमंड लीग ट्रॉफी, विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उनका रजत और बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता ने 2022 को भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक खास वर्ष बना दिया।

टोक्यो ओलंपिक में अपने स्वर्ण के बाद, नीरज से देश के लिए और अधिक सम्मान लाने की उम्मीद थी और उन्होंने 2022 में अपने प्रदर्शन से निराश नहीं किया।

हालांकि, कमर की चोट ने उन्हें सीडब्ल्यूजी 2022 से बाहर रहने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन उन्होंने लुसाने में डायमंड लीग जीतने वाले पहले भारतीय बन गए।

नीरज के अलावा, सीडब्ल्यूजी 2022 में स्टीपलचेजर अविनाश सेबल, ट्रिपल जंपर्स एल्डहोज पॉल और अब्दुल्ला अबूबकर, वॉकर प्रियंका गोस्वामी और संदीप कुमार, भाला फेंक खिलाड़ी अनुरानी, लॉन्ग जम्पर मुरली श्रीशंकर और हाई जम्पर तेजसविन शंकर जैसे युवाओं द्वारा ट्रैक और फील्ड में प्रदर्शन किया गया। भारत को बर्मिंघम में एक स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य सहित आठ पदक जीतने में मदद मिली।

2022 के बाद, भारत के पास एथलेटिक्स में व्यस्त 2023 सीजन भी होगा, जिसमें एशियाई खेलों और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अलावा पूरे वर्ष में 23 प्रमुख घरेलू प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

भारतीय एथलीट घरेलू प्रतियोगिताओं में अपने कौशल को बेहतर करने की कोशिश करेंगे और सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर एशियाई खेलों और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खुद को परखेंगे।

न केवल वे एशियाई खेलों और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने पर ध्यान देंगे, बल्कि वे इन आयोजनों के दौरान 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर भी ध्यान देंगे।

दूसरी ओर, एशियाई खेलों के लिए योग्यता मानक प्रत्येक राष्ट्र के लिए भिन्न हो सकते हैं, ओलंपिक के विपरीत जहां प्रत्येक राष्ट्र के लिए योग्यता अंक समान हैं।

संबंधित संघों ने अपने स्वयं के मानकों को निर्धारित किया है जो एथलीटों को अंतिम टीम में चयन के योग्य होने के लिए एक निश्चित क्वालीफाइंग विंडो के भीतर हासिल करने की आवश्यकता होती है।

एक बार फिर, सभी की निगाहें नीरज चोपड़ा पर होंगी, जिन्होंने 2023 सीजन से पहले ही इंग्लैंड के लॉफबोरो विश्वविद्यालय में अपना प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।

उन्हें 63 दिनों के लिए लोफबोरो विश्वविद्यालय में शिविर दिया जाएगा, जो अपने अत्याधुनिक खेल जिम और प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए जाना जाता है।

एफआईएच विश्व कप

# भारत के पास मेडल का चार दशक का सूखा खत्म करने का मौका

**मुंबई।**

जनवरी 2023 में भारत में आयोजित होने वाला एफआईएच विश्व कप का 15वां सीजन चीन में एशियाई खेलों के साथ–साथ साल की सबसे बड़ी हॉकी प्रतियोगिताओं में से एक होगा। भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 से 29 जनवरी तक होने वाले मेगा इवेंट के साथ ही भारतीय प्रशंसकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। 2021 में टोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली पुरुष टीम ने बेहतर किया और ओलंपिक पदक के लिए चार दशक लंबे इंतजार को समाप्त कर दिया। हॉकी के शौकीन उम्मीद कर रहे हैं कि भारतीय टीम विश्व कप में 47 साल के एक और शर्मनाक सूखे को खत्म कर देगी। 1975 में भारत ने कुआलालंपुर में अपना पहला और अब तक का एकमात्र हॉकी विश्व कप खिताब जीता था। भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 2–1 से हराया था। मेगा इवेंट के उस दुर्भाग्यपूर्ण तीसरे सीजन के बाद से, भारत सेमीफाइनल तक पहुंचने में भी विफल रहा है। आगामी विश्व कप एक आयोजक के रूप में भारत के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह महामारी के बाद इसकी मेजबानी करने वाला पहला मेगा आयोजन है। इसके सफल आयोजन से साल में होने वाले अन्य प्रमुख आयोजनों के लिए देश का मनोबल बढ़ेगा। विश्व कप पदक के सूखे के चार दशक होने के साथ, हॉकी प्रशंसकों को लगता है कि भारत के पास इसे समाप्त करने का सबसे अच्छा मौका है क्योंकि टीम ने पिछले कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है, टोक्यो में कांस्य पदक जीता और एफआईएच प्रो लीग में तीसरा स्थान हासिल किया है।

मुख्य कोच ग्राहम रीड के कोचिंग में, टीम ने बहुत सुधार किया है और पिछले कुछ सीजनों में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, विश्व चैंपियन बेल्जियम और रियो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में कुछ झटके लगे थे, जब उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था और जर्काता में एशिया कप 2022 में भी टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। भारत 1982 (बॉम्बे), 2010 (नई दिल्ली) और 2018 (भुवनेश्वर) के बाद चौथी बार इस आयोजन की मेजबानी करेगा। यह लगातार दूसरा सीजन होगा, जिसकी मेजबानी भारत करेगा और टीम की हालिया सफलता ने उम्मीदों को बढ़ा दिया है कि इस बार सूखा समाप्त हो जाएगा।

हालांकि, प्रशंसकों की उम्मीदों ने भी टीम पर दबाव दोगुना कर दिया है और डच ड्रैग–फ्लिक विशेषज्ञ ब्रेम लोमन्स को लगता है कि अगर मेजबान टीम इस अतिरिक्त दबाव को संभालने में कामयाब हो जाती है तो वह अच्छा प्रदर्शन करेगी। 1998 विश्व कप विजेता ने हाल ही में कहा, मुझे लगता है कि अगर भारत भारी दबाव का सामना करता है, और अगर खिलाड़ी बहुत उत्साहित नहीं होते हैं, तो उनके पास जीतने का एक अच्छा मौका है। भारत के पास अच्छे स्ट्राइकर, अच्छे कॉर्नर लेने वाले और अच्छे गोलकीपर हैं। उन्होंने कहा, अगर वे बहुत उत्साहित या भावुक हो जाते हैं, तो चीजें अलग हो सकती हैं। लेकिन अगर वे अपना ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, तो वे ऑस्ट्रेलिया के साथ–साथ सबसे बड़े उम्मीदवारों में से एक हैं। भारतीय प्रशंसक खिलाड़ियों के हर कदम को बहुत अधिक उम्मीदों से देखेंगे। विश्व नंबर 1 ऑस्ट्रेलिया, मौजूदा विश्व कप और ओलंपिक खेलों के विजेता बेल्जियम और नीदरलैंड, मेजबानों के अलावा, पदक के लिए पसंदीदा हैं।

**कुल मिलाकर, 16 टीमें** -- ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चिली, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, भारत, जापान, मलेशिया, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया और वेल्स मेगा इवेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

# स्वाद और सेहत का एक ग्लास

**चॉकलेट आइसक्रीम मिल्कशेक टेस्ट में ट्विस्ट-** क्रीम चीज नहीं डालने पर भी आपको टेस्टीऔर क्रीमी टेक्सचर मिलेगा। इसमें चीनी का इस्तेमाल बिलकुल भी न करें। चॉकलेट कुकीज की जगह चॉकलेटआइसक्रीम डाली जा सकती है।

**ऐसे करें ब्लेंड -**ब्लेंडरमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर हलका ब्लेंडकरें।

### सॉल्टेडकैरेमलमिल्कशेक टेस्ट में ट्विस्ट

कैरेमल सॉसकी जगह ऑरेंजया स्ट्रॉबेरीसॉसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें क्योंकि आइसक्रीम और सॉसमें पहले से चीनी की अधिक मात्रा होती है।

**ऐसे करें ब्लेंड-** ब्लेंडरमें प्रेट्जल को छोडकर बाकी सामग्री डालें और ब्लेंड करें। अब कैरेमल सॉस को ग्लास में डिजाइन बनाते हुए डालें। ग्लास के ऊपर से सॉल्टेड प्रेट्जल को सेट करें।

### पीनटबटर ब्राउनी टेस्ट में ट्विस्ट

पीनट बटर हमारी सेहत के लिए जरूरी है। इसमें थोडा सा दालचीनी पाउडर ऐड कर टेस्ट बढाया जा सकता है। इस मिल्कशेक में आइसक्रीम को एवॉइडभी किया जा सकता है।

**ऐसे करें ब्लेंड-** ब्लेंडरमें आइसक्रीम को छोडकर सभी चीजें ब्लेंड करें। ग्लास में सर्व करते समय वैनिला आइसक्रीम के स्कूप को सेट करें। टॉपिंग्स के लिए ब्राउनी और आमंड डालकर सेट करें।

### मिंट व्हाइटचॉकलेट टेस्ट में ट्विस्ट

इसमें दूध और मिंट का इस्तेमाल करें। इसमें चीनी की जगह शहद डाल सकते हैं। जरूरत हो तभी आइसक्रीम ऐड कीजिए, आइसक्रीम को क्रीमीऔर टेस्टीफ्लेवरके लिए डाला जाता है।

**ऐसे करें ब्लेंड-**ब्लेंडरमें सब सामग्री एक साथ डालकर हलका ब्लेंडकरें। गार्निशिंगके लिए मिंट सीरप से सजाएं और ठंडा-ठंडा सर्व करें।

# क्रॉकरी के बदलते अंदाज

पार्टी में क्रॉकरी का विशेष महत्त्व है. आज बाजार में हर अवसर और हर प्रयोजन के लिए खूबसूरत रंगों और डिजाइनों में सुंदर, फैंसी एवं टिकाऊ क्रॉकरी उपलब्ध है. क्रॉकरी में आकार, रंग और डिजाइन का विशेष महत्त्व है. पहले क्रॉकरी के निश्चित आकार व डिजाइन होते थे- छोटी व बड़ी प्लेटें, छोटीबड़ी कटोरियां. डिश प्लेटें थोड़ी चपटी लेकिन गोल होती थीं. सर्विंग बाउल्स भी गोल होते थे. यानी राउंड शेप का बोलबाला था. राइस प्लेट कभी कभार ओवल शेप की होती थी.

### खूबसूरत रंग व डिजाइन में उपलब्ध

रंगों की बात करें तो रंगों ने टेबलवेयर और क्रॉकरी के अंदाज को ही बदल दिया है. आज सफेद की जगह ब्राइट रैड, ब्लू, औरेंज, ब्लैक जैसे रंगों ने ले ली है. 2 या 3 रंगों से बने खूबसूरत डिजाइनों से सजी क्रॉकरी व टेबलवेयर्स पार्टी की शोभा बढ़ाते हैं. डिजाइन की दुनिया में तो जैसे क्रांति आ गई है. आज फूलों वाली और बार्डर वाली क्रॉकरी की जगह मौडर्न आर्ट ने ले ली है. नामीगिरामी कलाकारों द्वारा तैयार किए गए डिजाइन आज क्रॉकरी पर ाजमाए जा रहे हैं. पहले गिलास स्टैंडर्ड साइज के होते थे, 200 मि.ली. के. लेकिन आज गिलासों के साइज में ही नहीं उन के मैटेरियल, आकार और डिजाइन में भी रोमांचक बदलाव आए हैं. पहले गिलास सिर्फ पारदर्शी कांच के ही होते थे, लेकिन कुछ कंपनियों ने बोनचाइना और कांच जैसी फिनिश वाले प्लास्टिक के गिलास भी बाजार में उतारे हैं, जो न केवल देखने में खूबसूरत हैं बल्कि स्टैनप्रूफ भी हैं. गिलास ई साइजों और आकारों में मिलते हैं- लंबे और पतले, छोटे, मोटे, नाटे, राउंड, स्क्वैयर आदि. पार्टी में बहुत बड़े गिलास न रखें, इस से पानी और कोल्ड ड्रिंक्स की बरबादी होती है। चाय या कौफी के मग की बात करें तो बाजार में जा कर समय में नहीं आता कि क्या खरीदें और क्या छोड़ें. सैकड़ों प्रकार के खूबसूरत रंगों और डिजाइनों के कप और मग हमें अपनी ओर आकर्षित करते हैं.

### ध्यान देने योग्य बातें

पार्टी के लिए क्रॉकरी व टेबलवेयर्स का चयन करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है.

- पार्टी के लिए आधुनिक किस्म की क्रॉकरी का ही चयन करें.
- आधुनिक क्रॉकरी आज के समय की मांग के अनुसार हर प्रकार से फिट होती है जैसे कि माइक्रोवेव, डिशवाशर, सेफ कुक ऐंड सर्व यानी एक ही बरतन में खाना पकाओ और सर्व करो. इस से बरतनों की खपत बहुत कम हो जाती है. इन बरतनों में रखे खाने को ठंडा होने पर तुरंत माइक्रोवेव में गरम किया जा सकता है.
- दूसरी जरूरी बात है क्रॉकरी का ड्यूरेबल यानी टिकाऊ होना. अगर पार्टी में बच्चे अधिक हों तो कांच या बोनचाइना कीक्रॉकरी के प्रयोग से बचें. ऐसे में अनब्रेकेबल क्रॉकरी का प्रयोग करें. प्लास्टिक या मैलामाइन की अनब्रेकेबल क्रॉकरी को समेटना, सहेजना और साफ करना बहुत आसान होता है, टूटफूट की कोई गुंजाइश नहीं होती. सब से जरूरी बात है क्रॉकरी व टेबलवेयर का स्टैनप्रुफ होना. स्टैनप्रुफटेबलवेयर हमेशा नए जैसे दिखते हैं. कांच और सिरेमिक्स की क्रॉकरी में तो यह खतरा नहीं रहता लेकिन प्लास्टिक और मैलामाइन की अनब्रेकेबल क्रॉकरी को अगर तुरंत साफ न किया जाए तो प्लेटों, डोंगों और कटोरियों में हलदी के दाग पड़ जाते हैं, जो कभी नहीं छूटते.
- आज बाजार में अच्छे किस्म की स्टैनप्रुफ अनब्रेकेबल क्रॉकरी उपलब्ध है, जो थोड़ी महंगी जरूर है लेकिन सालोंसाल नई जैसी दिखती है. बोनचाइना, सिरैमिक्स और कांच की क्रॉकरी देखने में अति विशिष्ट दिखाई देती है. इस क्रॉकरी का प्रयोग ऐक्जीक्यूटिव किस्म की पार्टियों तक ही सीमित रखें.

# जब बात हो लिपस्टिक की तो ऐसे करें यूज

लिपस्टिक न सिर्फ होंठों और चेहरे की सुंदरता को बढाती है बल्कि आत्मविश्वास को भी बढाने में मदद करती है। यह मेकअप का महत्वपूर्ण हिस्सा है इसलिए उसे लगाने का तरीका भी सही और खास होना चाहिए। वैसे तो लिपस्टिक के अनेक शेड मार्केट में उपलब्ध हैं लेकिन उसे खरीदते वक्त यह ध्यान रखना बेहद जरुरी है कि वह कौन सा शेड है, जो आपकी स्किन टोन पर सूट करेगा। अगर आप अपनी स्किन टोन को नहीं पहचानती हैं तो इसे पहचानने के लिए वेन टेस्ट करें।

अगर आपकी कलाई में नीले रंग की नसें दिख रही हैं तो इसका मतलब है कि आपका स्किन टोन कूल है। इस टोन के लोगों पर रेड, पेस्टल और ऑरेंज कलर्स बेहद अच्छे लगते हैं।

अगर नसें हरे रंग की दिख रही हैं तो यह वॉर्म टोन है। इस स्किन टोन की लडकियों पर रेड, ऑरेंज (रेड और ऑरेंज का ऐसा शेड जिसमें थोडा येलो टोन हो) और पिंक कलर्स अच्छे लगते हैं।

अगर कलाई की नसें ब्लू और ग्रीन दोनों कलर्स की दिख रही हैं तो यह न्यूट्रल टोन है। ऐसे लोग खुश किस्मत होते हैं, उन पर हर कलर अच्छा लगता है। वह किसी भी कलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। पर्पल और वाइन कलर्स उन पर अच्छे लगते हैं।

### कैसे करें अप्लाई

**स्टेप 1** लिपस्टिक को लगाने से ज्यादा जरुरी है उसका होंठों पर टिका रहना इसलिए होंठों पर इसे सीधे अप्लाई नहीं करें। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर लिप बाम लगाएं।

**स्टेप 2** अब एक टूथब्रश की मदद से लिप्स पर जमी डेड स्किन की परत को अच्छी तरह क्लीन कर लें। छूकर देखेंगे तो आपको लिप्स स्मूद नजर आएंगे।

**स्टेप 3** अब लिप्स पर कंसीलर या फिर पाउडर की एक परत अच्छी तरह फैला लें। एकसार करने के लिए ब्रश का यूज करें।

**स्टेप 4** अब लिपलाइनर से होंठों के चारों तरफ एक लाइन खींचें और उसमें लिपस्टिक फिल करें। इन स्टेप्स को फॉलो करने से न केवल लिपस्टिक ज्यादा समय तक टिकेगी बल्कि होंठ भी आकर्षक दिखेंगे।

# इन गलतियों से पड़ेगा दिमाग पर बुरा असर

भागदौड़ भरी जिंदगी में हर किसी को सिर दर्द की समस्या है। दिनभर सिर दर्द रहने से दिमाग की कार्य क्षमता कंम होने लगती है और हम दिमागी रुप से कमजोर हो जाते है। अक्सर लोग सिर दर्द की समस्या को इग्नोर करके कोई भी दवाई का सेवन करने लगते है लेकिन आपने कभी अपने सिर दर्द की वजह जानने की कोशिश की है। दरअसल, हम अपनी रोजमर्रा जिंदगी में ऐसी गलतियां कर बैठते है, जिससे सिर दर्द की समस्या बढ़ जाती है। आज हम आपको उन्हीं गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनमें सुधार करना बहुत जरूरी है।

### अकेले रहना

अगर आप ज्यादातर अकेले रहते है तो अपनी इस आदत को सुधार लें। अकेले रहने से दिमाग में कई विचार चलते रहते है, जो अच्छे और बुरे होते है। इनका ब्रेन पर काफी असर पड़ता है, जिससे सिर दर्द जैसी समस्या रहती है।

### तेज आवाज में गाने सुनना

अगर आप घंटो तेज आवाज में हेडफोन लगाकर गाने सुनते है तो इसका असर आपको कानों पर ही नहीं, बल्कि दिमाग पर

भी पड़ता है। तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिशूज पर असर पड़ता है।

### एक्टिव न रहना

अगर आप अपने शरीर को हरकत में नहीं लाते और रोज कोई एक्टिविटी नहीं करते तो इससे डायबिटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रैशर की समस्या रहती है, जिससे ब्रेन को काफी नुकसान होता है।

### स्मोकिंग

स्मोकिंग करने से शरीर में की हॉर्मोनल कैमिकल्स रिलीज होते है, जिनसे खून गाढ़ा हो जाता है और ब्लड ब्रेन तक सप्लाई नहीं हो पाता।

### अधिक जंक फूड्स

ज्यादा मात्र में जंक फूड्स खाने से भी दिमाग पर असर पड़ता है। जंक फूड्स में सोडियम की मात्र अधिक होती है, जो ब्रेन को नुसान पहुंचाता है। इसके सेवन से सिर दर्द, उल्टी जैसी समस्या हो सकती है।

### पर्याप्त नींद न लेना

दिन में पर्याप्त नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता, जिस वजह से धीरे-धीरे काम करने की क्षमता कम होने लगती है, जिसका दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

## रेसिपी

### ओट्स इडली

**सामग्री**

ओट्स - 1 कप, रवा - 1/2 कप, दही - 1/2 कप, अपने पसंद की सब्जियां - जरूरत अनुसार , पानी - 1/2 कप , नमक - 1 छोटा चम्मच , इनो फ्रूट सॉल्ट - 1/2 छोटा चम्मच ,नींबू - 1 , हरी मिर्च, बारीक कटी- 2 नग, कटा हरा धनिया - 1 चम्मच ,कटा हुआ अदरक - 1 छोटा चम्मच , तड़का लगाने के लिये तेल - 1 बड़ा चम्मच, सरसों - 3/4 छोटा चम्मच, उड़द की दाल - 1 छोटा चम्मच , चना दाल - 1 छोटा चम्मच, कडी पत्ते - 1 गुच्छा,

**विधि** सबसे पहले ओट्स को किसी गरम पैन में 3 मिनट के लिये रोस्ट कर लें. फिर उसे ठंडा कर के मिक्सी में पीस कर पाउडर बना लें. अब पैन को गैस पर चढा कर उसमें तेल गरम करें. फिर उसमें तड़के वाली सामग्रियां डझल कर बाद में सबजियां डालें. फिर उसमें अदरक, हरी मिर्च, धनिया डाल कर फ्राई करें. उसके बाद इसमें रवा डालें और फ्राई करें. अब इसे मिक्सी में डालें और उसमें ओट्स पावडर, दही, नींबू का रस तथा पानी डाल कर इडली के लिये घोल तैयार करें. मिक्सी से घोल निकाल कर उसमें इनो डालें. इससे आपकी इडली बिल्कुल फूली हुई बनेगी. अब इस घोल को इडली बनाने वाले सांचे में डालें और इडली को 10-15 मिनट के लिये पकाएं. सांचे में हमेशा तेल लगा लेना चाहिये नहीं तो इडली चिपक जाएगी. जब इडली हो जाए तब इसे थोड़ा ठंडा होने के बाद सर्व करें.

# र सीजन में सेफ एंड हेल्दी वेडिंग मेकअप

दुल्हन के लिए यह ज़रूरी है कि वेडिंग के दौरान उसकी त्वचा स्वस्थ, चमकदार व आकर्षक नज़र आए। इसके लिए वह रोज़ाना क्या-क्या करे, आइए इसके बारे में जानें..

### तैलीय त्वचा

अगर आपकी त्वचा बेहद तैलीय है तो चेहरे को दो से तीन बार ऑयल-फ्री मॉइश्चराइजर से धोएं। पंद्रह दिनों में एक बार नियमित रूप से फेशियल कराएं। फेशियल सूट न करता हो तो चेहरे पर क्लीन-अप करवाएं। फेशियल या क्लीन-अप लेने से त्वचा की गंदगी निकल जाती है और वह चमकदार व कोमल दिखने लगती है। इसलिए इन दिनों कोशिश करें कि प्रदूषण और धूल-मिट्टी के सीधे संपर्क में न आएं। इससे मुंहासों का डर नहीं रहेगा और त्वचा साफ-सुथरी नज़र आने लगेगी।

### रूखी त्वचा

अगर आपकी त्वचा रूखी है तो सोप, एल्कोहॉल बेस्ड क्लींज़र और स्क्रब का इस्तेमाल भूलकर भी न करें। दूध से बने मॉइश्चराइजर या क्रीम का इस्तेमाल करें। चेहरा साफ करने के लिए शहद और ग्लिसरीन युक्त फेसवॉश का इस्तेमाल करें। इससे त्वचा पर रेडनेस, रूखापन और किसी प्रकार की एलर्जी नहीं होगी। त्वचा साफ व खिली-खिली दिखेगी।

### सामान्य, मिश्रित त्वचा

कई लोगों की त्वचा मिश्रित होती है, यानी चेहरे के किसी हिस्से में ऑयली तो किसी जगह ड्राई। ऐसे में मलाई, हल्दी और गुलाबजल को एक साथ मिलाकर लगाने से त्वचा चमकदार बनी रहती है। अगर आपकी त्वचा भी सामान्य है तो अत्यधिक मेकअप करने से बचें। मेकअप करना ही पड़े तो किसी अच्छे क्लींज़र से उसे साफ करना न भूलें। यह उपाय दोनों ही तरह की त्वचा पर काम करेगा।

### कॉन्टूरिंग

यह चरण अकेले ही आपके पूरे चेहरे को बदलकर रख देता है। यह आपके गोल चेहरे को भी शार्प बना देता है। बेस मेकअप करने के बाद आप कॉन्टूरिंग शुरू कर सकती हैं। इस मेकअप को लगाने से सबसे पहले ब्रांउजिंग पाउडर का इस्तेमाल करें और फिर इसे हल्का हल्का लगाएं। अपने चिकबोन के नीचे भी आप ब्राउंजर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके बाद ब्राउंजर को हेयरलाइन पर लगाकर अपने चौथे माथे को छुपा सकती हैं। इसके अलावा बाकि बचे हुए मेकअप को जिस तरह से किया जाता है वैसे ही करें।

### कौर्न व दाल के डंपलिंग

**सामग्री**

100 ग्राम पनीर क्यूब्स
200 ग्राम पास्ता उबला हुआ
पुदीना कटा हुआ
अनन्नास ताजा कटा हुआ
शिमलामिर्च लाल व पीली कटी हुई
प्याज कटा हुआ
1/2 कप इटैलियन सौस
1/4 छोटा चम्मच कालीमिर्च
नमक स्वादानुसार

**विधि** एक कटोरे में सभी सब्जियां व उबला पास्ता सौस के साथ अच्छी तरह मिलाएं. फिर नमक व कालीमिर्च मिलाएं. इसे फिज में रखें फिर ठंडा परोसें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**